



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-24092021-229924
CG-DL-E-24092021-229924

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 283]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 23, 2021/आश्विन 1, 1943

No. 283]

NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 23, 2021/ASVINA 1, 1943

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

अधिसूचना

अंतिम जांच परिणाम

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 2021

(मामला सं. एडी-ओआई -26/2020)

विषय : चीन जन.गण. के मूल के अथवा यहां से निर्यातित “सिलिकॉन सीलेंट” के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच।

फा. सं. 06/ 31/ 2020-डीजीटीआर.—समय समय पर यथा-संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे यहां अधिनियम कहा गया है) और उसके समय समय पर यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आकलन और संग्रहण तथा क्षति के निर्धारण हेतु) नियमावली के संबंध में-

क. मामले की पृष्ठभूमि:

1. मै. आलस्टोन इंडस्ट्रीज प्रा. लिमि. (जिसे यहां “आवेदक” या “याचिकाकर्ता” भी कहा गया है) ने समय-समय पर यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमा शुल्क टैरिफ नियमावली, 1995 (जिसे यहां “नियमावली” भी कहा गया है) के अनुसरण में, निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे यहां “प्राधिकारी” भी कहा गया है) के समक्ष चीन जन.गण. (जिसे “संबद्ध देश” भी कहा गया है) से “फोटो वोल्टेक माझ्यूल्स और थर्मल पॉवर

एप्लीकेशन्स (जिन्हें यहां “संबद्ध वस्तुएं” या “विचाराधीन उत्पाद” अथवा “पीयूसी” भी कहा गया है) के विनिर्माण में प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट को शामिल न करते हुए ‘सिलिकॉन सीलेंट’ के आयातों के संबंध में एक पाटनरोधी जांच की शुरुआत करने की मांग करते हुए एक आवेदन/याचिका दायर की है।

2. प्राधिकारी ने संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के कथित पाटन की विद्यमानता, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने के लिए और पाटनरोधी शुल्क (एडीडी) की राशि का निर्धारण करने के लिए, जो यदि लगाई जाती तो घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होती, नियमावली के नियम 5 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9 के अनुसरण में, विषयगत जांच की शुरुआत करते हुए, भारत के राजपत्र, असाधारण, में प्रकाशित अधिसूचना सं. 6/31/2020-डीजीटीआर दिनांक 28 सितंबर, 2020 के अनुसार आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर एक पब्लिक नोटिस जारी किया।

ख. प्रक्रिया

3. संबद्ध जांच के संबंध में यहां नीचे वर्णित प्रक्रिया का अनुसरण किया गया है:-

क. प्राधिकारी ने ऊपर दिए गए नियम 5 के उप नियम (5) के अनुसरण में जांच की शुरुआत करने की कार्रवाई से पूर्व वर्तमान पाटनरोधी आवेदन की प्राप्ति के संबंध में भारत में संबद्ध देश के दूतावास को सूचित किया।

ख. प्राधिकारी ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में एक पाटनरोधी जांच की शुरुआत करते हुए, भारत के राजपत्र, असाधारण, में प्रकाशित दिनांक 28 सितंबर, 2020 को एक पब्लिक नोटिस जारी किया।

ग. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देश के दूतावास, संबद्ध देश से ज्ञात उत्पादकों और निर्यातकों, ज्ञात आयातकों, आयातक/प्रयोक्ता एसोसिएशनों, घरेलू उद्योग, अन्य ज्ञात भारतीय उत्पादकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार दिनांक 28 सितंबर, 2020 को जांच शुरुआत अधिसूचना की एक प्रति भेजी।

घ. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियमावली के नियम 6(3) के अनुसरण में भारत में उसके दूतावास के ज़रिए, संबद्ध देश की सरकार और ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को आवेदन के अगोपनीय पाठ की एक प्रति उपलब्ध कराई।

ड. भारत में संबद्ध देश के दूतावास से निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए उनके देश से निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह देने का भी अनुरोध किया गया। संबद्ध देश से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों के नामों और पतों सहित उत्पादकों/निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति भी उन्हें भेजी गई।

च. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध किए जाने पर, उनके उत्तर तथा अनुरोधों को दायर करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को समय विस्तार प्रदान किया। दिनांक 3 नवंबर, 2020 के संप्रेषण के द्वारा, समय सीमा को 3 दिसंबर, 2020 तक बढ़ा दिया गया। दिनांक 3 दिसंबर, 2020 के संप्रेषण के अनुसार, समय सीमा को 17 दिसंबर, 2020 तक बढ़ा दिया गया।

छ. प्राधिकारी ने एडी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसरण में संबद्ध देश में निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी थी:-

- वॉकर केमिकल्स चाइन कं. लि.
- शानडांग थैर्किंग ट्रेड कं. लि.
- शानडांग लोनलिया इंपोर्ट एक्सपोर्ट कं. लि.

iv. एम एम शानडांग फाइदू अधेसिव टेक्नो लोगी शेयर्स कं. लि.

v. शानडांग डांगयुए सिलिकॉन मेटीरियल कं. लिमि.

ज. प्रत्युत्तर में, संबद्ध देश से निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दायर किए हैं:-

- हांगज्ञाऊ ज्वाइनलीडर न्यू मेटीरियल्स कं. लि.
- अनहुई ज्वाइन लीडर न्यू मेटीरियल्स टेक्नोलॉजी कं. लि.
- शानडांग डांगयुए सिलिकॉन मेटीरियल्स कं. लि.

झ. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसरण में अनिवार्य सूचना की मांग करते हुए भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/उपभोक्ताओं को आयातक प्रश्नावली भेजी:-

- एआईपीएल जोरो प्राइवेट लिमिटेड
- ऑटो ग्लास ट्रेडर्स प्रा. लि.
- किंसटन मल्ली प्रोडक्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमि.
- माइरिआद इंक.
- पनामैक्स टेप्स इंटरनेशनल
- मारवेल इम्पैक्स
- पार्वनाथ मार्केटिंग
- प्रमिसिव वेंचर
- ग्राइंडवेल नोरटन लि.
- महल एंटर प्राइजेज
- पायोनियर अधेसिव प्राइवेट लिमि.

ज. प्रत्युत्तर में, निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं, जिन्होंने निर्धारित और विस्तारित समय अवधि के भीतर उत्तर दिया है और आयातकों की प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं, पर विचार किया गया:-

- ग्राइंडवेल नोरटन लि.
- एआईपीएल जोरो प्रा. लि.

झ. उक्त पक्षकारों के अलावा, वेकर केमिकल्स (चीन) कं. लि., वेकर मैट्रोआर्क केमिकल्स प्रा. लि. और हेमसंस ट्रेडिंग (इंडिया) एलएलपी ने याचिका/जांच पर टिप्पणियां दायर की हैं। प्राधिकारी के लगातार अभ्यास के अनुसार, संगत समझी जाने वाली सीमा तक ऐसे अनुरोधों पर भी विचार किया गया है और उनका समाधान भी किया गया है।

ठ. ईमेल दिनांक 28.07.2021 के माध्यम से, मेसर्स डाउ केमिकल इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड (डीसीआईपीएल) ने घरेलू उद्योग द्वारा दायर याचिका के जवाब में प्राधिकरण पत्र और क्षति प्रस्तुतियां

दायर कीं। तथापि, यह नोट किया गया था कि ये निवेदन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उत्तर प्रस्तुत करने के लिए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित समय सीमा के बाहर थे। इसलिए, उनके अनुरोधों पर विचार नहीं किया गया

ड. प्राधिकारी ने डीजीटीआर की वेबसाइट पर सभी संगत पक्षकारों को उपलब्ध कराई गई संबद्ध जांच के लिए प्रासंगिक हितबद्ध पक्षकारों की सूची के आधार पर ई-मेल के जरिए ऐसे अनुरोधों के आदान-प्रदान के लिए पक्षकारों को निर्देश देने के जरिए अन्य हितबद्ध पक्षकारों को विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत/दिए किए साक्ष्यों का अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया है।

ढ. वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महा निदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) को पिछले तीन वर्षों और जांच की अवधि के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयातों के सौदा-वार विवरण उपलब्ध कराने के लिए अनुरोध किया गया था जिसे प्राधिकारी द्वारा प्राप्त किया गया था। प्राधिकारी ने आयातों के वाल्यूम की संगणना के लिए और सौदों की उचित जांच के पश्चात इसके विश्लेषण के लिए डीजीसीआईएंडएस के सौदा-वार विवरणों पर भरोसा किया है।

ण. क्षति रहित कीमत (एनआईपी) को सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जीएएपी) और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना पर आधारित भारत में संबद्ध वस्तुओं को बनाने और बिक्री की लागत और उत्पादन की लागत के आधार पर निर्धारित किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से निम्न पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।

त. वर्तमान पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ, जांच की अवधि 1 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च 2020 (12 महीने) है। तथापि क्षति जांच अवधि को अप्रैल, 2016-मार्च 2017, अप्रैल, 2017-मार्च 2018, अप्रैल 2018-मार्च 2019 और पीओआई की अवधि के रूप में विचारित किया गया है।

थ. आवेदक, उत्तर देने वाले उत्पादकों और संबद्ध देश से निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना का जरूरी समझी गई सीमा तक डेस्क सत्यापन प्राधिकारी द्वारा किया गया। वर्तमान अधिसूचना के प्रयोजनार्थ जहां भी लागू था, अनिवार्य परिशोधन/सुधार के साथ केवल सत्यापित की गई सूचना पर ही भरोसा किया गया।

द. नियमावली के नियम 6(6) के अनुसरण में, प्राधिकारी ने 3 मार्च, 2021 को वीडियो कॉफ्रेंसिंग के जरिए आयोजित सुनवाई में मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने का सभी हितबद्ध पक्षकारों को अवसर भी प्रदान किया। सभी पक्षकारों को, जिन्होंने मौखिक सुनवाई में भाग लिया था, को 10 मार्च, 2021 तक लिखित अनुरोध प्रस्तुत करने, जिसके अनुसरण में प्रत्युत्तर, यदि कोई हो, को मार्च, 2021 तक प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया।

ध. इस अंतिम जांच परिणाम में, अभी तक इस जांच की अवधि के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों, पर जहां तक उनका साक्ष्यों के साथ समर्थन किया गया था और वे वर्तमान जांच के लिए संगत समझे गए, प्राधिकारी द्वारा उचित रूप से विचार किया गया है और समाधान भी किया गया है।

न. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां भी जरूरत थी, गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय समझा गया है और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष प्रकट नहीं किया गया है। जहां भी संभव था, गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ भी उपलब्ध कराने के लिए कहा गया।

प. जहां भी यदि कोई हितबद्ध पक्षकार वर्तमान जांच की अवधि के दौरान आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है या अन्यथा उपलब्ध नहीं करता है या जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो प्राधिकारी ऐसे

पक्षकारों को असहयोगी घोषित कर सकते हैं और उनके पास उपलब्ध सूचना के आधार पर विचार/अवलोकन दर्ज कर सकते हैं।

फ. इस अंतिम जांच परिणाम में ‘***’ गोपनीय आधार पर किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत की गई और नियमों के तहत प्राधिकारी द्वारा इस प्रकार समझी गई सूचना का प्रतिनिधित्व करता है।

ब. संबद्ध जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई विनिमय दर 1 अमरीकी डॉलर = 71.65 रुपए है।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

4. जांच शुरुआत के स्तर पर विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:-

“3. विचाराधीन उत्पाद चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “सोलर फोटो वोल्टिक मार्ग्यूल और थर्मल पावर एप्लिकेशन के निर्माण में उपयोग किए जाने वाले “सिलिकॉन सीलेंट” को छोड़कर “सिलिकॉन सीलेंट” है।

4. “सिलिकॉन सीलेंट” अधेसिव का तरल रूप है। विशिष्ट रूप से, यह जैल की भाँति दिखाई, महसूस होता है और कार्य करता है। यह अन्य आर्गेनिक पॉलीमर आधारित अधेसिव से भिन्न रासायनिक संघटक है। अन्य अधेसिव्स के विपरीत, सिलिकॉन उच्च और निम्न, दोनों प्रकार के तापमान में अपना लचीलापन और स्थिरता बनाए रखता है। इसके अतिरिक्त, सिलिकॉन सीलेंट अन्य रसायनों, नमी और मौसम के प्रभाव के प्रति प्रतिरोधी है। इसके असफल होने की संभावना कम होती है जब इसे भवनों के निर्माण और वस्तुओं की मरम्मत के लिए प्रयोग किया जाता है। अन्य अधेसिव्स के विपरीत, सिलिकॉन सीलेंट को संसाधित करना चाहिए। सिलिकॉन को संसाधित करने से तात्पर्य मूल रूप से इसे सुखने देना है। सिलिकॉन सीलेंट का प्रयोग आम तौर पर खिड़कियों के फ्रेम को सील करने के लिए किया जाता है क्योंकि वे जल-प्रतिरोधी सील उपलब्ध कराते हैं जो खराब मौसम की स्थितियों के विरुद्ध मजबूती बनाए रखते हैं। सिलिकॉन सीलेंट का प्रयोग दरारों को बंद करने के लिए किया जा सकता है। कई बार कई व्यक्ति इससे अपने घर आदि में सतह को समतल करने की कोशिश करते हैं जल-प्रतिरोधी सिलिकॉन सीलेंट सिंक और ऐसे अन्य क्षेत्रों के आस पास की जगह की मरम्मत के लिए आदर्शपूर्ण है जहां पानी अक्सर पाया जाता है। हालांकि, सिलिकॉन भार सहने वाली सीलों के लिए प्रयोग हेतु एक अच्छा पदार्थ नहीं है, फिर भी बहुत से निर्माण कार्यों में इसकी प्रभावशाली विशेषताओं की जरूरत होती है। सिलिकॉन सीलेंट आम तौर पर सतहों जैसे प्लास्टिक, धातु और शीशा को एक साथ बंद करने के लिए प्रयुक्त होता है। उदाहरण के लिए एक्वेरियम को प्रायः सिलिकॉन से सील किया जाता है। खिड़कियों को प्रायः फ्रेमों में सिलिकॉन सीलेंट से सील किया जाता है क्योंकि यह मौसम प्रतिरोधी है। निर्माण कार्य/भवनों और शीशे संबंधी अनुप्रयोगों के अतिरिक्त, सिलिकॉन का प्रयोग आटोमोबाइल्स, एप्लाईंसेस, सीलिंग केबल्स और इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइसेस में केबल्स और सेंसर्स को सील करने, घर, टाइलों, फ्लोरिंग आदि की बुनियादी मरम्मत में किया जाता है।

5. हालांकि, सिलिकॉन सीलेंट का प्रयोग बहुत से खंडों और अनुप्रयोगों में किया जाता है, सोलर फोटोवोल्टैक मार्ग्यूल्स और थर्मल पावर अनुप्रयोग के विनिर्माण में प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट पी यू सी के क्षेत्र में शामिल नहीं हैं क्योंकि याचिकाकर्ता द्वारा अभी तक सिलिकॉन सीलेंट के ऐसे प्रकार को उत्पादित और आपूर्ति नहीं किया गया है। ऐसे प्रकारों को आवेदक द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं के समान वस्तु न होने का दावा किया गया है और इसलिए ये पीयूसी के क्षेत्र से बाहर हैं।

6. पीयूसी का सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) के तहत कोई समर्पित वर्गीकरण नहीं किया गया है। पीयूसी का आयात अध्याय 32 और 35 के संबंधित उपशीर्षों के अंतर्गत किया जाता है और अन्य अध्यायों के तहत पीयूसी के आयात को वर्जित नहीं किया गया है।

समान वस्तु

7. आवेदक ने दावा किया है कि संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुएं और संबद्ध देश से आयातित वस्तुएं अनिवार्य उत्पाद विशेषताओं जैसे भौतिक और रसायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्यों और प्रयोगों, उत्पाद विशिष्टताओं, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन और वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण के संदर्भ में तुलनीय हैं। उपभोक्ता इनका एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग कर रहे हैं। आवेदक ने आगे दावा किया है कि ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और अतः उन्हें नियमों के अंतर्गत समान वस्तु माना जाना चाहिए। इसलिए, वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ, भारत में आवेदक द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं को संबद्ध देश से आयातित की जा रही संबद्ध वस्तुओं के “समान वस्तु” माना जा रहा है।

ग.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

5. जांच शुरुआत अधिसूचना में पीयूसी को “सोलट फोटोवोल्टैक मॉड्यूल्स और थर्मल पॉवर एप्लीकेशन्स के विनिर्माण में प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट को छोड़कर सिलिकॉन सीलेंट” के रूप में परिभाषित किया है।
6. संबद्ध वस्तु, जैसाकि जांच में शामिल किया गया है, को क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और विक्रय किया गया है और इन वस्तुओं का इसी अवधि के दौरान चीन जन.गण. से भारत में आयात किया जा रहा है।
7. जांच शुरुआत अधिसूचना के अनुसार समान वस्तु पर मत और पीयूसी की परिभाषा निष्पक्ष और न्यायपूर्ण है और इसे अंतिम जांच परिणाम के प्रयोजन से अपनाया जाना चाहिए तथा इस में किसी संशोधन की मांग की जानी चाहिए।

ग.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध:

8. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:-

- i. प्राधिकारी संभवतः सिलीकॉन सीलेंट के संबंध में अपवर्जन को नहीं अपना सकते जो सोलर फोटोवोल्टेक मॉड्यूल्स और थर्मल पॉवर के विनिर्माण में प्रयोग किया जाता है क्योंकि इसका याचिकाकर्ता द्वारा विनिर्माण नहीं किया जाता।
- ii. घरेलू उद्योग पीयूसी का विनिर्माण नहीं करता बल्कि पीयूसी का उत्पादन करने के लिए जरूरी कच्चे माल को भारत के बाहर से प्राप्त करता है और पीयूसी प्राप्त करने के लिए उन्हें ब्लैंड किया जाता है। दिलचस्प रूप से, याचिकाकर्ता ने याचिका में उत्पादन प्रक्रिया के संबंध में पूर्ण रूप से गोपनीयता का दावा किया है।
- iii. याचिकाकर्ता पीयूसी के निम्नलिखित ग्रेडों/प्रकारों का व्यावसायिक रूप से उत्पादन नहीं करता:
 - क. हाई टैम्प. एचटी -150
 - ख. एस एस 999
 - ग. आई जी 998
 - घ. एन बी 6000
 - ड. ए2ए स्टिक्स ऑल
- iv. याचिकाकर्ता बल्कि मात्रा में एक अन्य विनिर्माता मै. कनिका पॉलीमर्स से उत्पाद प्रकार ‘ए2ए स्टिक्स आल’ की अधिप्राप्ति करता है और खुले बाजार में बिक्री के लिए उनकी छोटी मात्रा में दुबारा पैकिंग करता है।

v. डीजीटीआर की संचालन प्रथा संबंधी नियमावली के पैराग्राफ 3.10 में यह नोट किया गया है कि किसी भी उत्पादन या व्यापारिक बिक्री के बिना केवल क्षमता पीयूसी की परिभाषा में किसी वस्तु को शामिल करने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकती।

vi. 'ओक्सो इंडस्ट्रीज एसोसिएशन बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी, 2001 (130) ईएलटी 58, में माननीय प्राधिकारी ने निर्णय दिया था कि यदि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पाद का विनिर्माण नहीं किया जाता तो उस उत्पाद का आयात घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुंचा सकता और इसलिए ऐसे उत्पाद को पाटनरोधी शुल्क के उद्धरण से बाहर रखा जाना चाहिए।

vii. कुछ उत्पाद ऐसे हैं जो दिखने में पीयूसी के समान हैं और पीयूसी के समान टैरिफ कोड के अंतर्गत आते हैं। निम्नलिखित उत्पादों को पूरीसी के क्षेत्र से विशेष रूप से बाहर रखा जाना चाहिए क्योंकि वे न तो पीयूसी के विवरण के अंतर्गत आते हैं और न ही उनका याचिकाकर्ता के द्वारा विनिर्माण किया जाता है:-

- क. पॉलीयूरेथेन सीलेंट : ऑटोमोटिव विंड शील्ड रिपेयर के लिए प्रयुक्त
- ख. पॉलीयूरेथेन फोम : गैप फिलिंग अनुप्रयोगों के लिए प्रयुक्त
- ग. पॉलीयूरेथेन फोम क्लीनर
- घ. सोलर पोटिंग सिलिकॉन
- ड. एक्रेलिक सीलेंट
- च. सिलीकोनाइज्ड एक्रेलिक सीलेंट

viii. पीयूसी एक एकल समरूप उत्पाद नहीं है। इसे मौटे तौर पर सामान्य प्रयोजन एसिड क्योर और न्यूट्राल क्योर सिलिकॉन सीलेंट के साथ-साथ एमएस सीलेंट (जो शुरु से ही सिलिकॉन सीलेंट नहीं है) में वर्गीकृत किया जा सकता है। याचिकाकर्ता मुख्य रूप से न्यूट्राल क्योर सिलिकॉन सीलेंट की बिक्री कर रहा है। भारत में चीन जन.गण. से संबद्ध आयात मुख्य रूप से/बड़े पैमाने पर सामान्य प्रयोजन वाले एसिड क्योर (एसिटैक्सी) सिलिकॉन सीलेंट का होता है। इन दोनों उत्पादों के भिन्न गुण हैं और कीमतें भी भिन्न हैं। वेकर गुप्त ने तर्क दिया है कि डीजीटीआर को उत्पाद क्षेत्र से और एसिड क्योर और न्यूट्राल क्योर सिलिकॉन सीलेंट के लिए पीसीएन/उत्पाद समूह की स्थापना करने के लिए एमएस सीलेंट को बहिष्कृत करना चाहिए।

ix. आवेदक उद्योग ने अपनी याचिका में उल्लेख किया है कि यह अच्छी तरह जानते हुए कि बहुत से वैकल्पिक उत्पाद उपलब्ध हैं, कोई व्यवहार्य प्रतिस्थापनीय उत्पाद उपलब्ध नहीं है।

ग.3 हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अतिरिक्त अनुरोध

9. दिनांक 2 अप्रैल, 2021 के पत्र के अनुसार, एआईपीएल जोरो प्रा. लि. ने अनुरोध किया है कि वर्तमान मामले में पीसीएन को अपनाया जाना चाहिए। अनुरोध किए गए अनुसार, पीयूसी की पीसीएन श्रेणियां इस प्रकार हैं (1) सामान्य प्रयोजन (2) न्यूट्राल ग्रेड (3) वेदर प्रूफ ग्रेड (4) स्ट्रक्चरल ग्लेजिंग (5) आरटीवी गास्केट, (6) एमएस पॉलीमर और (7) पेंट योग्य एक्रेलिक सीलेंट।

10. इसके अलावा, निम्नलिखित उत्पादों को पीयूसी के दायरे से बहिष्कृत किया जाना चाहिए क्योंकि इन का विनिर्माण याचिकाकर्ता द्वारा नहीं किया जाता:

- i. पॉलीयूरेथेन सीलेंट: इसका प्रयोग ऑटोमोटिव विंड-शील्ड की मरम्मत के लिए किया जाता है। यह सीलेंट की दिखावट सिलिकॉन सीलेंट के समान है और यह समान टैरिफ शीर्ष के अंतर्गत आता है लेकिन सिलिकॉन पर आधारित नहीं है। याचिकाकर्ता इसका विनिर्माण नहीं करता। इसलिए, इस टाइप को शामिल नहीं किया जाना चाहिए।

- ii. पॉलीयूरेथेन फोम: इसका प्रयोग गैप फिलिंग अनुप्रयोगों के लिए किया जाता है। इसकी दिखावट सिलिकॉन सीलेंट के समान है और समान टैरिफ शीर्ष के अंतर्गत आता है किंतु यह सिलिकॉन पर आधारित नहीं है। याचिकाकर्ता इस का विनिर्माण नहीं करता। इसलिए, इस प्रकार का बहिष्करण किया जाना चाहिए।
- iii. पॉलीयूरेथेन फोम क्लीनर- इसे भी ऊपर दिए गए कारणों से बहिष्कृत किया जाना चाहिए।
- iv. सोलर पॉटिंग सिलिकॉन: चूंकि सोलर फोटोवल्टेक मॉड्यूल्स के विनिर्माण में प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट को पहले ही बहिष्कृत किया जा चुका है, इस प्रकार के सीलेंट के लिए एक त्वरित बहिष्करण प्रयोक्ता उद्योग और व्यापार के लिए मददगार होगा।
- v. एक्रेलिक सीलेंट: इस प्रकार का सीलेंट सिलिकॉन पर आधारित नहीं है। याचिकाकर्ता एक्रेलिक बेस्ड सीलेंट का प्रयोग नहीं करता। इसलिए, इस प्रकार को शामिल नहीं किया जाना चाहिए।
- vi. एक्रेलिक न्यूट्राल सीलेंट: इस प्रकार का सीलेंट सिलिकॉन पर आधारित नहीं है। याचिकाकर्ता एक्रेलिक आधारित सीलेंट्स का निर्माण नहीं करता। इसलिए इस प्रकार को बहिष्कृत किया जाना चाहिए।
- vii. एक्रेलिक वेदर सीलेंट: इस प्रकार का सीलेंट सिलिकॉन पर आधारित नहीं है। याचिकाकर्ता एक्रेलिक आधारित सीलेंट का प्रयोग नहीं करता। इसलिए, इस प्रकार का बहिष्करण किया जाना चाहिए।
- viii. सिलीकोन इज्ज एक्रेलिक सीलेंट: यह एक्रेलिक और सिलिकॉन का मिश्रण है, जिसमें जल रोधी गुण होते हैं। याचिकाकर्ता इसका निर्माण नहीं करता। इसलिए, इस प्रकार का बहिष्करण किया जाना चाहिए।
- ix. आरओएचएस ग्रेड सिलिकॉन सीलेंट: याचिकाकर्ता सिलिकॉन सीलेंट का विनिर्माण नहीं करता जो यूरोपीय संघ के खतरनाक पदार्थों को प्रतिबंधों के अनुरूप है, जिन्हें निदेश 2002/95/ईसी के रूप में भी जाना जाता है। इसलिए, इस प्रकार का बहिष्करण किया जाना चाहिए।
- x. आरईएसीएच ग्रेड सिलिकॉन सीलेंट: याचिकाकर्ता सिलिकॉन सीलेंट का विनिर्माण नहीं करता जो यूरोपीय संघ के विनियमों अर्थात रसायनों के पंजीकरण, मूल्यांकन, प्राधिकरण और प्रतिबंध (आरईएसीएच) के अनुरूप हैं। इसलिए, इस प्रकार का बहिष्करण किया जाना चाहिए।
- xi. अग्नि प्रतिरोधी/मंदक सिलिकॉन सीलेंट: इस प्रकार का सीलेंट अग्नि रोधी है। याचिकाकर्ता इसका निर्माण नहीं करता। इसलिए इस प्रकार का बहिष्करण किया जाना चाहिए।
- xii. कार और बस विंडशील्ड पेस्टिंग के लिए प्रयुक्त सिलीकॉन सीलेंट: इस प्रकार के सिलिकॉन का प्रयोग ग्लास विंड-शील्ड को धातु से जोड़ने के लिए किया जाता है। याचिकाकर्ता इसका विनिर्माण नहीं करता। इसलिए, इस टाइप को बहिष्कृत किया जाना चाहिए।
- xiii. बस बॉडी पेस्टिंग के लिए प्रयुक्त सिलीकॉन सीलेंट: इस प्रकार के सिलिकॉन सीलेंट का प्रयोग बस बॉडी पर धातु को जोड़ने के लिए किया जाता है। याचिकाकर्ता इसका विनिर्माण नहीं करता। इसलिए, इस प्रकार को बहिष्कृत किया जाना चाहिए।
- xiv. विस्तार जोड़ों के निर्माण के लिए प्रयुक्त सिलीकॉन सीलेंट: जैसा कि नाम से स्पष्ट है, इस प्रकार के सिलिकॉन का प्रयोग निर्माण गतिविधि में किया जाता है। याचिकाकर्ता इसका विनिर्माण नहीं करता। इसलिए, इस प्रकार को बहिष्कृत किया जाना चाहिए।

xv. एम एस पॉलीमर आधारित सीलेंट: याचिकाकर्ता एम एस पॉलीमर की प्राप्ति मै. कनिका पॉलीमर से करता है और केवल इसे दुबारा बोतलों में भरता है। याचिकाकर्ता एम एस पॉलीमर आधारित सीलेंट का विनिर्माण नहीं करता। इसलिए इस प्रकार का बहिष्करण करना चाहिए।

xvi. इंडस्ट्रियल आरटीवी सिलिकॉन सीलेंट: इस प्रकार का प्रयोग अधिक तापमान वाले अनुप्रयोगों में किया जाता है जैसे गेस्केट सीलिंग प्रयोजन के लिए ऑटोमोबाइल्स इंजनों में। याचिकाकर्ता इन का विनिर्माण नहीं करता। इसलिए, इस प्रकार को शामिल नहीं किया जाना चाहिए।

xvii. उच्च तापमान न्यूट्राल सिलिकॉन: इस प्रकार का प्रयोग उच्च तापमान वाले अनुप्रयोगों के लिए किया जाता है जैसे बॉयलर रूम को सील करने या जेनेरेटर रूम में जहां परिसर से हीट से हानि की जानी होती है। याचिकाकर्ता इसका विनिर्माण नहीं करता। इसलिए, इस प्रकार को बहिष्कृत किया जाना चाहिए।

xviii. दो संघटक वाले सिलिकॉन सीलेंट: इस प्रकार के सीलेंट का प्रयोग जोड़े में किया जाता है अर्थात 1:10 के अनुपात में, भाग क और भाग ख। भाग क एक छोटा पीला भाग है जो उत्तरक है और जो सीलेंट को सक्रिय करता है और भाग ख एक ड्रम में रखा जाने वाला सीलेंट है। दोनों भागों को मिश्रित किया जाता है तब उस मिश्रण का प्रयोग किया जाता है। याचिकाकर्ता इसका विनिर्माण नहीं करता। इसलिए, इस प्रकार को बहिष्कृत किया जाना चाहिए।

xix. पेंट किए जाने योग्य सीलेंट: सिलिकॉन सीलेंट में में तेल सिलिकॉन सीलेंट की सतह पर पेंट को बने रहने की अनुमति नहीं देता। इस प्रकार के सीलेंट में, तथापि तेल का समानुपात बहुत कम होता है और एक बार संसाधित किए जाने पर, सीलेंट को ऊपर से पेंट किया जा सकता है।

xx. नॉन ब्लीडिंग वेदर सिलिकॉन संसाधित किए जाने पर, सामान्यतः सिलिकॉन सीलेंट कुछ तेल छोड़ता है: सिलिकॉन सीलेंट कुछ तेल छोड़ता है। इस प्रक्रिया को ब्लीडिंग कहा जाता है। तथापि, इस प्रकार का सीलेंट संसाधित किए जाने पर ब्लीड नहीं करेगा या तेल नहीं छोड़ेगा। हम समझते हैं कि याचिकाकर्ता इस उत्पाद का विनिर्माण नहीं करता बल्कि ब्ल्क में बाजार से इसकी अधिप्राप्ति करता है और केवल इसकी पुनः बॉटलिंग करता है। हम प्राधिकारी से इस पहलू की जांच करने का और तदनुसार पीयूसी के दायरे से इस उत्पाद का बहिष्करण करने का अनुरोध करते हैं।

xxi. इंसुलेटिंग ग्लास सिलिकॉन: इस प्रकार के सीलेंट का प्रयोग दोहरे ग्लास विंडो ग्लेजिंग के प्रयोजन हेतु दो शीशों को एक साथ बांधने के लिए किया जाता है। दो ग्लास शीशों के बीच गैस भी भरी जाती है और सीलेंट का उपयोग प्राइमर को सील करने के लिए दोनों ग्लास पैन की परिधि पर किया जाता है। यह सीलेंट यू.वी. रेडिएशन का भी सामना कर सकता है और सामान्य सीलेंट की तुलना में अधिक लंबा जीवन प्रदर्शित करता है। इसका प्रयोग विशेष रूप से आधुनिक निर्माण कार्यों में किया जाता है जहां बिल्डिंग का अग्रभाग पूरी तरह से कांच का होता है। याचिकाकर्ता इसका विनिर्माण नहीं करता। इसलिए, इस प्रकार को शामिल नहीं किया जाना चाहिए।

xxii. नेल फ्री अधेसिव या मिरर फिक्स अधेसिव: यह विशेष रूप से निर्माण अनुप्रयोगों के लिए तैयार किया गया एक सिंथेटिक रबड़ अधेसिव है। यह नॉन सिलिकॉन आधारित है और इनका भारत में उत्पादन नहीं किया जाता। हालांकि, याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि वे इसका विनिर्माण कर रहे हैं। यह हमारा अनुरोध है कि यह उत्पाद सिलिकॉन आधारित नहीं है और इसे उत्पाद के क्षेत्र का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता। हम प्राधिकारी से इस पहलू की जांच करने और तदनुसार, इस उत्पाद को पीयूसी के दायरे से बहिष्कृत करने का अनुरोध करते हैं।

ग.4 हितबद्ध पक्षकारों द्वारा पीयूसी पर किए गए अतिरिक्त अनुरोधों पर याचिकाकर्ता का उत्तर:

11. दिनांक 2 अप्रैल, 2021 के ई-मेल और पत्र के अनुसार, याचिकाकर्ता ने पुष्टि की कि पूर्ववर्ती पैरा में उल्लिखित 22 उत्पाद, उत्पाद के दायरे का हिस्सा नहीं हैं।
12. इस प्रकार, उपरोक्त 22 उत्पाद प्रकारों के बहिष्करण के संबंध में याचिकाकर्ता ने स्पष्ट किया है कि उन में से कोई भी उत्पाद के दायरे में शामिल नहीं है। यह भी जोड़ा गया कि आयातक प्राधिकारी को भ्रमित करने के उद्देश्य से छिटपुट सूचियों के साथ पीयूसी के दायरे में टुकड़ों में सामग्री (पीस मील) प्रस्तुत करने का सहारा ले रहा है।
13. आयातक ने आधार के रूप में कथित ग्रेडों/प्रकारों, कीमत में कथित अंतर को अपनाने के द्वारा एक पीसीएन क्रिया पद्धति का प्रस्ताव किया है जबकि प्राधिकारी ने लगातार धारित किया है कि किसी भी पीसीएन अनुरोध को कथित ग्रेडों/प्रकारों के संबंध में लागत और कीमत, दोनों में अंतर के आंकड़ों की पुष्टि की जानी चाहिए और दावा सिर्फ कीमत में अंतर का आरोप नहीं हो सकता है।
14. आयातित उत्पाद और वे जो याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित किए जाते हैं, में सभी ऐसी टॉकसी सिलिकॉन, न्यूट्राल सिलिकॉन और संशोधित (एम एस) सिलिकॉन शामिल हैं। ये उत्पाद पृथक उत्पाद नहीं हैं और सिलिकॉन सीलेंट में, जैसा कि परिभाषित किया गया है, सभी विशेषताओं वाले उत्पाद शामिल हैं।

ग.5 प्राधिकारी द्वारा जांच

15. इस जांच में पीयूसी सोलर फोटोवोल्टिक और थर्मल पॉवर एप्लीकेशन्स के निर्माण में प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट को छोड़कर "सिलिकॉन सीलेंट" है। सिलिकॉन सीलेंट अधेसिव का तरल रूप है। विशिष्ट तौर पर, यह जैल की तरह दिखाई, महसूस देता है और कार्य करता है। यह अन्य आर्गेनिक पॉलीमर आधारित अधेसिव्स से भिन्न रसायनिक घटक है। सिलिकॉन सीलेंट का प्रयोग आमतौर पर ग्लिडिंगों के फ्रेम को सील करने के लिए किया जाता है क्योंकि वे जल प्रतिरोधी सील उपलब्ध कराते हैं जो खराब मौसम की स्थितियों के विरुद्ध मजबूती बनाए रखते हैं। सिलिकॉन सीलेंट आम तौर पर सतहों जैसे प्लास्टिक धातु और शीशी को एक साथ बंद करने के लिए प्रयुक्त होता है। सिलिकॉन का प्रयोग ऑटोमोबाइल्स, एप्लाइसिंस सीलिंग केबल्स और इलैक्ट्रॉनिक डिवाइसिस में केबल्स और मेसर्स को सील करने, घर, टाइलों, फ्लोरिंग आदि की बुनियादी मरम्मत में किया जाता है।
16. जांच शुरुआत अधिसूचना के अनुसार सोलर फोटोवोल्टैक मॉड्यूल्स और थर्मल पावर अनुप्रयोगों के विनिर्माण में प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट पीयूसी के दायरे में शामिल नहीं है क्योंकि उक्त प्रकार याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित और आपूर्ति नहीं किए गए हैं।
17. सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) के तहत पीयूसी का कोई समर्पित वर्गीकरण नहीं किया गया है। पीयूसी के आयात अध्याय 32 और 35 के संबंधित उप शीर्षों के अंतर्गत किए गए हैं। हालांकि, उक्त सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और किसी भी प्रकार से वर्तमान जांच के क्षेत्र पर वाध्यकारी नहीं है।
18. प्राधिकारी ने पीयूसी के क्षेत्र से उत्पादों के बहिष्करण के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों पर विचार किया है और हितबद्ध पक्षकारों से संगत सूचना की मांग करने के पश्चात इसकी जांच की है।
19. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पीयूसी का क्षेत्र सिलिकॉन आधारित सीलेंट तक सीमित है। तथापि, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा बहिष्करण के लिए पहचाने गए विभिन्न उत्पाद रसायनिक रूप से पीयूसी से भिन्न हैं। इसके अलावा, यह नोट किया जाता है कि मांगे गए इन बहिष्करणों में से कुछ विशिष्ट व्यापारिक नाम थे और इन नामों को डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त सौदावार आयात आंकड़ों में उल्लेख नहीं था।

20. नीचे उल्लिखित किए गए उत्पाद प्रकारों के बहिष्करण के लिए अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए जांच शुरुआत के पश्चात के अनुरोधों पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी द्वारा यह नोट किया गया है कि ये उत्पाद प्रकार विशिष्ट ग्रेड थे और जांच शुरुआत के समय भी उत्पाद के क्षेत्र से पहले ही बाहर थे। इसके अलावा, प्राधिकारी ने यह भी नोट किया कि ये उत्पाद प्रकार डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त सौदावार आयात आंकड़ों में परिलक्षित नहीं थे। इसके अलावा, प्राधिकारी द्वारा यह भी नोट किया गया कि नीचे उल्लिखित उत्पाद ग्रेडों का रसायनिक संघटन पूयूसी से भिन्न है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने भी इस बात की पुष्टि की है कि ये मर्दे/उत्पाद विचाराधीन उत्पाद के दायरे में नहीं हैं। इसलिए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ये उत्पाद पीयूसी के दायरे में नहीं हैं।

- i. पॉलीयूरेथन सीलेंट
- ii. पॉलीयूरेथन फोम
- iii. पॉलीयूरेथन फोम क्लीनर
- iv. सोलर पॉटिंग सिलिकॉन
- v. एक्रेलिक सीलेंट
- vi. एक्रेलिक न्यूट्राल सीलेंट
- vii. एक्रेलिक वेदर सीलेंट
- viii. सिलीकोनाइज्ड एक्रेलिक सीलेंट
- ix. आरओएचएस ग्रेड सिलिकॉन सीलेंट
- x. आरईएसीएच ग्रेड सिलिकॉन सीलेंट
- xi. अग्नि रोधी/शमक सिलिकॉन सीलेंट
- xii. कार और बस विंडशील्ड पेस्टिंग के लिए प्रयुक्त सिलीकॉन सीलेंट
- xiii. बस बॉडी पेस्टिंग के लिए प्रयुक्त सिलीकॉन सीलेंट
- xiv. विस्तार जोड़ों के निर्माण के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट
- xv. एम एस पॉलीमर आधारित सीलेंट
- xvi. इंडस्ट्रियल आरटीवी सिलिकॉन सीलेंट
- xvii. उच्च तापमान न्यूट्राल सिलीकॉन:
- xviii. दो संघटक वाले सिलिकॉन सीलेंट:
- xix. पेट किए जाने योग्य सीलेंट:
- xx. नॉन ब्लीडिंग वेदर सिलिकॉन
- xxi. इंसुलेटिंग ग्लास सिलिकॉन:

xxii. नेल फ्री अधेसिव या मिरर फिक्स अधेसिव:

21. हालांकि, प्रकटीकरण विवरण जारी करने के बाद, घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि गैर-विचाराधीन उत्पाद के रूप में पहचानी गई निम्नलिखित वस्तुएं विचाराधीन उत्पाद के दायरे में आती हैं और प्रस्तावित अपवर्जन से भारी प्रवंचना भी हो सकती है :

- कार और बस विंडशील्ड पेस्टिंग के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट
- बस बॉडी पेस्टिंग के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट
- विलिंग एक्सटेंशन ज्वाइंट के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन
- इंडस्ट्रियल आरटीवी सिलिकॉन सीलेंट
- दो- कंपोनेंट सिलिकॉन सीलेंट

22. इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने दिनांक 2 अप्रैल, 2021 के अपने पत्र के तहत प्रारंभ में निम्नलिखित को स्वीकार किया था, जो इस प्रकार है :-

“प्राधिकारी कृपया यह नोट करें कि उपरोक्त 22 मद्दें विचाराधीन उत्पाद और आयात संबंधी आंकड़ों में शामिल हैं, जिनकी मात्रा नगण्य है।”

23. यह उल्लेखनीय है कि उपरोक्तानुसार उल्लिखित 5 उत्पाद 22 मद्दों में शामिल थे, जिनके लिए घरेलू उद्योग ने उपरोक्त घोषणा की थी। इस प्रकार, ये 22 मद्दें घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोधों के आधार पर प्रकटीकरण विवरण में विचाराधीन उत्पाद से बाहर की गई थी। तथापि, प्रकटीकरण के बाद के मामले में, घरेलू उद्योग ने यह कहा था कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सिलिकॉन सीलेंट का उपयोग उपरोक्त 5 अनुप्रयोगों के लिए भी किया जा सकता है और ऐसे अनुप्रयोगों के लिए सिलिकॉन सीलेंट विचाराधीन उत्पाद के रूप में परिभाषित से कोई भिन्न उत्पाद नहीं है।

24. इस तर्क की जांच की गई है, और यह नोट किया गया है कि रिकॉर्ड में मौजूद साक्ष्य यह नहीं दर्शाते हैं कि जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा इन पांच उत्पादों का उत्पादन और बिक्री की गई थी।

25. इस संबंध में, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की चिन्ता को नोट किया है कि उपरोक्त 5 उत्पादों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर करने से भारी प्रवंचना भी हो सकती है।

26. घरेलू उद्योग द्वारा उठाई गई आशंकाओं को ध्यान में रखते हुए कि (i) कार और बस विंडशील्ड चिपकाने के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट, (ii) बस बॉडी पेस्टिंग के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट, (iii) विस्तार जोड़ों के निर्माण के लिए उपयोग किए जाने वाले सिलिकॉन सीलेंट का उपयोगकर्ता-आधारित बहिष्करण अंतिम उपयोग के बारे में गलत घोषणा द्वारा किसी भी उपाय को दरकिनार किया जा सकता है, प्राधिकरण नोट करता है कि उपयोगकर्ता आधारित बहिष्करण (i) कार और बस विंडशील्ड चिपकाने के लिए उपयोग किया जाने वाला सिलिकॉन सीलेंट, (ii) बस बॉडी चिपकाने के लिए उपयोग किया जाने वाला सिलिकॉन सीलेंट, (iii) विस्तार जोड़ों के निर्माण के लिए उपयोग किया जाने वाला सिलिकॉन सीलेंट केवल वास्तविक उपयोगकर्ताओं द्वारा आयात तक ही सीमित होगा। जांच के बाद प्राधिकारी ने यह पाया कि नीचे उल्लिखित तीन मद्दों/ उत्पादों के संबंध में उत्पाद का अपवर्जन, वास्तविक उपयोगकर्ताओं तक ही सीमित होंगे। वास्तविक उपयोगकर्ता इस संबंध में वास्तविक उपयोग के संबंध में, आयात के समय सीमा शुल्क के लिए घोषणा प्रदान करेंगे। वास्तविक उपयोगकर्ता, मांग किए जाने

पर, किसी कानून प्रवर्तन एजेंसी के समक्ष प्रस्तुती के लिए सत्यापन योग्य खपत रजिस्टर के रूप में मासिक रिकॉर्ड भी रखेंगे।

- (i) कार और बस विंडशील्ड पेस्टिंग के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट
- (ii) बस बॉडी पेस्टिंग के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट
- (iii) बिल्डिंग एक्सटेंशन ज्वाइंट के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन

27. इस दावे के संबंध में कि चीन जन.गण. से संबद्ध आयातों से प्रतिस्पर्धा मुख्य रूप से सामान्य प्रयोजन वाले एसिड क्योर (एसिटॉक्सी) सिलिकॉन सीलेंट के उत्पाद/बाजार खंड के बीच है, व एसिड क्योर और न्यूट्राल क्योर भिन्न उत्पाद खंड हैं तथा एम एस सीलेंट पूर्ण रूप से भिन्न उत्पाद हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस दावे को किसी साक्ष्य से समर्थित नहीं किया गया है। उपलब्ध सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि पीयूसी, जैसाकि वर्णित किया गया है और जिसे आयातित किया गया है, बहिष्कृत सिलिकॉन सीलेंट हैं, जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है। पीयूसी संसाधित विशेषताओं को धारित करता है जैसे कि एसिड क्योर और न्यूट्राल क्योर।

28. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के दावे के संबंध में कि मामले में पीसीएन निर्धारित किए जाने की जरूरत है, यह नोट किया गया है कि पीयूसी के किसी भी व्यावसायिक या तकनीकी पहलू, जो कि किसी भी पीसीएन की कार्य-पद्धति का आधार हो सकता है, की साक्ष्यों द्वारा समर्थित ऐसे किसी विशेषण की जरूरत को किसी भी पक्षकार द्वारा समर्थन नहीं किया गया है।

29. यह भी नोट किया गया है कि भारत में आयातित लगभग 90 प्रतिशत उत्पाद इसी कीमत की रेंज में आते हैं। इसलिए, किसी अभिप्रेरित ग्रेड/प्रकार या किसी अन्य तकनीकी आधार के मध्य लागतों और कीमतों के बीच किसी महत्वपूर्ण भिन्नता को दर्शाने के लिए वादी पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किसी साक्ष्य के अभाव में, प्राधिकारी ने किसी पीसीएन कार्य-पद्धति को नहीं अपनाया है, जैसाकि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध किया गया था।

30. आयातित उत्पाद और याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित और बेचे गए उत्पाद बुनियादी उत्पाद विशेषताओं, प्रयोगों, कच्चे माल, विनिर्माण प्रक्रिया आदि के संदर्भ में तुलनीय हैं और किंगा. या मी.टन में रिपोर्ट किए गए उत्पाद के भार के संदर्भ में पाठन और क्षति के संगत कारणों की जांच आयोजित करने की प्रस्तावित कार्य-पद्धति की तुलना की उचित पद्धति के रूप में विचारित किया गया है।

31. घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित वस्तुओं की गुणवत्ता के मामले के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि गुणवत्ता पाठनरोधी जांच में स्वभावतः कोई मुद्दा नहीं है।

32. हितबद्ध पक्षकारों के दावों की जांच के पश्चात् प्राधिकारी धारित करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “सोलर फोटोवोल्टैक मॉड्यूल्स और थर्मल पॉवर अनुप्रयोगों में प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट को शामिल न करते हुए सिलिकॉन सीलेंट” है। इसके अलावा, निम्नलिखित उत्पाद प्रकार पीयूसी के दायरे में नहीं हैं।

- i. पॉलीयूरेथन सीलेंट
- ii. पॉलीयूरेथन फोम
- iii. पॉलीयूरेथन फोम क्लीनर
- iv. सोलर पॉटिंग सिलिकॉन

- v. एक्रेलिक सीलेंट
- vi. एक्रेलिक न्यूट्राल सीलेंट
- vii. एक्रेलिक वेदर सीलेंट
- viii. सिलीकोनाइज्ड एक्रेलिक सीलेंट
- ix. आरओएचएस ग्रेड सिलिकॉन सीलेंट
- x. आरईएसीएच ग्रेड सिलिकॉन सीलेंट
- xi. अग्नि रोधी/शमक सिलिकॉन सीलेंट
- xii. कार और बस विंडशील्ड पेस्टिंग के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट
- xiii. बस बॉडी पेस्टिंग के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट
- xiv. विस्तार जोड़ों के निर्माण के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट
- xv. एम एस पॉलीमर आधारित सीलेंट
- xvi. इंडस्ट्रियल आरटीवी सिलिकॉन सीलेंट
- xvii. उच्च तापमान न्यूट्राल सिलिकॉन:
- xviii. दो संघटक वाले सिलिकॉन सीलेंट:
- xix. पेट किए जाने योग्य सीलेंट:
- xx. नॉन ब्लीडिंग वेदर सिलिकॉन
- xxi. इंसुलेटिंग ग्लास सिलिकॉन:
- xxii. नेल फ्री अधेसिव या मिरर फिक्स अधेसिव:

परंतु नीचे दिए गए उत्पादों के संबंध में उत्पादों को बाहर करना केवल वास्तविक प्रयोक्ताओं तक ही सीमित होगा। वास्तविक प्रयोक्ता आयात के समय अन्य ग्राहकों को इस संबंध में वास्तविक उपयोग के संबंध में घोषणा प्रदान करेंगे। वास्तविक प्रयोक्ता निम्नलिखित के लिए मांग किए जाने पर किसी कानूनी प्रवर्तनीय एजेंसी के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए सत्यापन योग्य रजिस्टर के रूप में मासिक रिकॉर्ड भी रखेंगे :

- (i) कार और बस विंडशील्ड पेस्टिंग के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट
- (ii) बस बॉडी पेस्टिंग के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट
- (iii) बिल्डिंग एक्सपेंसन ज्वाइंट के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट

33. समान वस्तु के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में निम्नानुसार व्यवस्था है:-

“समान वस्तु” से ऐसी वस्तु अभिप्रेत है जो भारत में पाटन के कारण जांच के अंतर्गत वस्तु के सभी प्रकार से समरूप या समान है अथवा ऐसी वस्तु के न होने पर अन्य वस्तु जोकि यद्यपि सभी प्रकार से समनुरूप नहीं हैं परंतु जांचाधीन वस्तुओं के अत्यधिक सदृश विशेषताएं रखती हैं;

34. रिकॉर्ड पर उपलब्ध सूचना पर विचार करने के बाद, प्राधिकारी धारित करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद और संबद्ध देश से आयातित उत्पाद भौतिक और रसायनिक विशेषताओं, कार्यों और प्रयोगों, उत्पाद विशिष्टताओं, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन और वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण के संदर्भ में तुलनीय हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से आयातित वस्तुएं नियमों की शर्तों में समान वस्तु हैं। तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से ये दोनों प्रतिस्थापनीय हैं। इसलिए, प्राधिकारी धारित करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के दायरे और शर्तों के भीतर, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुएं, संबद्ध देश से आयातित विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु हैं।

घ. **घरेलू उद्योग का कार्यक्षेत्र और स्थिति:**

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

35. घरेलू उद्योग का कार्यक्षेत्र और स्थिति के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध नीचे दिए अनुसार हैं:-

- i. जिस आवेदन-पत्र के आधार पर वर्तमान जांच शुरू की गई थी, वह मै. अलस्टोन इंडस्ट्रीज प्रा. लिमिटेड द्वारा दायर की गई है, जसका भारत में संबद्ध वस्तुओं के एक अन्य उत्पादक मै. एच.पी. एंडशिव्स प्रा. लि. द्वारा समर्थन किया गया है। याचिकाकर्ता ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का न तो आयात किया और न ही संबद्ध देश में संबद्ध वस्तुओं के किसी निर्यातक अथवा उत्पादक अथवा भारत में विचाराधीन उत्पाद के किसी आयातकर्ता से संबंध रखता है। मै. अलस्टोन इण्डस्ट्रीज प्रा. लि. एक एमएसएमई यूनिट है, जो राजस्थान में अवस्थित है। याचिकाकर्ता समान वस्तु के कुल भारतीय उत्पादन में 40-50 प्रतिशत से ज्यादा (*** प्रतिशत) हिस्सा रखता है और समर्थक के साथ *** हिस्सा रखता है। अतः नियम (ख) के तहत घरेलू उद्योग द्वारा मानी जाने वाली आवश्यकताओं को याचिकाकर्ता द्वारा पूर्णतः पूरा किया जाता है।
- ii. इसके अलावा, याचिकाकर्ता की सूचना के अनुसार तीन और उत्पादक हैं, नामतः आदर्श स्पेशलिटी मैमिकल्स प्रा. लि., अनाबौण्ड लि. और एस्ट्रल पोली टेक्नीक लि., जिन्होंने वर्तमान जांच में न तो सहायता की और न ही उसका विरोध किया।
- iii. याचिकाकर्ता संबद्ध वस्तुओं का सबसे बड़ा उत्पादक है, जिसके पास सबसे अधिक क्षमता है एवं याचिकाकर्ता का निष्पादन घरेलू उत्पादकों की पूर्णतः सही-सही स्थिति को दर्शाता है। भारत के पास संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन करने के लिए पीओआई की *** एमटी (***) से अधिक (सभी उत्पादकों के साथ-साथ) क्षमता है तथा चीन जन.गण. से बढ़ते हुए पाटन के परिणामस्वरूप उक्त क्षमता की 25 प्रतिशत क्षमता का भी उत्पादकों द्वारा उपयोग नहीं किया जा सका, जैसा कि कुल भारतीय उत्पादन संख्या से स्पष्ट है। सिलीकॉन सीलेंट का भारत में स्वयं अपना बाजार है, लेकिन याचिकाकर्ता समेत, भारत में इस उत्पाद के उत्पादन में लगी कम्पनियां, चीन के निर्यातकों के द्वारा किए गए अत्यधिक पाटन के परिणामस्वरूप, ऐसे बाजार अवसरों का स्पष्टतः लाभ नहीं ले सकी हैं। भारत इस उत्पाद के बारे में आत्म-निर्भर हो सकता है और पाटन के क्षति प्रभाव को दूर करने के लिए पाटनरोधी शुल्क से इस क्षेत्र को उचित मदद मिलेगी जिससे पाटन के क्षति प्रभाव से यह उद्योग जीवित हो सके।
- iv. विरोधी पक्षकारों द्वारा याचिकाकर्ता की स्थिति के बारे में किए गए सन्देह सभी निराधार दावे हैं और याचिकाकर्ता ने कुल भारतीय उत्पादन के बारे में तथा ऐसे कुल उत्पादन में याचिकाकर्ता के हिस्से के बारे में सबसे अधिक विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध कराए हैं। याचिकाकर्ता ने वस्तुतः ऐसी समस्त सूचना उपलब्ध करायी है, यद्यपि यह देखा गया कि याचिका के लिए प्रासंगिक सभी सूचना याचिकाकर्ता जैसी भारत की एमएसएमई इकाईयों के लिए एकत्रित करना बहुत ही कठिन होता है।

v. यह दावा किया गया है कि याचिकाकर्ता द्वारा कारपोरेट कार्य मंत्रालय के पास दायर की गई याचिका के अनुसार कम्पनी “विनिर्माण और व्यापार” के कार्य में लगी हुई हैं और व्यापार कार्य में, चाहे विचाराधीन उत्पाद का आयात भी शामिल हो। यहां पर किसी गुणवत्ता के बारे में संकेत नहीं है। आलस्टोन अपने कारखाने में संबद्ध वस्तुओं का विनिर्माण करती है तथा ऐसे उत्पादों को डीलरों/वितरकों/उद्योगों आदि के लिए बेचती है। इसने चीन जन.गण. समेत किसी देश से वसंबद्ध वस्तुओं का कभी आयात नहीं किया तथा याचिकाकर्ता चीन जन.गण. समेत किसी देश से आयातित संबद्ध वस्तुओं के किसी प्रकार के ट्रेडिंग कार्य में शामिल नहीं है।

vi. यह दावा किया गया है कि याचिकाकर्ता ने एच.पी. एथेशिव्स प्रा. लि. नामक समर्थक से संबंधित प्रासंगिक आर्थिक मापदण्ड उपलब्ध नहीं कराये हैं। इस बारे में यह अनुरोध किया है कि समर्थक पथकार ने समर्थन पत्र में अपने उत्पादन का ब्यौरा उपलब्ध कराया है, जिसका केवल भारतीय उत्पादन का अनुमान लगाते समय उपयोग किया गया था तथा याचिकाकर्ता द्वारा स्थिति संबंधी किए गए दावे नियम 2(ख) की अपेक्षाओं को पूरा करते हैं। याचिकाकर्ता की स्थिति का निर्धारण करने के लिए ऐसी सहायता को वैध मानना प्राधिकारी का यह समनुरूप कार्य है और किसी मामले में क्षति संबंधी आंकड़े उनके रिकॉर्डों के आधार पर याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं।

vii. यह दावा किया गया है कि एकमात्र याचिकाकर्ता द्वारा दावा की गई क्षति से भारत में संपूर्ण उद्योग की स्थिति निर्धारित नहीं की जा सकती। इस दावे में कोई विधिक सत्यता नहीं है। नियमावली यह नहीं कहती है कि ऐसी समान वस्तु से संबंधित भारतीय उत्पादकों की क्षति को दर्शाने के लिए संबंधित समान वस्तु के भारत में सभी उत्पादकों को पाटनरोधी जांच (एडी) करने में शामिल होना चाहिए। नियमावली में घरेलू उद्योग के रूप में किसी की पात्रता नियत करने के लिए बड़े अनुपात की सीमा का निर्धारण किया है और पात्र घरेलू उद्योग की क्षति को संबद्ध वस्तुओं के भारतीय उत्पादकों की स्थिति के नियुक्त के रूप में माना है। याचिकाकर्ता यहां पर नियम 2(ख) के तहत मानदण्ड को संबद्ध वस्तुओं के घरेलू उद्योग के रूप में माने जाने के लिए पूरा करता है।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

36. घरेलू उद्योग के पहलू के बारे में अनुरोध तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यथा प्रस्तुत स्थिति का ब्यौरा नीचे दिए अनुसार है:-

- समर्थक ने यथा अपेक्षित सूचना उपलब्ध नहीं करायी है और केवल समर्थन-पत्र को समुचित सहायता के रूप में नहीं मानना चाहिए।
- याचिका दिए गए विवरणों के आधार पर आवेदक भारतीय उत्पादन के एक बड़े अनुपात को दर्शाता हुआ प्रतीत नहीं होता है और इसलिए, इस मामले में किसी प्रकार का आधार होना इसे नहीं माना जा सकता है।
- जब घरेलू उद्योग को कुल घरेलू उत्पादन के एक बड़े भाग को दर्शाने वाले उत्पादकों के रूप में परिभाषित किया जाता है, तब जांच प्राधिकारी को क्षति का मूल्यांकन करने के लिए घरेलू उद्योग की परिभाषा से अलग रह कर घरेलू उत्पादकों की स्थिति को ध्यान में रखना चाहिए।
- डीजीटीआर स्थायित्व के लिए प्रयोग में लाए गए भारतीय उत्पादन से संबंधित एकत्रित आंकड़ों के बारे में तथा अन्य शिकायत न करने वाले एवं असहयोगी उत्पादकों से सम्पर्क करने के लिए आंकड़ों को प्रकट कर सकता है।
- कारपोरेट कार्य मंत्रालय के पास याचिकाकर्ता ने दायर की गई याचिका के अनुसार यह बताया गया है कि यह “विनिर्माण एवं व्यापार” के व्यवसाय में लगा हुआ है। इस संबंध में, याचिकाकर्ता के व्यवसाय कारोबार के कार्य-क्षेत्र के बारे में याचिकाकर्ता के स्पष्टीकरण मांगने के लिए प्रतिवादी, प्राधिकारी से

अनुरोध करता है। यह सुनिश्चित करना चाहिए कि क्या याचिककर्ता के व्यापार में संबद्ध वस्तुओं का आयात करना शामिल है।

- vi. वर्तमान जांच में केवल एक उत्पादक ही घरेलू उद्योग में शामिल होता है। व्यवसाय नोटिस के अनुबंध-I में यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग के क्षेत्रिय विशिष्ट मापदण्डों के संबंध में एकत्रित आंकड़ों/सूचीबद्ध आंकड़ों के रूप में वास्तविक सूचना उपलब्ध करानी चाहिए। तथापि, इन कई मापदण्डों को घरेलू उद्योग ने व्यवसाय नोटिस में निर्धारित मानक को पूरा नहीं किया है।
- vii. व्यवसाय नोटिस सं. 13/2018, दिनांक 27 सितंबर, 2018 के अनुसार, उक्त व्यवसाय नोटिस में प्राधिकारी द्वारा विहित प्रपत्रों में समर्थक के आर्थिक मापदण्डों के आंकड़ों सहित याचिकाकर्ताओं द्वारा कुछ सूचना उपलब्ध करानी अपेक्षित थी। तथापि, वर्तमान जांच में याचिकाकर्ताओं ने समर्थक कम्पनी के उत्पादन आंकड़े ही उपलब्ध कराए हैं और वे भी भारत में समग्र घरेलू उत्पादन के सूचीबद्ध आंकड़ों के भाग के रूप में उपलब्ध कराए हैं।
- viii. याचिकाकर्ता ने याचिका में शामिल न होने के कारण, आर्थिक मापदण्ड जैसे उत्पादन, बिक्रियां, लाभप्रदता, नियोजित पूँजी पर लाभ आदि जैसे पूर्वोक्त व्यवसाय नोटिस में अपेक्षित अन्य आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए हैं। इसलिए, प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए व्यवसाय नोटिस का अत्यधिक उल्लंघन करते हुए याचिका प्रस्तुत की गई है।
- ix. मौखिक सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने यह अनुरोध किया कि इसने समर्थक के बारे में आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए हैं क्योंकि समर्थक ने विनिय वर्ष 2018-19 में ही उत्पादन शुरू किया था और न कि उससे पहले। तथापि, प्रतिवादी यह निवेदन करता है कि चाहे समर्थक ने वर्ष 2018-19 में उत्पादन शुरू किया हो, तो भी यह वर्ष 2018-19 और पीओआई के आंकड़े उपलब्ध कराने से याचिकाकर्ता/समर्थक को बाधित नहीं करता है।
- x. एकमात्र याचिकाकर्ता द्वारा दावा की गई क्षति भारत में संपूर्ण उद्योग की स्थिति को परिभाषित नहीं कर सकती है।
- xi. याचिकाकर्ता के अनुसार पीओआई के दौरान समान वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन में उसका हिस्सा 40 प्रतिशत से 50 प्रतिशत के बीच है। केवल एकमात्र याचिकाकर्ता की आर्थिक स्थिति उद्योग की समग्र स्थिति को परिभाषित नहीं कर सकती है। याचिकाकर्ता का यह दावा कि यह कुल घरेलू उत्पादन के 25 प्रतिशत से अधिक का दर्शाता है, यह पूरे उद्योग की स्थिति को अनिवार्य रूप से उपलब्धित नहीं करता है।
- xii. इस मामले में स्थिति का मुद्दा महत्व रखता है क्योंकि यदि आवेदक यह दावा करता है कि यदि पीओआई में 15 प्रतिशत से 25 प्रतिशत क्षमता उपयोग ठीक हुआ पाया गया, तो यह अनुच्छेद 5.4 एडीए द्वारा अपेक्षित विचाराधीन उत्पाद के भारतीय उत्पादन के एक बड़े भाग का तार्किक रूप से प्रतिनिधित्व नहीं कर सकता है।
- xiii. घरेलू उत्पादन के एक बड़े हिस्से को शामिल न करने से क्षति विश्लेषण विकृत हो जाएगा, जो अन्य घरेलू उत्पादकों की सूचना को अलग कर देगा और इसलिए वस्तुतः क्षति एवं कारणात्मक संबंध का निर्धारण करने में अन्य उत्पादकों को शामिल करना चाहिए।
- xiv. समर्थक एच.पी. अधेशिव्स प्रा. लि. द्वारा कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की जा रही है, इसलिए वर्तमान जांच में समर्थक के रूप में विचार किया जाना चाहिए।

xv. भारत में संबद्ध वस्तुओं के बहुत से अन्य उत्पादक हैं जिनका याचिका में नाम भी नहीं है। इससे इस बारे में गंभीर शंकाएं पैदा होती हैं कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं का कुल भारतीय उत्पादन कितना है और क्या याचिकाकर्ता का कुल भारतीय उत्पादन में नियम 2(ख) के अनुसार बड़ा हिस्सा है। ये हैं— बोस्टिक इंडिया प्रा. लि. (यूनिट-II) स्पान इन्टरमीजिएट प्रा. लि., मैकोय सौडाल सीलैन्ट्स अधेशिव्स एण्ड फोम्स प्रा., एक्यूमैट्रिक मिलिकॉन्स प्रा. लि। उपर्युक्त कम्पनियों के पास पर्याप्त विनिर्माण सुविधाएं हैं और उनके उत्पाद भारतीय बाजार में याचिकाकर्ता के उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। फोटोग्राफ उन स्थलों को भी दर्शते हैं और जहां तक उपर्युक्त ब्राण्डों का संबंध है, इन स्थलों पर ऐसे उत्पादों का विनिर्माण किया गया है।

xvi. उपर्युक्त कम्पनियों को भी शामिल करने के बाद प्राधिकारी द्वारा कुल भारतीय उत्पादन प्राप्त करने पर पीओआई के दौरान कुल भारतीय उत्पादन में याचिकाकर्ता का हिस्सा अनिवार्य रूप से 25 प्रतिशत से नीचे आ जाएगा। अतएव, याचिकाकर्ता, पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) के साथ पठित नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग के रूप में सफल होने में असमर्थ हो जाएगा। तदनुसार वर्तमान जांच तत्काल ही समाप्त की गई मानी जाएगी।

प्राधिकारी द्वारा जांच

37. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग निम्नलिखित रूप में परिभाषित है:

“(ख) “घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से हैं जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाइत वस्तु के नियांतकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।”

38. यह नोट किया जाता है कि मै. आलस्टोन इंडस्ट्रीज प्रा. लि. द्वारा आवेदन दायर किया गया है और भारत में संबद्ध वस्तुओं के एक अन्य उत्पादक नामतः मै. एचपी अधेशिव्स प्रा. लि. ने इसका समर्थन किया है। यह भी नोट किया जाता है कि आवेदक ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का न तो आयात किया है और न ही संबद्ध देश में संबद्ध वस्तुओं के किसी नियांतक अथवा उत्पादक अथवा भारत में विचाराधीन उत्पाद के किसी आयातकर्ता के साथ संबंध हैं।

39. याचिका के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तुओं के तीन और उत्पादक हैं, नामतः क) आदर्श स्पेशिलिटी केमिकल्स प्रा. लि., ख) अनाबॉड लिमिटेड और, ग) ऐस्ट्रल पोली टैक्नीक लि. की एक यूनिट। इस संबंध में यह नोट किया जाता है कि अन्य ऐसे ज्ञात किसी उत्पादक ने वर्तमान जांच में न तो मदद की है और न ही अपना विरोध दर्ज किया, यद्यपि प्राधिकारी ने सभी ऐसे ज्ञात पक्षकारों को विशेष तौर पर लिखा है।

40. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि लिखित सूचना की जांच के आधार पर भारतीय उत्पादन में आवेदक का *** प्रतिशत हिस्सा है तथा समर्थक के साथ याचिकाकर्ता का हिस्सा *** प्रतिशत नोट किया है।

41. मै. एच.पी एधेशिव्स प्रा. लि. का समर्थन पत्र उचित नहीं है तथा याचिका का समर्थन करने के लिए इस पर विचार नहीं किया जाना चाहिए, विरोधी पक्षकारों के ऐसे दावे के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मै. एच.पी. अधेशिव्स प्रा. लि. ने अपने समर्थन पत्र के द्वारा अपने उत्पादन का ब्यौरा उपलब्ध कराया है तथा स्पष्ट तौर पर याचिका का समर्थन किया। तथापि, समर्थक से यथा अपेक्षित कोई क्षति सूचना उपलब्ध नहीं करायी गई है। इसके दृष्टिगत, नियम 2(ख) के तहत स्थिति का निर्धारण करने के सीमित प्रयोजन हेतु उक्त उत्पादक के समर्थन पत्र का उपयोग किया है तथा केवल याचिकाकर्ता द्वारा दी गई सूचना के आधार पर क्षति का निर्धारण किया है।

42. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि यह वांछनीय होता है कि किसी आवेदन का समर्थन इस संबंध में व्यवसाय नोटिस में विहित प्रपत्र में वांछित सूचना उपलब्ध कराता है ताकि ऐसी सूचना का प्रासंगिक सीमा तक धृति जांच के संदर्भ में भी उपयोग किया जा सके। तथापि, जहां पर घरेलू उत्पादक ने प्रासंगिक सूचना विहित प्रपत्र में उपलब्ध न करायी हो, लेकिन आवेदन के लिए फिर भी समर्थन व्यक्त किया हो, उस स्थिति में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ऐसे समर्थन को नियम 2(ख) के तहत स्थिति का निर्धारण करने के लिए अवैध सहायता अथवा विरोध के रूप में नहीं माना जा सकता।

43. विरोधी पक्षकारों के इस दावे के बारे में, कि अकेले याचिकाकर्ता समग्र रूप से संबद्ध वस्तुओं के भारतीय उत्पादकों को हुई समग्र धृति का प्रतिनिधि नहीं होगा। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को नियमावली के तहत यथा निर्धारित मानते हुए पाटनरोधी नियमावली के नियम 11(2) के तहत अपेक्षा धृति का निर्धारण करने के लिए होती है तथा घरेलू उद्योग से संबंधित धृति के बारे में इस विवरण में विचार किया है।

44. विचाराधीन उत्पाद के अन्य विनिर्माताओं के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के दावे के बारे में प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के चार उत्पादकों को पत्र भेजे थे, जिनमें यह आरोप लगाया गया था कि वे भी घरेलू समान उत्पाद के उत्पादक हैं। प्राधिकारी ने रसायन और पैट्रो-रसायन मंत्रालय, भारत को ई-मेल भी भेजा था ताकि घरेलू उत्पादकों की सूची उनके उत्पादन संबंधी व्यौरा उपलब्ध कराया जा सके। तथापि, उत्पादकों अथवा रसायन और पैट्रो-रसायन मंत्रालय, भारत किसी कसे कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ था।

45. प्राधिकारी सौदेवार आयात के आंकड़ों से यह भी नोट करते हैं कि सभी चारों कथित विनिर्माताओं ने पीओआई के दौरान विचाराधीन उत्पाद का आयात किया है।

46. अतः चारों कथित विनिर्माताओं तथा रसायन और पैट्रो-रसायन मंत्रालय में से किसी से प्रत्युत्तर न प्राप्त होने तथा लिखित सूचना पर विचार करते हुए प्राधिकारी नियमावली के नियम 2(ख) के अर्थ के अन्तर्गत आवेदक/याचिकाकर्ता को पात्र घरेलू उद्योग के रूप में मानते हैं तथा आवेदन नियमावली के नियम 5(3) के अनुसार स्थिति के मानदण्ड को पूरा करता है।

ड. गोपनीयता संबंधी मुद्दे

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

47. गोपनीयता के मुद्दों के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:-

- भाग लेने वाले उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकर्ताओं ने इस मामले में अत्यधिक गोपनीय का सहारा लिया है।
- हेंगज्ञाऊ ज्वाइन लीडर न्यू मैटीरियल टेक्नोलॉजी कम्पनी लि. जैसे उत्पादक समूह ने भारत के लिए निर्यात श्रृंखला का व्यौरा भी प्रकट नहीं किया है जो बिल्कुल भी औचित्यपूर्ण नहीं है। निर्यात और आयात के संबंध में प्रत्युत्तर में संबद्ध वस्तुओं से जुड़ी उनकी गतिविधियों के बारे में उनके किसी प्रकार से हमदर्द होने की अनुमति नहीं दी जाती है तथा प्रस्तुत एनसीबी याचिकाकर्ता को सूचना देने से पूरी तरह से नकारना ही है।
- शानडोंग डॉग्यू सिलिकॉन मैटीरियल कं. लि. द्वारा यह बताया गया था कि उन्होंने प्रतिकूल सूचीकरण को स्वीकार किया था जो प्राधिकारी द्वारा विहित कोई पद्धति नहीं है और न ही यह प्राधिकारी की अनुमति से किया है। प्रतिकूल सूचीकरण में एक अग्रेषित सूचीकरण की विपरीत प्रवृत्ति दर्शानी चाहिए तथा निर्यातक ने ऐसी सूचीकरण तर्काधार अथवा औचित्य के बारे में कहीं पर भी नहीं बताया है।

iv. एआईपीएल जौरु प्रा. लि. और ग्रिडवैल नॉट्टन लि. जैसे आयातकर्ताओं द्वारा दायर आयातकर्ता प्रत्युत्तर के परिशिष्टों में कोई सूचीकरण नहीं है तथा उनकी आयात मात्रा एवं कीमत के बारे में कोई प्रवृत्ति उपलब्ध नहीं है। यह तब है जब याचिकाकर्ता ने सभी क्षति मापदण्डों का सूचीकरण उपलब्ध कराया है। विरोधी पक्षकारों को गोपनीयता के आधार पर दायर अनुरोध की पर्याप्त एनसीवी उपलब्ध कराने के बारे में निर्देश दिए जाने चाहिए ताकि घरेलू उद्योग उनके बारे में खंडन उपलब्ध करा सकें। ऐसी स्थिति में, आयातकर्ता प्रत्युत्तरों में किसी सार्थक खण्डन की अनुमति नहीं होती है।

v. यह दावा किया गया है कि याचिकाकर्ता ने अत्यधिक गोपनीयता का सहारा लिया है जो किसी गुणवत्ता के विहीन है। याचिकाकर्ता ने कारण प्रस्तुत करने के उपरान्त नियम में यथा अनुमत कर्तिपय सूचना की गोपनीयता का सहारा लिया है और ऐसे कारण विवाद रहित हैं। वस्तुतः ये विरोधी पक्षकार ही हैं जिन्होंने अत्यधिक गोपनीयता का सहारा लिया है और गोपनीयता के प्रावधान के ऐसे अत्यधिक उपयोग को शामिल करने के लिए याचिकाकर्ता पर आरोप लगाया है जो गुणवत्ता के आधार पर कहीं ठहरता नहीं है तथा इसे निरस्त कर दिया जाना चाहिए। यचिका का एनसीवी रूपान्तरण प्राधिकारी की प्रथाओं और नियमों के अनुसार अपेक्षाओं को पूरा करता है तथा प्रतिकूलता संबंधी दावे किसी प्रकार से गुणवत्तापूर्ण नहीं हैं।

vi. यह दावा किया गया है कि याचिकाकर्ता ने अपने वार्षिक लेखों के बारे में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया था। वार्षिक रिपोर्टों को याचिकाकर्ता द्वारा स्वच्छंद रूप से जनता में परिचालित नहीं गई है अथवा अपनी वेबसाइट आदि पर उपलब्ध करायी हैं तथा एमसीए किस तरह से पक्षकार के लिए रिपोर्ट जारी करता है, जो अपने पोर्टल के माध्यम से इसे प्राप्त करना एकदम ही एक अलग मामला है। प्राकृतिक तौर पर दस्तावेज गोपनीय होता है और इस जांच में इसे कृपया ऐसा ही माना जाना चाहिए।

vii. यह दावा किया गया है कि डीजी सीआईएंडटी/टी के आंकड़ों तथा कॉस्टिंग फार्मेट के बारे में गोपनीयता के दावे नियमानुसार नहीं हैं। डीजीसीआईएंडएस टी/टी के आंकड़ों की प्रकृति गोपनीय होती है, जैसा कि प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए व्यवसाय नोटिस से स्पष्ट है, लेकिन आयातों का सारांश उपलब्ध कराया गया है। कॉस्टिंग प्रपत्रों की प्रकृति गोपनीय होती है परन्तु जहां कहीं संभव हुआ है, सारांश/सूचीकरण, कीमत एवं मात्रा संबंधी मापदण्डों की प्रवृत्ति को शामिल करते हुए उपलब्ध कराया गया है। अतः इस सूचना के बारे में अत्यधिक गोपनीयता का दावा आधारहीन है।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

48. गोपनीयता के मुद्रों के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:-

- शिकायत में आंकड़ों तथा सूचना की अत्यधिक गोपनीयता से शिकायतकर्ता के क्षतिपूर्ण पाटन के आरोपों की समझ एवं हितबद्ध पक्षकारों द्वारा रक्षा करने के अपने अधिकारों के बारे में पूरी कार्रवाई बाधित होती है।
- विचाराधीन उत्पाद के पांचों उत्पादकों के आंकड़ों को शामिल करते हुए एकत्रित आंकड़ों को प्रकट करने को गोपनीय नहीं माना जा सकता है। विचाराधीन उत्पाद की कुल भारतीय मांग के बारे में कार्रवाई को गोपनीय रूप में मानने का कोई औचित्य नहीं है। शिकायतकर्ता ने अपनी उत्पादन क्षमता को स्वयं सार्वजनिक तौर पर प्रकट किया है। इसके अलावा हितबद्ध पक्षकारों के लिए डीजीसीआईएस आंकड़े प्रकट नहीं किए गए हैं।
- क्षति सूचकों का जहां तक संबंध है, केवल सूचित आंकड़े ही उपलब्ध कराए गए हैं तथा कोई रेंज भी उपलब्ध नहीं करायी गई है। इसके अलावा, शिकायतकर्ता के वार्षिक वित्तीय विवरणों को पूरी तरह से तैयार करना भी डब्ल्यूटीओ के परस्पर विरोधी है।

- iv. शिकायतकर्ता के द्वारा प्रयुक्त उत्पादन मानदण्डों/तरीकों का जहां तक संबंध है, सामान्य कीमत सुनिश्चित करने के लिए शिकायत में कोई सूचना उपलब्ध नहीं करायी गई है तथा घरेलू उद्योग की क्षति की विक्रिय कीमतों एवं क्षति रहित कीमतों के बारे में कोई सूचना उपलब्ध नहीं करायी गई है।
- v. सिलिकॉन सीलेंट अथवा विचाराधीन उत्पाद(पीयूसी) की भारतीय खपत से लेकर प्रमुख धनि और पाटन से संबंधित आंकड़ों के बारे में लगभग समस्त मुख्य सूचना की गोपनीयता को एक उचित खण्डन तक सीमित कर दिया है।
- vi. वर्तमान शिकायत के अनुबंध 1.2, 1.3, 3.1, 6.1, 6.2, कास्टिंग सूचना प्रपत्र- ए,बी,सी,डी,ई, तथा कास्टिंग सूचना प्रपत्र-आई, जे, के, एल को शामिल करते हुए अधिकांश अनुबंधों को पूरी तरह से तैयार करना अनुच्छेद 6.5.1 मानक को पूरा करने के लिए अपर्याप्त है।
- vii. याचिकाकर्ता ने व्यवसाय नोटिस सं. 10/2018 का उल्लंघन करते हुए याचिका में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है। दिनांक 7 सितंबर, 2018 के व्यवसाय नोटिस सं. 10/2018 के अनुबंध-I में घरेलू उद्योग की ओर से गोपनीय एवं अगोपनीय रूपान्तरण में सूचना को प्रकट करने के दिशा-निर्देशों का प्रावधान है।
- viii. याचिकाकर्ता ने वार्षिक लेखों तथा लागत संबंधी सूचना के बारे में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है।
- ix. याचिका का अगोपनीय रूपान्तरण उसमें निहित कथनों के बारे में उचित समझ का ब्यौरा नहीं देता है। इसके अलावा, याचिका का अगोपनीय रूपान्तरण नियमावली के नियम 7 और महानिदेशक द्वारा जारी दिनांक 9 दिसंबर, 2013 के व्यवसाय नोटिस सं. 1/2013 में निर्धारित मानदण्डों को पूरा नहीं करता है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

49. पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 के तहत, गोपनीय सूचना के संबंध में यह प्रावधान इस प्रकार है:

“गोपनीय सूचना: (1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव नहीं है।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।“

50. नियम 6(7), के तहत यथा अपेक्षित प्राधिकारी को एक हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रमाण उसने जांच में भाग ले रहे अन्य हितबद्ध पक्षकारों के लिए उपलब्ध कराए थे। ऐसी सूचना को जांच में भाग ले रहे हितबद्ध पक्षकारों के बीच में ऐसे प्रमाणों का आदान-प्रदान करने हेतु निर्देशों के साथ इन पक्षकारों के बीच परिचालित

किया गया था, ताकि महामारी की स्थिति को ध्यान में रखते हुए लागू किए गए प्रतिबंधों की वजह से पब्लिक फाइल तक वास्तविक पहुंच की स्थिति से बचा जा सके।

51. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि नियमावली के नियम 7 के अनुसार गोपनीयता के दावों की पर्यामता के संबंध में घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध करायी गई सूचना की गोपनीयता के आधार पर जांच की गई थी। संतुष्ट होने के उपरान्त, प्राधिकारी ने, जहां न्याय संगत थे, वहां गोपनीयता के दावों को स्वीकार कर लिया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है।
52. याचिकाकर्ता ने केवल सूचीबद्ध सूचना ही उपलब्ध करायी है और कतिपय मापदंडों से संबंधित वास्तविक आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए हैं, इस दावे के बारे में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि दिनांक 7 सितंबर, 2018 के व्यवसाय नोटिस 10/2018 में किसी घरेलू उत्पादक के द्वारा (जहां पर अकेला उत्पादक याचिका दायर कर रहा हो), वास्तविक आंकड़ों के बदले में एक प्रवृत्ति के रूप में कुछ आंकड़े (जैसे उत्पादन, क्षमता आदि) उपलब्ध कराने होते हैं।
53. डीजीसीआईएंडएस के अनुसार सौदे-वार आयात के आंकड़े पब्लिक फाइल में नहीं रखे जाते हैं, इस दावे के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि आयात के सभी ग्रोतों से आयात की मात्रा और कीमत से संबंधित समेकित आंकड़ों को हितबद्ध पक्षकारों के साथ साझा किया गया है और सौदेवार व्यौरे गोपनीय रूप से उपलब्ध करा दिए गए थे।
54. याचिकाकर्ता की वार्षिक रिपोर्टों को गोपनीय नहीं माना जा सकता है क्योंकि इन्हें कारपोरेट कार्य मंत्रालय की वेबसाइट से प्राप्त किया जा सकता है, इस बारे में विरोधी पक्षकारों के दावे के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उक्त मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध सूचना कम्पनी अधिनियम, 2013 के प्रशासन से मुख्यतः संबंधित है। उक्त वेबसाइट पर यथा उपलब्ध विभिन्न ऐसी सूचना को शुल्क भुगतान देकर प्राप्त किया जा सकता है, जो ऐसी सूचना प्राप्त करने पर कुछ उचित प्रतिबंध को दर्शाती है तथा ऐसी सूचना को पब्लिक डोमेन में स्वच्छंद रूप से उपलब्ध सूचना के रूप में माना नहीं जा सकता है।

च. विभिन्न अनुरोध

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

55. विभिन्न मुद्दों के बारे में निर्यातक/उत्पादक/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:—
 - i. देश में मांग और याचिकाकर्ता की विक्रियों तथा संबद्ध वस्तुओं की क्षमता के बीच भी मांग-आपूर्ति में काफी अन्तर है। घरेलू उद्योग यदि अपनी शत-प्रतिशत क्षमता पर कार्य करता है तो भी यह देश की 50 प्रतिशत मांग को पूरा नहीं कर सकेगा। पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं की आपूर्ति अत्यधिक प्रभावी होगी तथा घरेलू उद्योग द्वारा इस अन्तर को किसी भी तरीके से कम नहीं किया जा सकता है। प्रयोक्ताओं पर किसी शुल्क के प्रभाव के मूल्यांकन की जांच कर लेनी चाहिए।
 - ii. महामारी, स्थावर सम्पत्ति में मंदी और सस्ते प्रतिस्थापक उत्पादों की उपलब्धता की वजह से संबद्ध वस्तुओं की मांग में कमी हुई। एक बार उत्पाद के बारे में जागरूकता बढ़ने तथा स्थावर सम्पत्ति की स्थिति में बदलाव आने से याचिकाकर्ता की स्थिति में भी सुधार होगा।
 - iii. वस्तुतः क्षति और उसकी चेतावनी का समानांतर दावा प्रमाण की अपर्यामता को दर्शाता है। किसी भी हालत में क्षति की चेतावनी का दावा प्रमाणित नहीं हुआ है।
 - iv. वित्तीय वर्ष 2019-20 में याचिकाकर्ता के वार्षिक वित्तीय विवरणों में याचिकाकर्ता ने “सिलीकॉन” क्षेत्र के तहत कतिपय प्रचालनात्मक और वित्तीय मापदण्डों के बारे में आंकड़े सूचित किए हैं। याचिका में लाभप्रदता

के बारे में याचिकाकर्ता के आंकड़े उनके वार्षिक वित्तीय विवरणों में दिए आंकड़ों के अनुरूप नहीं हैं। आंकड़ों में असंगतता के कारणों के बारे में प्राधिकारी को जांच करनी चाहिए।

- v. पाटनरोधी जांच की शुरुआत करने की स्थितियां सुनिश्चित करने के लिए याचिकाकर्ता ने कोई ठोस प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया है; जबकि जांच प्राधिकारी ने संबंधित तथ्यों के बारे में उचित एवं काफी जांच नहीं की है। यह सलाह है कि वर्तमान जांच की शुरुआत करना पूरी तरह से आधारहीन है तथा जांच प्राधिकारी को वर्तमान जांच समाप्त करनी होगी।
- vi. आयातों के बारे में वर्तमान पाटनरोधी उपायों के लिए याचिकाकर्ता के आवेदन में कानूनी एवं वास्तविक आधार की स्पष्टतः कमी है।
- vii. याचिका में दी गई सूचना के आधार पर डीजीटीआर द्वारा वर्तमान जांच की शुरुआत नहीं करनी चाहिए।
- viii. घरेलू उद्योग द्वारा दायर याचिका कानून के तहत निर्धारित अपेक्षाओं को पूरा नहीं करती है तथा वर्तमान जांच शुरुआत कानून की दृष्टि से अनुपयुक्त है। इसके अलावा, वर्तमान जांच की शुरुआत करने से पूर्व प्राधिकारी द्वारा प्रयुक्त समीक्षा मानक कानून के तहत निर्धारित मानकों को पूरा नहीं करते हैं। अतः वर्तमान जांच को तत्काल समाप्त कर देना चाहिए। यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग को पाटन एवं वस्तुतः क्षति के बारे में डीजीटीआर के पास प्रथम दृष्ट्या प्रमाण थे, जो वर्तमान जांच की शुरुआत करने के लिए आधार बने थे। यह नोट किया जाए कि “प्रथम दृष्ट्या” और “पर्याप्त” पूरी तरह से दो अलग-अलग शब्द हैं, अलग-अलग मानकों पर लागू होते हैं तथा परस्पर परिवर्तनीय नहीं हैं और नियम में अपेक्षा पर्याप्त प्रमाणों की होती है।
- ix. याचिकाकर्ता ने चीन जन.गण. के एक अग्रणी नानो प्रिसीपिटेडिड कैल्सियम कार्बोनेट (एनपीसीसी) निर्माता शेंगदा टैक इंक से केलिशयम कार्बोनेट आयात किया है। एक ओर तो याचिकाकर्ता चीन जन.गण. से ‘सिलीकॉन सीलैन्ट्स’ का विनिर्माण करने के लिए कच्चे माल का आयात कर रहा है और दूसरी ओर सिलीकॉन सीलैन्ट्स में पाटन के उपायों के लिए अनुरोध कर रहा है, यह बात समझ में नहीं आयी।
- x. पाटनरोधी शुल्क लगाने से याचिकाकर्ता का एकाधिकार हो जाएगा और यह जनहित में नहीं होगा। पाटनरोधी जांच का प्रयोजन साफ अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था की सुरक्षा करना है। व्यापार सुरक्षा के साधनों के रूप में पाटनरोधी उपायों का अनुचित ढंग से कार्यान्वयन उद्योग की सुरक्षा करने की भूमिका नहीं निभा सकता है, अपितु एक अनुचित प्रतियोगी माहौल बनाएगा तथा दीर्घ काल में अपने-अपने संबंधित उद्योगों के मूलभूत हितों को क्षति पहुंचा सकता है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

56. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित विविध अनुरोध किए गए हैं:-

- i. चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तुओं के हो रहे अत्यधिक पाटन के प्रतिकूल प्रभावों के बारे में एक एमएसएमई यूनिट के रूप में मै. आलस्टोन इंडस्ट्रीज प्रा. लि. अत्यधिक संवेदनशील है और ऐसे हानिकारक पाटन को प्रभावहीन करने के लिए बहुत ही शीघ्र निश्चित पाटनरोधी शुल्क लगाना बहुत अनिवार्य है जिससे घरेलू उद्योग का व्यापार जारी रखा जा सके।
- ii. घरेलू उद्योग को पीओआई के दौरान वित्तीय हानियां हो रही हैं तथा ऐसी हानियां जारी हैं। पाटन से पैदा हुई ऐसी हानियों से बचाने के लिए एक छोटी सी इकाई के रूप में घरेलू उद्योग की सीमित सहायता प्रणाली है और यह बहुत ही जरूरी है कि पाटन एवं क्षति के लिए उपचारात्मक उपाय शीघ्रता से लागू किए जाएं।
- iii. जांच-शुरुआत के बारे में तथा वाकेर कैमिकल्स कं. लि. चीन जन.गण. और वाकेर मैट्रोक कैमिकल्स प्राइवेट लि. द्वारा दायर की गई याचिका के बारे में कुछ टिप्पणियां हैं। इस ग्रुप को असहयोगी के रूप में नोट करना

चाहिए क्योंकि कोई प्रत्युत्तर दायर किए बिना केवल अनुरोध किए गए हैं जो प्राधिकारी के पास अपेक्षित आंकड़ों का बंटवारा करने की स्थिति से बचने के लिए स्पष्ट तौर पर किया है।

- iv. यह दावा किया गया है कि याचिकाकर्ता द्वारा अपने वित्तीय विवरण में किए गए लाभप्रदता के दावों और याचिका में प्रस्तुत किए गए दावों में कुछ बेमेल होने की स्थिति है। याचिका में उपलब्ध करायी गई लाभप्रदता केवल संबद्ध वस्तुओं के घरेलू प्रचालन तक ही संबंधित है, जबकि वित्तीय विवरण में कुछ अन्य उत्पाद भी शामिल होते हैं। आंकड़ों का मिलान करना लागत संबंधी प्रपत्रों का भाग है और इस प्रकार इंगित बेमेल की स्थितियां अस्तित्व में नहीं हैं।
- v. यह दावा किया गया है कि याचिकाकर्ता भारत में उत्पाद की मांग को पूरा नहीं कर सकता है। इस मुद्दे में कोई दम नहीं है। यद्यपि भारत की मांग को पूरा करने के लिए भारत में उपलब्ध क्षमता पर्याप्त नहीं है, परन्तु वस्तु-स्थिति यह है कि याचिकाकर्ता और भारतीय उद्योग द्वारा वास्तविक उपयोग क्षमता 25 प्रतिशत से कम रही है, जिसका अर्थ यह है कि लगभग 75 प्रतिशत भारतीय क्षमता बढ़ते हुए बाजार में निष्क्रिय पड़ी हुई है। यह एक व्यवस्थित न्यायशास्त्र है कि मांग और आपूर्ति का अन्तर पाटित आयातों को व्यवस्थित नहीं कर सकता है तथा माननीय सीटैट इन डीएसएम इडेमिस्टु लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में दिया गया निर्णय इस मामले में भी लागू होता है। वर्तमान मामला मांग-आपूर्ति के अन्तर के बारे में नहीं है, अपितु अपनी क्षमता का उपयोग करने के लिए भारतीय उत्पादकों की असमर्थता के बारे में है।
- vi. यह दावा किया गया है कि आवेदन में दी गई सूचना के आधार पर मामले की जांच शुरुआत नहीं की जानी चाहिए। दावे की कोई प्रामाणिक उपयोगिता नहीं है। पाटनरोधी शुल्क की जांच-शुरुआत करने के लिए तथा संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों पर पर्याप्त पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करने के लिए नियम के तहत यथा अपेक्षित समस्त प्रासंगिक सूचना याचिका में निहित है, जिसकी वजह से भारत में संबद्ध वस्तुओं का घरेलू उत्पादन आधार विखण्डित हो गया है।
- vii. यह दावा किया गया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से याचिकाकर्ता का एकाधिकार हो जाएगा और यह जन हित के विरुद्ध होगा। निर्यातक द्वारा किया गया दावा भारत में सामग्री का पाटन करने के लिए उनकी अभियुक्ति को दर्शाता है तथा वह उस स्थिति में ही किया जा सकता है जब कोई पाटनरोधी शुल्क न हो। यह केवल एक भ्रम है कि पाटनरोधी शुल्क से एक पक्षकार का एकाधिकार हो जाएगा अथवा यह जन हित के विरुद्ध होगा। भारत में और अन्यत्र पाटनरोधी शुल्क की जांच को शासित करने वाले सुनिश्चित विधिशास्त्र का ऐसे भ्रमों एवं गलत सूचना के लिए कोई स्थान नहीं है।

प्राधिकारी द्वारा जांच:

57. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के मतों पर विचार किया है, जो नीचे दिए अनुसार है:-

- i. मांग और आपूर्ति के अन्तर के तर्क के संदर्भ में प्राधिकारी यह मानते हैं कि क्षति कर रहे पाटित आयातों के लिए समाधान चाहने से घरेलू उद्योग को बंचित करने के लिए मांग और आपूर्ति का अन्तर कोई कारण नहीं हो सकता है। वर्तमान मामले के तथ्यों से यह नोट किया है कि पीओआई के दौरान उत्पाद की मांग *** एमटी थी, जिसकी तुलना में घरेलू उद्योग का उत्पादन *** एमटी रहा है, जिसमें याचिकाकर्ता/घरेलू उद्योग के पास उपलब्ध क्षमता *** एमटी नोट की गई है। यह भी नोट किया है कि भारत में संबद्ध वस्तुओं के चार और उत्पादक हैं और कुल भारतीय उत्पादन *** एमटी रहने का दावा किया गया है तथा कुल भारतीय क्षमता पीओआई के दौरान *** एमटी रहने का दावा किया गया है। अतएव, पीओआई के दौरान सम्पूर्ण भारतीय मांग को पूरा करने के लिए भारतीय उत्पादन और कुल उपलब्ध क्षमता पर्याप्त नहीं थी। तथापि, इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि भारत में उत्पाद के लिए उपलब्ध क्षमता के पर्याप्त भाग का पीओआई के दौरान सार्थक ढंग से कम उपयोग किया गया है, जैसाकि घरेलू उद्योग द्वारा 22 प्रतिशत क्षमता उपयोग से स्पष्ट होता है।

- ii. महामारी, स्थावर सम्पदा में मंदी तथा सस्ते प्रतिस्थापन उत्पादों की उपलब्धता की वजह से संबद्ध वस्तुओं की मांग में कमी आयी, इस बारे में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए दावों के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पीओआई के दौरान मांग में बढ़ोतरी हुई।
- iii. पाटनरोधी जांच की शुरुआत करने की स्थितियां सुनिश्चित करने हेतु याचिकाकर्ता ने कोई ठोस प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया है, इस दावे के बारे में यह नोट किया है कि नियमों के तहत यथा अपेक्षित उन पर्याप्त प्रमाणों की संतुष्टि कर लेने के बाद मामले की जांच शुरुआत की गई थी, जो जांच शुरुआत का औचित्य सिद्ध करने के लिए उपलब्ध थे।
- iv. वार्षिक रिपोर्ट और याचिका में यथा-सूचित याचिकाकर्ता की लाभप्रदता में अन्तर है, इस दावे के बारे में यह नोट किया कि लाभप्रदता एवं अन्य दावे सुदूरवर्ती परस्पर जांच एवं छानबीन के माध्यम से सत्यापन के अध्यधीन थे तथा वर्तमान जांच के लिए केवल ऐसे सत्यापित आंकड़ों पर ही विचार किया जाता है, जो संबद्ध वस्तुओं से संबंधित होते हैं।
- v. वाकेर केमिकल्स कं. लि., चीन जन.गण. और वाकेर मैट्रोर्क केमिकल्स प्रा. लि. को असहयोगी मानना चाहिए, इस दावे के बारे में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वाकेर केमिकल्स कं. लि. चीन जन.गण. और वाकेर मैट्रोर्क केमिकल्स प्रा. लि. ने कोई प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है और उन्होंने जांच के बारे में केवल टिप्पणियां प्रस्तुत की हैं। तथापि, प्राधिकारी की अनुरूप प्रथा के अनुसार उक्त पक्षकारों के अनुरोधों पर विचार किया है तथा इस जांच में प्रासंगिक पाए गए तथ्यों का समाधान किया है।
- vi. पाटनरोधी शुल्क लगाने से याचिकाकर्ता का एकाधिकार हो जाएगा और ऐसे कोई उपाय जनहित में होंगे, इस दावे के संबंध में यह स्वीकार किया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं का उपयोग करते हुए निर्मित उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामस्वरूप इस उत्पाद की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव हो सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपाय से भारतीय बाजार में स्पष्ट प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी, विशेषकर यदि पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए एक जरूरी राशि तक सीमित कर दिया जाता है। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपाय लगाने से पाटन की प्रथाओं से अनुचित लाभ समाप्त हो जाएंगे, घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट रुक जाएगी और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलेगी।

छ. **बाजार अर्थव्यवस्था बर्ताव (एमईटी), सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण**
घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

58. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. चीन जन.गण. को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देश के रूप में माना जाना चाहिए और चीन जन.गण. के उत्पादकों/निर्यातकों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण इस नियमावली के अनुबंध । पैरा 8(2) और (3) के साथ पठित पैरा 7 के अनुसार किया जाना चाहिए। इस नियमावली के अनुबंध-। में पैरा 8 के संबंध में, यह माना जाता है कि चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में कार्य कर रहे हैं। इस कारण से, चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य का अनुमान इस नियमावली के अनुबंध-। के पैरा 7 के संदर्भ में लगाया गया है।
- ख. यह याचिका दर्शाती है कि चीन जन.गण. में इस उत्पाद का बहुत अधिक पाटन हो रहा है और पाटन मार्जिन 90-110 प्रतिशत के दायरे में था, जैसाकि याचिका में दिया गया है।

ग. संबद्ध वस्तुओं के अधिकांश संख्या में नए और मौजूदा उत्पादक भारत जैसे बड़े बाजार में इस उत्पाद का पाठन करने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं और उसे पाठन मार्जिन के परिमाण में दर्शाया गया है।

घ. पाठन स्पष्ट रूप से स्वयं पीयूसी के लिए भारतीय उत्पादन के आधार को समाप्त करने के लिए एक रणनीति के रूप में अपनाया जा रहा है और यह नोट किया जाना चाहिए कि चीन जन.गण. से आयात कीमत उससे बहुत कम दर पर हुई है, जिस दर पर क्षति रहित स्तर पर भी अन्य देशों से बहुत अधिक आयात की आयात कीमत रही है।

ड. चीन जन.गण. के किसी भी उत्तर देने वाले उत्पादक/निर्यातक ने लागू प्रश्नावली प्रस्तुत कर उस एनएमई अनुमान का खंडन नहीं किया है। इस नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के संदर्भ में चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण केवल इस तथ्य को देखते हुए आवश्यक है।

च. शानडोंग डोंगयुई सिलिकॉन मैटिरियल कं. लि., जिसने वर्ष 2018-19 में विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन को प्रत्यक्ष तौर पर शुरू किया है, द्वारा दायर किया गया ईक्यूआर केवल चार लेन-देन को दर्शाता है, जिसमें परिशिष्ट-3 के में भारत को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात शामिल है। यदि वास्तविक निर्यात भी बहुत कम मात्रा को दर्शाता है जो वाणिज्यिक प्रकृति का नहीं है, तब कंपनी के लिए अलग-अलग मार्जिन नहीं दिया जाना चाहिए। यह जांच परिणाम “सभी पूर्ण रूप से निकाले गए अथवा पूर्ण रूप से उन्मुख पोलियस्टर यार्न/स्पिन ड्रा यार्न/फ्लैट यार्न (बिना पेक्सचर वाले और गैर-पीओवाई) एसएसआर एडीडी मामले पर विश्वास किया गया है।

छ. हांगज्जोऊ ज्वाइनलीडर न्यू मैटिरियल्स कं. लि., निर्यातक, अनहुई ज्वाइन लीडर न्यू मैटिरियल्स टेक्नोलॉजी कं. लि., उत्पादक और ग्राइंडवेल नार्टन लि., आयातक द्वारा उत्तर प्रस्तुत किए गए हैं और ये पक्षकार संबंधित पक्षकार हैं। हालांकि, उत्पादक के उत्तर के खंड-घ, प्रश्नावली 5 में यह उल्लेख किया गया है कि उत्पादक अनहुई ज्वाइन लीडर न्यू मैटिरियल्स टेक्नोलॉजी लि. ने मई, 2020 से उत्पादन शुरू किया जो वर्तमान मामले की जांच की अवधि के बाद की अवधि है। यदि ऐसा मामला हो तब संबद्ध वस्तुओं जिनका निर्यात हांगज्जोऊ ज्वाइनलीडर न्यू मैटिरियल्स कं. लि. द्वारा किया गया है, का उत्पादक कौन है, स्पष्ट नहीं हैं। चूंकि उत्पादक ने जांच की अवधि के बाद ही उत्पादन शुरू किया, अतः उत्पादक के लिए किसी मार्जिन का निर्धारण नहीं किया जा सकता है और निर्यातक को उत्पादक से मूल्य चेन उस स्थिति में दर्शाना होगा जब उसे अलग अलग मार्जिन का दावा करना हो।

ज. यह तर्क दिया गया है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए याचिकाकर्ता द्वारा अपनाई गई पद्धति पाठनरोधी नियमावली के प्रावधानों से मेल नहीं खाते हैं। इस दावे का कोई आधार नहीं है। दावा किया गया सामान्य मूल्य केवल नियमावली के अनुसार रहा है और पक्षकार ने यह नहीं दर्शाया है कि विस्तृत टिप्पणियां करने के अलावा, नियम का उल्लंघन नहीं किया गया है। ना ही ऐसा कोई सामान्य मूल्य है जिसे इस तरह के कठोर तर्क देने के अलावा पक्षकार द्वारा वैकल्पिक आधार पर दिया गया है। यह भी तर्क दिया जाता है कि याचिकाकर्ता के उत्पादन की लागत विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन करने के लिए क्षमता के इसके अकार्यक्षम उपयोगिता के कारण अधिक होना तय है। इस संबंध में यह भी नोट किया जा सकता है कि यह उपयोगिता पाठन के कारण कम है और घरेलू उद्योग की स्थिति का आकलन वास्तविक स्थितियों में और न कि किसी आदर्श स्थिति के आधार पर किए जाने की आवश्यकता है, जैसा कि माननीय सेस्टेट द्वारा निपोन जियोन मामले में निर्णय दिया गया है। याचिकाकर्ता द्वारा वहन की गई लागत सही लागत है और इसके विपरीत तर्कों को अवश्य अस्वीकार किया जाना चाहिए।

झ. उत्पादकों/निर्यातकों ने चीन जन.गण. को एनएमई देश के रूप में माने जाने पर प्रश्न खड़ा किया है। इन दावों का कोई कानूनी सत्यता नहीं है और यह अब स्थापित न्याय शास्त्र है कि चीन जन.गण. एक एनएमई के रूप में जारी है और यह चीन जन.गण. के उत्पादकों/निर्यातकों पर है कि वे एनएमई की मान्यता का खंडन करें। चीन जन.गण. के किसी भी उत्तर देने वाले पक्षकार ने एमईटी का कोई दावा नहीं किया है और चीन

जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण एनएमई सिद्धांतों को लागू कर दिया जाना चाहिए, जैसाकि प्राधिकारी द्वारा निरंतर रूप से किया जा रहा है। प्राधिकारी ने अब तक और वर्तमान समय तक चीन जन.गण. को एक एनएमई के रूप में माना तथा वर्तमान मामला कोई अपवाद नहीं है। इसके साथ ही, एनएमई देश के रूप में चीन जन.गण. के बर्ताव को विश्व व्यापार संगठन द्वारा निरस्त नहीं किया गया है और प्राधिकारी द्वारा कार्य-पद्धति भारतीय नियमावली के अंतर्गत अनुमति देने योग्य है।

ज. यह तर्क दिया गया है कि एक खंड-वार विश्लेषण/पीसीएन पाटन और धनि का आकलन किया जाना चाहिए। दावा करने वाले पक्षकारों ने विचाराधीन उत्पाद के विभिन्न कथित प्रकारों के बीच बहुत अधिक लागत और कीमत में अंतर की मौजूदगी को दर्शाने के लिए अपनी लागत और कीमत के ब्यौरे साझा नहीं किए हैं। जैसा कि उद्धृत किया गया है ब्लैक् टोनर मामले और सोडा एश मामले जैसे विषय-वस्तु में निर्धारित आरंभिक सीमाओं को देखते हुए, खंड/पीसीएन विश्लेषण के लिए दावे का समर्थन करने के लिए किसी साक्ष्य के न होने की स्थिति में पाटन का खंड-वार विश्लेषण के लिए अप्रमाणिक दावे को अस्वीकार किया जाना चाहिए।

ट. इस तर्क के संबंध में कि याचिकार्ता द्वारा भारत सहित या तो (i) भारत सहित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा संरचित मूल्य या (ii) ऐसे तीसरे देश से अन्य देशों को कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं करने में याचिकार्ता द्वारा कोई कारण नहीं दिया गया है, यह नोट किया जा सकता है कि स्वयं याचिका में यह अनुरोध किया गया था कि ऐसी कोई सूचना उपलब्ध नहीं है।

ठ. यह तर्क दिया गया है कि शिकायतकर्ता ने बिना किसी स्पष्टीकरण के गैर-प्रतिदाय मूल्यवर्धित कर का समायोजन किया है। इस याचिका में स्पष्टीकरण दिया गया है और इस प्रकार के समायोजन चीन जन.गण. से निर्यातों के मामले में निरंतर रूप से किए जाते हैं और यह एक स्थापित कार्य-पद्धति है कि मूल्यवर्धित कर का समायोजन तब भी किया जाता है जब सामान्य मूल्य का निर्धारण घरेलू कीमत के आधार पर नहीं किया गया है। साक्ष्य निर्यात कीमत से दावा किए गए अन्य समायोजनों के लिए भी व्यवहार्य सीमा तक दिए गए हैं।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

59. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के निर्धारण के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:-

- दोनों ग्रुप कंपनियों अर्थात ज्वाइनलीडर सिलिकॉन कं. लि. और अनहुर्द ज्वाइन लीडर न्यू मैटिरियल टेक्नोलॉजी लि. इस तथ्य पर विचार किए बिना ग्रुप कंपनियों को अलग-अलग बर्ताव की मंजूरी देने के लिए प्राधिकारी की निरंतर कार्य-पद्धति के अनुसार अलग-अलग शुल्क प्राप्त करने के लिए हकदार है कि क्या उन्होंने जांच की अवधि के दौरान भारत को निर्यात किया था अथवा नहीं।
- पाटन के दावे के संबंध में, मुख्य रूप से सामान्य उद्देश्य वाले एसिड क्योर (एसिटॉक्सी) सिलिकॉन सीलेंट्स के संबंध में निर्यात कीमत की तुलना एक बहुत अधिक महंगी और विशिष्ट एमएस सीलेंट के सामान्य मूल्य के साथ की गई है।
- पाटन और धनि मार्जिन की निष्पक्ष तुलना सुनिश्चित करने के उद्देश्यों से, डीजीटीआर को (i) उत्पाद क्षेत्र से एमएस सीलेंट्स को बाहर रखना चाहिए क्योंकि वे सिलिकॉन सीलेंट नहीं हैं; और (ii) दो/तीन सीलेंट श्रेणियों के लिए निरंतर पीसीएन स्थापित करना चाहिए अथवा एक खंडित विश्लेषण करना चाहिए।
- पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 7 और 8 के अनुसरण में एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में चीन का सतत बर्ताव डब्ल्यूटीओ के अनुरूप नहीं है। डीजीटीआर को इस उत्पाद के ब्यौरे की जांच करनी चाहिए जिसके लिए शिकायतकर्ता ने संरचित सामान्य मूल्य दिए हैं। किसी भी स्थिति में यदि चीन के लिए सामान्य मूल्य की संरचना शिकायतकर्ता की उत्पादन लागतों के आधार पर संरचित किया जाए तब सही सीलेंट प्रकार के लिए लागतों का उपयोग निर्यात कीमत के साथ तुलना के लिए किया जाना चाहिए।

v. शिकायतकर्ता ने एक एनएमई के रूप में चीन के सतत बर्ताव का समर्थन करते हुए, किसी प्रकार का साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है। यूरोपीय यूनियन, यूएसए और आस्ट्रेलिया द्वारा चीन के एनएमई बर्ताव पर निर्भरता मात्र यह सिद्ध नहीं करता है कि चीन एक एनएमई है। किसी भी स्थिति में अगर सही-सही कहा जाए तो दिसंबर, 2017 से चीन को एनएमई की यूरोपीय यूनियन की सूची से बाहर रखा गया है। वास्तव में यूरोपीय यूनियन अब डब्ल्यूटीओ के सदस्यों के विरुद्ध पाटनरोधी मामलों में एनएमई दृष्टिकोण का उपयोग नहीं करता है।

vi. निर्यात कीमत को सिद्ध करने के संबंध में, शिकायतकर्ता ने आयात मात्राओं और मूल्यों का समायोजन किया है लेकिन इस आशय का विस्तृत परिवर्तन का कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। इस कारण से, डीजीटीआर इस गणना की गहराई से क्रास जांच कर सकते हैं। इसके साथ ही, शिकायतकर्ता ने बिना किसी स्पष्टीकरण के केवल गैर-प्रतिदाय मूल्यवर्धित कर का समायोजन किया है और चीन में अल्प अवधि ऋण की दर की तुलना किए जाने पर कम किया गया क्रेडिट लागत बहुत अधिक है और इसे बढ़ाकर सामान्य मूल्य में ब्याज को भी जोड़ा जाता है।

vii. शिकायतकर्ता ने कटौती की गई राशियों के स्रोत और औचित्य के बिना समुद्री भाड़, अंतरदेशीय भाड़ा शुल्क, हैंडलिंग और लोडिंग शुल्क तथा दस्तावेज शुल्क के लिए निर्यात कीमत को कम किया है।

viii. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 7 में सामान्य मूल्य के निर्धारण में अपनाई जाने वाली कार्य-पद्धतियों का पदानुक्रम निर्धारित है। तीसरी कार्य-पद्धति का उपयोग तब किया जा सकता है जब पहली दो कार्य-पद्धतियों का उपयोग नहीं किया जा सकता हो। इस कारण से, कानून की दृष्टि से याचिकाकर्ता के लिए इस बात की अनुमति नहीं दी जा सकती है कि वह सीधे तीसरी कार्य-पद्धति का उपयोग करें जब पहली दो कार्य-पद्धतियों की प्रयोज्यता को याचिकाकर्ता द्वारा उपयोग नहीं किया गया हो।

ix. याचिकाकर्ता द्वारा या तो (i) बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा संरचित मूल्य अथवा (ii) भारत सहित अन्य देशों को इस प्रकार के तीसरे देश से कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं करने में कोई कारण नहीं दिया गया है।

x. याचिकाकर्ता की उत्पादन लागत विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करने के लिए क्षमता के इसके अकार्यक्षम उपयोग के कारण अधिक होना तय है। यह एक बड़ा गया पाटन मार्जिन प्रस्तुत करेगा जो पैरा 7 के प्रावधानों के अनुरूप नहीं होगा। इस कारण से, प्राधिकारी से यह अनुरोध किया जाता है कि वे उत्पादन की अपनी लागतों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए याचिकाकर्ता के प्रयास को अस्वीकार करें। याचिकाकर्ता को पैरा 7 में निर्धारित कार्य-पद्धतियों के पदानुक्रम के आधार पर सामान्य मूल्य का सर्वप्रथम निर्धारण करने के लिए निदेश दिया जा सकता है।

xi. एमएस पोलिमर-एस को संरचित सामान्य मूल्य के भाग के रूप में देखा जाता है। एमएस पोलिमर एक महंगा कच्चा माल है जिसका उपयोग कुछ प्रकारों के लिए किया जाता है। दो प्रमुख मूल संघटक जिनका उपयोग सिलिकॉन सीलेंट का उत्पादन करने के लिए किया जाता है, साइक्लिक डाइमिथाइल सिलोक्सेन सिलिकॉन रबड़ (डीएमसी) (एमएम पोलिमर उत्पादन प्रक्रिया के लिए उपयोग न किया गया) और नैनो प्रिसिपिटेटेड कैल्सियम कार्बोनेट ("एनपीसीसी") अथवा फ्युम्स सिलिका हैं। इस प्रकार, याचिकाकर्ता ने क्षति के दावे को सही ठहराने के लिए उच्चतर ग्रेड के उत्पाद की लागत के स्थान पर निम्नतर ग्रेड के उत्पाद का उपयोग किया।

xii. चीन जन.गण. के निर्यातक इस बात को नोट कर चकित हैं कि भारतीय जांच प्राधिकार ने बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के दावे के संबंध में मात्रा संबंधी सूचना की मांग करते हुए चीन जन.गण. के निर्यातकों को एक अलग प्रश्नावली जारी की है। चीन जन.गण. को विगत में भारत द्वारा एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था

देश के रूप में माना गया था। यह अनुरोध किया जाता है कि विश्व व्यापार संगठन में चीन के आरोहण संबंधी नवाचार के संगत प्रावधानों के अनुसार, पाटनरोधी कार्यवाहियों में “प्रतिनिधिक देश” कार्य-पद्धति में 11 दिसंबर, 2016 से बहुपक्षीय कानूनी आधार का अभाव होगा।

प्राधिकारी द्वारा जांच

सामान्य मूल्य

60. धारा 9क(1)(ग) के तहत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य से तात्पर्य यह है:

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप धारा (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:-

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र से किसी उपयुक्त तीसरे देश को किया गया हो; अथवा

(ख) उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्भव वाले देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत;

बशर्ते कि उक्त वस्तु का आयात उदगम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल स्थानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्भव वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

61. प्राधिकारी ने संबद्ध देश के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को प्राधिकारी द्वारा निर्धारित रूप में अथवा तरीके से सूचना देने के लिए उन्हें सलाह देते हुए प्रश्नावलियां भेजी। निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक की निर्धारित प्रश्नावली के उत्तरों में यह उत्तर प्रस्तुत किया है:

- क) हांगज्जोऊ ज्वाइनलीडर न्यू मैटिरियल्स कं., लि
- ख) अनहुई ज्वाइनलीडर न्यू मैटिरियल्स टेक्नोलॉजी कं., लि
- ग) शंगडोंग डोंगयुई सिलिकॉन मैटिरियल कं. लि.

चीन के उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा

62. डब्ल्यूटीओ में चाइनीज एक्सेसन प्रोटोकोल के अनुच्छेद 15 में निम्नलिखित प्रावधान हैं: “जीएटीटी 1994 का अनुच्छेद VI, टैरिफ और व्यापार संबंधी सामान्य करार, 1994 (“पाटनरोधी करार”) के अनुच्छेद VI के कार्यान्वयन संबंधी करार और एससीएम करार निम्नलिखित के अनुरूप डब्ल्यूटीओ के एक सदस्य के चीन के मूल के आयातों को शामिल करते हुए कार्यवाहियों में लागू होगी:-

“क) जीएटीटी 1994 के अनुच्छेद- VI और पाटनरोधी करार के तहत कीमत तुलनात्मकता का निर्धारण करने में, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य या तो जांचाधीन उद्योग के लिए चीन की कीमतों अथवा

लागतों का उपयोग करेंगे अथवा उस पद्धति का उपयोग करेंगे, जो निम्नलिखित नियमों के आधार पर घरेलू कीमतों या चीन में लागतों के साथ सख्ती से तुलना करने पर आधारित नहीं हैं:

(i) यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह दिखा सकते हैं कि समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां रहती हैं तो निर्यात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य मूल्य की तुलनीयता का निर्धारण करने में जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेगा।

(ii) आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उस पद्धति का उपयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ सख्त अनुपालन पर आधारित नहीं है, यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह नहीं दिखा सकते हैं कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग हैं।

(ब्र) एससीएम समझौते के पैरा II, III और V के अंतर्गत कार्यवाहियों में अनुच्छेद 14(क), 14(ख), 14(ग) और 14(घ) में निर्धारित राज्यसहायता को बताते समय एससीएम समझौते के प्रासंगिक प्रावधान लागू होंगे, तथापि, उसके प्रयोग करने में यदि विशेष कठिनाईयां हों, तो आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य राज्यसहायता लाभ की पहचान करने और उसको मापने के लिए तब पद्धति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें उस संभावना को ध्यान में रखती है और चीन में प्रचलित निबंधन और शर्तों उपयुक्त बेंचमार्क के रूप में सदैव उपलब्ध नहीं हो सकती है। ऐसी पद्धतियों को लागू करने में, जहां व्यवहार्य हो, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य के द्वारा चीन से बाहर प्रचलित निबंधन और शर्तों का उपयोग के बारे में विचार करने से पूर्व ऐसी विद्यामान निबंधन और शर्तों को ठीक करना चाहिए।

(ग) आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य उप-पैरा (क) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को पाटनरोधी कार्य समिति के लिए अधिसूचित करेगा तथा उप पैराग्राफ (ख) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को कमिटी ऑन सब्सिडीज और काउंटर वेलिंग मैसर्स के लिए अधिसूचित करेगा।

(घ) आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य को राष्ट्रीय कानून के तहत चीन ने एक बार यह सुनिश्चित कर लिया है कि यह एक बाजार अर्थव्यवस्था है, तो उप पैराग्राफ के प्रावधान (क) समाप्त कर दिए जाएंगे, बशर्ते आयात करने वाले सदस्य के राष्ट्रीय कानून में प्राप्ति की तारीख के अनुरूप बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मानदंड हो। किसी भी स्थिति में उप पैराग्राफ (क) (III) के प्रावधान प्राप्ति की तारीख के बाद 15 वर्षों में समाप्त होंगे। इसके अलावा, आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अनुसरण में चीन के द्वारा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां एक विशेष उद्योग अथवा क्षेत्र में प्रचलित हैं, उप पैराग्राफ (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के प्रावधान उस उद्योग अथवा क्षेत्र के लिए आगे लागू नहीं होंगे।"

63. यह नोट किया जाता है कि अनुच्छेद 15) क) (ii) में निहित प्रावधान 11.12.2016 को समाप्त हो गए हैं, आरोहण प्रोटोकोल के 15(क) (i) के अंतर्गत दायित्व के साथ पठित डब्ल्यूटीओ के अनुच्छेद 2.2.1.1 के अंतर्गत प्रावधान में बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा करने के संबंध में पूरक प्रश्नावली में उपलब्ध कराई जाने वाली सूचना/आंकड़ों के माध्यम से नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 में निर्धारित मानदंड को पूरा किए जाने की आवश्यकता है। यह नोट किया जाता है कि चूंकि चीन जन.गण. के उत्तर देने वाले उत्पादक/निर्यातक ने निर्धारित

रूप में और तरीके से प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है, सामान्य मूल्य का परिकलन इस नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार किया जाना अपेक्षित है।

64. तदनुसार, संबद्ध देश के सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण नीचे दिए गए अनुसार किया गया है:

चीन जन.गण. के सभी उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य

65. चूंकि चीन जन.गण. के किसी भी उत्पादकों ने अपने निजी आंकड़ों/सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण का दावा किया है, अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण इस नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार निर्धारित किया गया है जो निम्नलिखित रूप में पठित है:

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत रहित, सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव नहीं हैं, या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। संबद्ध देश के विकास के स्तर तथा संबद्ध उत्पाद को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यथोचित पद्धति द्वारा एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन किया जाएगा और चयन के समय पर उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना पर यथोचित रूप से विचार किया जाएगा। बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी अन्य तीसरे देश के संबंध में किसी समयानुरूपी मामले में की जाने वाली जांच के मामले में जहां उचित हों, समय-सीमा के भीतर कार्रवाई की जाएगी। जांच से संबंधित पक्षकारों को किसी अनुचित विलंब के बिना बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के चयन के विशेष में सूचित किया जाएगा और अपनी टिप्पणियां देने के लिए एक समुचित समयावधि प्रदान की जाएगी।

66. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य मूल्य का निर्धारण एक उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में इस उत्पाद की कीमतों अथवा संरचित मूल्य अथवा ऐसे तीसरे देश से अन्य देशों को कीमतों के आधार पर नहीं किया जा सका क्योंकि संगत सूचना न तो आवेदक द्वारा अथवा किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा उपलब्ध कराई गई है और न ही किसी सार्वजनिक स्रोत से प्राधिकारी के पास उपलब्ध है। यद्यपि, भारत में अन्य देशों से आयात हुए हैं, चूंकि इस उत्पाद को कोई समर्पित वर्गीकरण नहीं है, अतः यह उपयुक्त नहीं होगा कि बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश से भारत को कीमत पर विचार किया जाए। इस प्रकार सामान्य मूल्य का निर्धारण लाभ, जिसका निर्धारण भारत में बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक खर्च तथा उचित लाभ के लिए जोड़ने के बाद उत्पादन की लागत पर विचार करते हुए किया गया है, को शामिल करने के लिए विधिवत् समायोजित भारत में भुगतान की गई कीमत अथवा भुगतान योग्य कीमत के आधार पर निर्धारण किया जा सकता है। इस प्रकार, प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के अनुसार भारत में प्रमुख कच्चे मालों की कीमतों और भुगतान की गई अन्य लागतों पर विचार करते हुए, उत्पादन की आदर्शतम लागत के आधार पर सामान्य मूल्य संरचित किया है। इसके अलावा, सामान्य मूल्य के निर्धारण के उद्देश्य से उचित लाभ को उत्पादन की लागत में जोड़ा गया है। चीन जन.गण. के सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारित किया गया है और इसका उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण

i. **निर्यात कीमत**

क) हांगज्जोऊ ज्वाइनलीडर न्यू मैटिरियल्स कं. लि. और अनहुर्द ज्वाइनलीडर न्यू मैटिरियल्स टेक्नोलॉजी कं., लि.

67. कीमत अनहुर्द ज्वाइनलीडर न्यू मैटिरियल्स टेक्नोलॉजी कं., लि. जो संबद्ध वस्तुओं का उत्पादक है और हांगज्जोऊ ज्वाइनलीडर न्यू मैटिरियल्स कं. लि. जो संबद्ध वस्तुओं का निर्यातक है की निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर से, यह नोट किया जाता है कि जांच की अवधि के दौरान उन्होंने भारत को ***एमटी निर्यात किया है। इस ***एमटी में से उन्होंने संबंधित पक्षकार को ***एमटी और भारत में असंबंधित पक्षकारों को शेष ***एमटी का निर्यात किया है। प्राधिकारी ने रिमोट क्रास चेक के माध्यम से आंकड़ों तथा अन्य समर्थक दस्तावेजों का सत्यापन किया है। उत्पादक/निर्यातक ने अंतरदेशीय भाड़े, विदेशी भाड़े, समुद्री बीमा, बैंक शुल्क, और पोर्ट शुल्क के कारण समायोजनों का दावा किया है और उसकी अनुमति दी गई है। तदनुसार निर्धारित निर्यात कीमत पाटन मार्जिन तालिका में दी गई है।

ख) शांगडोंग डोंगयुर्द सिलिकॉन मैटिरियल्स कं. लि.

68. शांगडोंग डोंगयुर्द सिलिकॉन मैटिरियल्स कं. लि. चीन के कानून के अंतर्गत शेयरों के द्वारा एक कंपनी लिमिटेड है। किसी भी स्वामी/प्रधान शेयर होल्डर विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन और बिक्री में लगी किसी अन्य कंपनी से संबंधित नहीं हैं। शांगडोंग डोंगयुर्द सिलिकॉन मैटिरियल्स कं. लि. ने जांच की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात की सूचना दी है। इन वस्तुओं की बिक्री सीधे भारत में ग्राहकों को की गई है। भारतीय ग्राहकों को बिक्री सीआईएफ आधार पर है। कंपनी ने जांच की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं की ***एमटी का निर्यात किया है। उत्पादक ने समुद्री भाड़ा, बीमा, अंतरदेशीय दुलाई, पोर्ट शुल्क, ऋण लागत, पैकिंग खर्च और बैंक शुल्क के कारण समायोजनों का दावा किया है।

69. इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक ने थोक में विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है जबकि इस उत्पाद को तय किए गए रूप में घरेलू बाजार में बेचा जाता है। इन परिस्थितियों में निर्यातक ने निवल निर्यात कीमत की गणना करते समय पैकिंग खर्च के समायोजन का दावा किया है।

70. प्राधिकारी ने तदनुसार, पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के उद्देश्य से पैकिंग खर्च पर विचार करने के लिए संरचित सामान्य मूल्य का समायोजन किया है। निर्धारित पाटन मार्जिन, पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाए गए अनुसार है।

चीन जन.गण. के सभी असहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण

71. चीन जन.गण. के अन्य असहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण सहयोगी निर्यातकों के लिए जांच किए गए आंकड़ों पर विचार करते हुए उपलब्ध तथ्यों के अनुसार किया है और उसका उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

पाटन मार्जिन

72. संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण नीचे दिए गए अनुसार किया गया है:

पाटन मार्जिन तालिका

क्र.सं.	देश	उत्पादक	सामान्य मूल्य यूएसडाएमटी/	निवल निर्यात कीमत यूएसडाएमटी/	पाटन मार्जिन यूएसडा/ एमटी	पाटन मार्जिन %	पाटन मार्जिन (रेंज %)
1	चीन जनगण.	अनहुर्द ज्वाइनलीडर न्यू मैटिरियल्स टेक्नोलॉजी कं .	***	***	***	***	20-30

क्र.सं.	देश	उत्पादक	सामान्य मूल्य यूएसडाएमटी/	निवल निर्यात कीमत यूएसडाएमटी/	पाटन मार्जिन यूएसडाएमटी/	पाटन मार्जिन %	पाटन मार्जिन (रेंज %)
		.लि					
2	चीन जनगण.	शांगडोंग डोंगयुई सिलिकॉन मेटिरियल कं .लि	***	***	***	***	30-40
3	चीन जनगण.	कोई अन्य उत्पादक	***	***	***	***	40-50

ज. क्षति का आकलन और कारणात्मक संबंध

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

73. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:-

- वर्तमान मामले का तथ्य यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग को वर्तमान मामले में वास्तविक क्षति हुई है, जिसका उल्लेख याचिका में किया गया है।
- पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में कमी आई।
- यद्यपि समर्थक उत्पादक के बाजार हिस्से में 2018-19 की अवधि और जांच की अवधि के बीच वृद्धि हुई, वह किसी प्रवृत्ति को नहीं संसूचित करता है क्योंकि इस पक्षकार की वास्तविक बिक्री बहुत कम है। कंपनी ने केवल 2018-19 में उत्पादन शुरू किया और स्वयं उक्त पक्षकार द्वारा समर्थन यह दर्शाता है कि उक्त समर्थक को भी पाटित आयातों के कारण प्रभावित हुए।
- पाटित आयातों के द्वारा प्राप्त बाजार हिस्से से घरेलू उद्योग को मात्रा संबंधी क्षति हुई। पाटित आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग पर मात्रा संबंधी प्रभाव पड़ा और घरेलू उद्योग ने इस प्रकार के पाटित आयातों के कारण बाजार हिस्से को खोया और नीचे की ओर प्रभाव के कारण मात्रा के मामले में क्षति हुई। वर्तमान मामले में मात्रा संबंधी क्षति इस तथ्य में है कि एक दशक तक उत्पादन करने के बाद भी घरेलू उद्योग क्षति की अवधि में 25 प्रतिशत क्षमता का उपयोग भी नहीं प्राप्त कर सका और जब उत्पाद की बहुत अधिक मांग थी तब ऐसा कम आदर्शतम उपयोगिता पाटित आयातों के कारण मात्रा संबंधी क्षति को दर्शाता है।
- मुख्य कीमत और क्षति संबंधी अन्य मानदंड भी यह दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग (डीआई) को वास्तविक क्षति हुई। जबकि घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत 100 सूचकांक से बढ़कर 118 सूचकांक हो गया, जो सामान्य है, बिक्री कीमत 100 सूचकांक से बढ़कर 103 सूचकांक हो गया।
- प्रति इकाई लाभप्रदता 100 से घटकर -15 हो गया और पीबीआईटी 100 से घटकर -3 आधार अंक तक पहुंच गया और लाभप्रदता में ऐसी गिरावट का आरओसीई पर भी प्रभाव पड़ा और आरओसीई आधार वर्ष में 100 आधार अंकों से घटकर जांच की अवधि में -3 अंक हो गया। नकद लाभ में भी जांच की अवधि में 100 से 17 अंक तक की तीव्र गिरावट दर्शाई। यह तथ्य कि याचिकाकर्ता ने इन कीमतों को बढ़ाया हुई लागत की स्थिति में इच्छित स्तर तक नहीं बढ़ा सका, इस मामले में बहुत अधिक कीमत में कटौती के अलावा, कीमत ह्रास को दर्शाता है।

- vii. यह भी बहुत स्पष्ट है कि याचिकाकर्ता ने सभी मुख्य मानदंडों में नकारात्मक वृद्धि दर्ज की और जब मांग में बहुत अधिक वृद्धि हो रही थी तब ऐसी नकारात्मक वृद्धि पाठित आयातों के प्रतिकूल प्रभाव को दर्शाता है।
- viii. रोजगार के स्तर जैसे मानदंडों में भी गिरावट आई, यद्यपि याचिकाकर्ता को और अधिक लोगों को नियुक्त करने का सामर्थ्य है। हालांकि, प्रतिदिन और प्रति कर्मचारी उत्पादकता में सुधार जो उत्पादकता में गिरावट को दर्शाता है, क्षति का कारण नहीं था।
- ix. घरेलू उद्योग को क्षति के कारण केवल पाठित आयात नहीं रहे हैं और वह पहुंच कीमत और कीमत की कटौती में संचलन से स्पष्ट है।
- x. विरोधी पक्षकारों द्वारा चालाकी से यह तर्क दिया गया है कि चीन जन.गण. से पहुंच कीमत में वृद्धि हुई और वृद्धि के बाद ऐसी कीमत क्षति का कारण नहीं हो सकता है। यह तर्क पूर्ण रूप से भ्रामक है।
- xi. यहां यह भी नोट करना संगत है कि घरेलू उद्योग का एनएसआर असामान्य रूप से अधिक नहीं है अथवा इसके कारण इस प्रकार की कटौती नहीं हुई है। अन्य देशों से बहुत अधिक आयात भी चीन जन.गण. से बहुत अधिक कीमतों पर होते रहे हैं और जो बहुत स्पष्ट है, वह यह है कि पाठित कीमतें चीन जन.गण. द्वारा याचिकाकर्ता को कमजोर करने और भारत में अन्य उचित आयात भी हो रहे हैं, के लिए दी गई हैं ताकि भारत में इस उत्पाद के लिए समग्र बाजार हिस्से को अपने कब्जे में लिया जा सके।
- xii. प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि पाटन भारत को चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तुओं के निर्यातों में बहुत स्पष्ट है और संबद्ध वस्तुओं के संबंध में घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है तथा इस प्रकार के पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध है और तदनुसार वह इस मामले में पाटनरोधी शुल्कों की सिफारिश शीघ्रातिशीघ्र करते हैं।
- xiii. विरोधी पक्षकारों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि क्षति और आयातों के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है। आयात कीमत के तथ्य दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति का कारण पाठित आयातों की पहुंच कीमत तथा कीमत में कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री रही है जो अकेले कारणात्मक संबंध को स्थापित करता है। पहुंच कीमत में आधार वर्ष की तुलना में वृद्धि होने के बावजूद, वास्तविक रूप में पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की एनएसआर से बहुत कमतर थी। याचिकाकर्ता आधार वर्ष जब कीमत में कटौती इस कारण से बहुत अधिक थी कि उस समय आयात की मात्रा केवल 1742 एमटी था, को हानि नहीं हुई थी। जांच की अवधि तक, पाठित आयात दुगुने हो गए थे और इस प्रकार अधिक मात्रा के साथ कीमत में कटौती संबंधी प्रभावों का घरेलू उद्योग पर भी गंभीर प्रभाव पड़ा था। इस प्रकार, घरेलू उद्योग को क्षति और आयातों की पहुंच कीमत के बीच कारणात्मक संबंध इस मामले में संदेह से परे अच्छे तरीके से स्थापित है।
- xiv. यह तर्क कि घरेलू उद्योग को क्षति अन्य कारकों के कारण हुई थी, जिसकी पुष्टि नहीं की गई है और जो सही नहीं है। विरोधी पक्षकार चीन जन.गण. से बहुत कम कीमत पर विचाराधीन उत्पाद के आयात के लिए कारण का उत्तर देने में असफल रहे हैं जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। उत्पादक की उपयोगिता पाठित आयातों की मौजूदगी के कारण 25 प्रतिशत से कम है। पक्षकार द्वारा कोई अन्य कारण नहीं दर्शाया गया है, जो यह दर्शाता है कि क्षति कुछ अन्य कारणों से ही हुई थी।
- xv. यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित उत्पादों के संबंध में गंभीर कार्य-निष्पादन और निर्माण संबंधी मुद्दे हैं और वह क्षति का कारण है। ऑटोमोटिव टायर मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन(एटीएमए) बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में माननीय सेस्टेट ने यह निर्णय दिया था कि निर्माण की प्रक्रिया और गुणवत्ता पाटनरोधी कानून के अंतर्गत संगत कारक नहीं हैं और उक्त निर्णय वर्तमान मामले में भी लागू है। इस प्रकार, उल्लिखित गुणवत्ता संबंधी मुद्दे क्षति का कारण नहीं हैं।

xvi. यह तर्क दिया गया है कि याचिकाकर्ता को क्षति याचिकाकर्ता के कारखाना परिसर में आग लगने के कारण हुई है। हमारे संयंत्र में आग लगना एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी और वह हाइड्रोजन गैस के उपयोग का हिस्सा है लेकिन वह क्षति का कारण नहीं था। उसके कारण क्षति पृथक रूप से बुक्स में दिया गया है और ऐसा कहने का कोई आधार नहीं है कि क्षति, जिसका दावा किया गया है, आग की घटना के कारण हुई है।

xvii. यह तर्क दिया गया है कि क्षति का कारण अन्य उत्पादकों के हिस्से में वृद्धि है जो एक मामूली तर्क मात्र है। अन्य पक्षकारों द्वारा बिक्री बहुत कम रही है और बाजार हिस्से में पाठित आयातों के कारण कमी आई थी। यह एक आधारहीन अभिकथन है कि मांग का पूर्वानुमान लगाते हुए क्षमता को एक बार संस्थापित किया जाना क्षति का कारण है।

xviii. यह तर्क दिया गया है कि 15 नवंबर, 2018 को पोस्ट किए गए इसके लिंकड़इन पेज पर याचिकाकर्ता का बयान यह कहता है कि “[i]भारत में, अल्सटोन ने अपने बाजार हिस्से में तीव्र वृद्धि देखी है जो अपनी बढ़ती हुई मांग को दर्शाता है और ग्राहकों के बीच यह विश्वास कि यह सर्वश्रेष्ठ उत्पाद है” को दर्शाता है। लिंकड़इन पर बयान याचिका में दावे को कमजोर नहीं करता है। कंपनी हाल के वर्षों तक तेजी से विकास कर रही थी और कुछ लाभ अर्जित कर रही थी और इसे जांच की अवधि में हानि हुई तथा लिंकड़इन पोस्ट अच्छे समय से संबंधित है, जिसे चीन जन.गण. में उत्पादकों द्वारा अपनाए जा रहे पाटन के द्वारा नष्ट कर दिया गया था।

xix. इसे पहले ही दर्शाया गया है कि किसी विरोधी पक्षकार ने खंड-वार विश्लेषण की आवश्यकता को नहीं दर्शा सका। इस प्रकार के विश्लेषण की आवश्यकता को दर्शाने का दायित्व याचिकाकर्ता पर नहीं डाला जा सकता है।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

74. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:-

- क्षति संबंधी मानदंडों का एक उचित विश्लेषण यह दर्शाएगा और इसे सिद्ध करेगा कि आवेदक को कोई क्षति नहीं हुई थी, वास्तविक क्षति की बात को छोड़ दिया जाए। क्षति संबंधी मापदंड आधार वर्ष तथा पूर्व के वर्षों से सुधार को दर्शाता है। आवेदक अनुबंध-II, पैरा (ii) और (iv) की आवश्यकताओं के अनुसार किसी पाटन और परिणामी क्षति को दर्शाने में सक्षम नहीं रहा।
- आयातों में मामूली वृद्धि मांग-आपूर्ति में अंतर के कारण हुई थी। जांच की अवधि के दौरान घरेलू बिक्रियों में 4 प्रतिशत की मामूली गिरावट भी उसी अवधि में तथाकथित समर्थक कंपनी की बिक्रियों में 427 प्रतिशत की अप्रत्याशित वृद्धि के कारण हुई है। अन्य उत्पादकों की बिक्री में भी 19 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है।
- यह भी समझा जा सकता है कि संबद्ध वस्तुओं की पहुंच कीमत में आधार वर्ष में 101.75 रु. प्रति किग्रा. से जांच की अवधि में 147.94 रु. प्रति किग्रा. तक वृद्धि हुई है और यह वृद्धि 45 प्रतिशत तक हुई है। पहुंच कीमत में ऐसी अत्यधिक वृद्धि पाटन के लिए कारण नहीं हो सकता है, विशेष रूप से जब बिक्री कीमतें उस सीमा तक प्रभावित नहीं हुई थी। इस प्रकार, यह कहना सही नहीं है कि कीमत में क्षति हुई थी।
- क्षति के आकलन के संबंध में प्रावधानों में विशेष रूप से यह अपेक्षित है कि बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर प्रतिफल अथवा क्षमता के उपयोग को गिरावट दर्शाना चाहिए। हालांकि, घरेलू उद्योग ने आधार वर्ष से जांच की अवधि के दौरान क्षमता का उपयोग, बिक्री, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता और निवेश पर प्रतिफल के संबंध में बहुत अधिक वृद्धि देखी है।

v. नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, वेतन, वृद्धि, पूँजी निवेश जुटाने की क्षमता के संबंध कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है क्योंकि ऐसे सभी मापदंड क्षति की जांच की अवधि में निरंतर सुधार दर्शाते हैं।

vi. घरेलू उद्योग द्वारा उठाई गई क्षति, यदि कोई हो, अन्य कारणों जैसे अन्य उत्पादकों द्वारा बिक्रियों में हिस्से की अत्यधिक वृद्धि, स्वीकार्यता के मुद्दों के कारण रियल इस्टेट खेत्र में स्लोडाउन और मालसूची की स्थिति तथा मांग में गिरावट जैसे प्रतिस्थानापनों तथा बाजार में स्वीकार्यता के कारण बाजार में चुनौतियों के साथ बाजार हिस्से के पूर्वानुमान में क्षमता को एक बार स्थापित किए जाने के कारण हुई है।

vii. शिकायतकर्ता के क्षतिकारक पाटन के दावे का खंडन इसके 15 नवंबर, 2018 के लिंकड़इन पोस्ट के द्वारा यह नोट करते हुए किया गया है कि “भारत में, अल्सटोन ने अपने बाजार हिस्से में तीव्र वृद्धि देखी है जो अपनी बढ़ती हुई मांग को दर्शाता है और ग्राहकों के बीच यह विश्वास कि यह सर्वश्रेष्ठ उत्पाद है”。 इसके अलावा, तीन महत्वपूर्ण बिंदु नोट करने के लिए हैं। पहला यह है कि विचाराधीन उत्पाद के पांच भारतीय उत्पादकों में से तीन के संबंध में ऐसा लगता है कि उन्हें चीन के आयातों से कोई समस्या नहीं है। दूसरा यह कि यदि कम कीमत पर पाटित चीन के आयातों ने भारतीय उत्पादकों की बिक्री का उल्लेखनीय रूप से शिकायतकर्ता की बिक्री का है, जैसा कि शिकायतकर्ता दावा करते हैं, यह नए उत्पादक के लिए कोई आर्थिक मतलब का नहीं होता अर्थात् एक नया उत्पादक एचपी एडेसिव टूटे हुए भारतीय बाजार में प्रवेश नहीं करता। तीसरा, यदि चीन के आयातों के कारण बाजार की कीमतों में कमी आ रही है तब भी यह बहुत अधिक प्रश्न उठाने योग्य है कि किस प्रकार से तीसरे देश के आयात जो उसी भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, का आयात किया जा रहा है और उसकी बिक्री बहुत अधिक कीमतों पर की जा रही है और संबद्ध आयातों की तुलना में बहुत अधिक कुल आयात हिस्सा बनाए रखने में वह सफल हुआ है।

viii. संबद्ध आयातों की मात्रा में प्रभावी वृद्धि का घरेलू उद्योग/शिकायतकर्ता पर कोई समझने योग्य प्रभाव नहीं पड़ सकता था।

ix. संबद्ध आयातों की कीमत प्रभावों को शिकायतकर्ता द्वारा गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है और वे तुलनीय उत्पादों की तुलना पर आधारित नहीं हैं।

x. गैर-आरोपण दायित्व के संदर्भ में, शिकायतकर्ता को क्षति निम्नलिखित “अन्य कारकों” के कारण हुई थी;

(क) शिकायतकर्ता का अनुचित रूप से उच्च उत्पाद लागत और संरचनात्मक समस्याएं (ख) निर्यातों में कमी और शिकायतकर्ता की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में कमी और (ग) भारतीय बाजार पर नए प्रतिस्पर्धी का उभरना।

xi. वास्तविक क्षति और उसके खतरे पर समानांतर दावा साक्ष्य की अपर्याप्तता को दर्शाता है। उस सीमा तक कि शिकायतकर्ता यह दावा करते हैं कि उसे एक ही समय में “वास्तविक क्षति” और “वास्तविक क्षति का खतरा” दोनों हो रही हैं, शिकायत कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण है और यह सीधे इस तथ्य को दर्शाता है कि एक वैकल्पिक दावा करने में, शिकायतकर्ता को इस तथ्य की जानकारी थी कि उसे वास्तविक क्षति नहीं हो रही थी और इस प्रकार वह इसके लिए पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सका था।

xii. जबकि शिकायतकर्ता यह दोहराते हैं कि इसे संबद्ध आयातों के द्वारा कटौती के कारण बिक्री की हानि हुई है, ग्राहक की दरों अथवा बाजार अध्ययनों आदि के आधार पर बिक्री की कमी के प्रभाव का कोई साक्ष्य शिकायतकर्ता द्वारा उपलब्ध नहीं कराया गया है। शिकायतकर्ता द्वारा केवल बयान को जब वह वास्तव में जब एक नई कंपनी, एसपी एडेसिव ने भारतीय बाजार में प्रवेश किया और चीन के आयातों की मौजूदगी के बावजूद स्पष्ट तौर पर बिक्री करने में सक्षम है, सकारात्मक साक्ष्य के न होने की स्थिति में उसी रूप में नहीं लिया जा सकता है।

xiii. शिकायतकर्ता ने उत्पाद मिश्रण में अंतरों पर विचार नहीं किया और कीमत में कटौती के दावे के समान, हास और कम कीमत पर बिक्री के दावे तुलनायीय उत्पादों की तुलना के आधार पर नहीं हैं।

xiv. संबद्ध आयात की कीमतों में आईआईपी की तुलना में तेजी से वृद्धि हुई। विशेषकर, संबद्ध आयात की कीमतों में 2018-19 में 67 प्रतिशत तक और 2016-17 की तुलना में जांच की अवधि में 45 प्रतिशत तक वृद्धि हुई। तीसरे देश के घोतों से सिलिकॉन सीलेंट्स की आयात कीमतों का कमोवेश नीचे चार्ट में दिए गए विवरण के अनुसार कीमतों में बहुत अधिक वृद्धि की वही प्रवृत्ति रही। हालांकि, शिकायतकर्ता ने अपनी बिक्री की कीमतों में वृद्धि नहीं की।

xv. शिकायतकर्ता और घरेलू उद्योग के उत्पादन, उत्पादन क्षमता और क्षमता उपयोग में कमी नहीं आई जबकि मालसूची में कमी आई।

xvi. यह भी दोहराया जाता है कि विचाराधीन उत्पाद का निर्माण करने वाले समग्र भारतीय उद्योग के स्तर पर, उत्पादन क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई है।

xvii. शिकायतकर्ता के बाजार हिस्से में मानी गई गिरावट मुश्किल से चीन से संबद्ध आयातों से संबंधित हो सकता है। जिस प्रमुख पहलू को रेखांकित किया जाना है, वह यह है कि जैसा कि उत्पादन और बिक्री का मामला था, शिकायतकर्ता का बाजार हिस्सा भी 2018-19 और जांच की अवधि में संबद्ध आयातों में वृद्धि के साथ बढ़ते रहे हैं। इस प्रकार, चीन से आयातों की घटना और शिकायतकर्ता की स्थिति के बीच कोई सह-संबंध अथवा संयोग नहीं है।

xviii. इसके अलावा, 2018-19 में एचपी एडहेसिव्स ने उत्पादन शुरू किया और संभवतः बढ़ते हुए भारतीय बाजार का लाभ उठाकर बहुत अधिक मात्राओं में बिक्री शुरू की और शिकायतकर्ता की बिक्रियों पर कब्जा किया। हालांकि, जांच की अवधि के दौरान भारतीय मांग में लगभग 6 प्रतिशत तक गिरावट आई। इस कारण से, यह अनुमान लगाना तर्कसंगत है कि एचपी एडहेसिव्स ने न केवल जांच की अवधि में तीसरे देश से आयातों के बाजार हिस्से पर कब्जा किया बल्कि अन्य भारतीय उत्पादकों अर्थात् शिकायतकर्ता के भी समान रूप से कब्जा किया।

xix. जबकि शिकायतकर्ता का यह दावा है कि यह चीन से आयातों के कारण 2017-18 और 2018-19 में बाजार कीमतों में वृद्धि करने में सक्षम नहीं था, आयातों की कीमत में वृद्धि जैसे कारक इसके दावे को खारिज करते हैं। जांच की अवधि में जब चीन से संबद्ध आयात कीमतों में 12 प्रतिशत तक गिरावट आई, शिकायतकर्ता ने अपनी बिक्री कीमत में वृद्धि की।

xx. शिकायतकर्ता द्वारा पिछले दो वर्षों के दौरान उच्च उत्पादन लागतों के लिए कारणों के संबंध में कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई है।

xxi. यह रेखांकित करना आवश्यक माना गया है कि शिकायतकर्ता के दावे के विपरीत, यह एकमात्र उत्पाद कंपनी नहीं है, जैसाकि इसकी वेबसाइट से स्पष्ट है। वास्तव में, कंपनी की वेबसाइट के अनुसार, कोटपुतली संयंत्र में, शिकायतकर्ता न केवल सिलिकॉन सिलेंट्स का उत्पादन करते हैं बल्कि शीट ग्लास का भी उत्पादन करते हैं।

xxii. डीजीटीआर को चीन से संबद्ध आयातों और शिकायतकर्ता द्वारा उत्पादन किए गए और बेचे गए घरेलू जैसे उत्पाद के बीच कारणात्मक विश्लेषण में सीमित प्रतिस्पर्धी अतिव्याप्तता का समाधान करना चाहिए। इसके लिए एक उत्पाद खंड आधारित क्षति विश्लेषण आवश्यक है।

xxiii. क्षति का अन्य कारण शिकायतकर्ता का अनुचित रूप से उच्च उत्पाद लागत और संरचनात्मक समस्याएं हैं। शिकायतकर्ता की निर्यातों और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता की कमी, एक नए प्रतिस्पर्धी का भारतीय बाजार में उभरना है।

xxiv. एमएस पोलिमर-एस से केवल यह अपेक्षित है कि वह सिलिकॉन सिलेंट्स के कुछ प्रकारों का निर्माण करें। संयोग से एमएस पोलिमर-एस एक उच्च लागत वाला कच्चा माल है। हालांकि, याचिकाकर्ता ने इसके द्वारा उत्पादित सिलिकॉन सीलेंट के समग्र समूह के लिए उत्पादन की इस उच्च लागत का दावा किया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

75. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के विभिन्न अनुरोधों पर ध्यान दिया है और रिकॉर्ड पर उपलब्ध तथ्यों तथा लागू कानूनों पर विचार करते हुए इसका विश्लेषण किया है। प्राधिकारी द्वारा किया गया क्षति विश्लेषण यहां नीचे हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों का वास्तव में समाधान करता है। हालांकि विरोधी पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि क्षति का कारण याचिकाकर्ता के कारखाने में आग है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि आग की घटना के कारण हानि को अलग से लेखा परीक्षक द्वारा याचिकाकर्ता के वार्षिक खातों में दिया गया था और इस प्रकार की घटना के लिए बताई गई हानि को एनआईपी के उद्देश्य से उत्पादन की लागत में शामिल नहीं किया गया है।

76. अनुबंध-II के साथ पठित नियमावली के नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षति के निर्धारण में "... पाठित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इस प्रकार के आयातों का परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए ..." घरेलू उद्योग को क्षति दर्शने वाले कारकों की जांच शामिल होगी। कीमतों पर पाठित आयातों के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, इस बात की जांच करना आवश्यक माना गया है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाठित आयातों द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा यह कि क्या इस प्रकार के आयातों के प्रभाव से अन्यथा कीमतों का बहुत अधिक मात्रा में हास हुआ है अथवा कीमत में वृद्धि रूप जाती जो अन्यथा बहुत अधिक मात्रा में हुई होती। भारत में घरेलू उद्योगों पर पाठित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए, इन सूचकांकों जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता हो जैसे उत्पादन, क्षमता का उपयोग, बिक्री की मात्रा, मालसूची, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाठन की मात्रा और मार्जिन आदि पर विचार नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार किया गया है।

77. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि क्षति का कारण याचिकाकर्ता के कारखाने में आग लगना है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि आग की घटना के कारण हानि को अलग से लेखा परीक्षक द्वारा याचिकाकर्ता के वार्षिक खातों में दिया गया था और इस प्रकार की घटना के लिए बताई गई हानि को एनआईपी के उद्देश्य से उत्पादन की लागत में शामिल नहीं किया गया है।

78. इस अनुरोध के संबंध में कि प्राधिकारी को मौजूदा कर और ब्याज दर संरचना को ध्यान में रखते हुए 22 प्रतिशत आरओसी लागू करने की कार्य-पद्धति में अवश्य संशोधन करना चाहिए, यह नोट किया जाता है कि एनआईपी के निर्धारण के उद्देश्य से अनुमति दी गई 22 प्रतिशत आरओसी विभाग की निरंतर कार्य-पद्धति के अनुसार है और इस प्रकार की कार्य-पद्धति पर विचार वर्तमान मामले में भी उपयुक्त रूप में किया जाता है।

79. इस अनुरोध के संबंध में कि क्षति का आकलन उत्पाद खंड के आधार पर किया जाना चाहिए, यह नोट किया जाता है कि शामिल किया गया उत्पाद किसी बहुत अधिक लागत और कीमत में अंतर को नहीं दर्शाता है और उसको देखते हुए, उत्पाद के वजन के संदर्भ में औसत आधार पर जांच पर विचार एक उपयुक्त पद्धति के रूप में किया जाता है।

80. यह भी नोट किया जाता है कि विरोधी पक्षकारों के तर्कों, जिसका उल्लेख ऊपर में किया गया है, घरेलू उद्योग द्वारा क्षति के दावे के संबंध में हैं और इस प्रकार के तर्क का वास्तव में समाधान क्षति संबंधी मापदंडों की जांच करते समय यहां नीचे किया जाता है और उसे देखते हुए क्षति संबंधी तर्क का समाधान संक्षिप्तता के वास्ते पृथक रूप से किया जा रहा है।

81. इस तर्क के संबंध में कि जांच की अवधि में जब चीन से संबद्ध आयात की कीमतों में 12 प्रतिशत तक गिरावट आई, शिकायतकर्ता ने अपनी बिक्री कीमत में बढ़ोतरी की, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और बिक्री की लागत से क्षति की जांच की पूरी अवधि के दौरान बहुत कम रही है।

i. घरेलू उद्योग पर पाइत आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

क. मांग/स्पष्ट खपत का आकलन

82. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के उद्देश्य से घरेलू उद्योग और अन्य भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री और सभी स्रोतों से आयातों के योग के रूप में भारत में संबंधित उत्पाद की मांग अथवा स्पष्ट खपत पर विचार किया है। इस प्रकार से, आकलित मांग में क्षति की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (जांच की अवधि)
चीन जन.गण. (संबद्ध देश) से आयात	एमटी	1,742	2,994	3,648	3,726
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	172	209	214
अन्य देशों से कुल आयात	एमटी	3,982	5,414	5,612	4,630
देश में कुल आयात	एमटी	5,724	8,408	9,260	8,356
याचिकार्ता की घरेलू बिक्री	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	123	119
समर्थक की घरेलू बिक्री	एमटी	-	-	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	-	100	527
अन्य उत्पादकों की घरेलू बिक्री	एमटी	335	300	370	400
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	90	110	119
कुल मांग	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	141	158	148

83. जैसा कि उपर्युक्त तालिका से देखा जा सकता है, जांच की अवधि के दौरान भारत में संबद्ध वस्तुओं की मांग में आधार वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई है। यद्यपि, जांच की अवधि और पूर्व वर्ष के बीच 10 सूचकांकों की गिरावट आई है।

ख. संबद्ध देश से आयात की मात्रा

84. पाइत आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे इस तथ्य पर विचार करें कि क्या पाइत आयातों में या तो पूर्ण रूप में अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत की तुलना में बहुत अधिक वृद्धि हुई है।

विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (जांच की अवधि)
चीन जनसे आयात (संबद्ध देश) गण.	एमटी	1,742	2,994	3,648	3,726

विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (जांच की अवधि)
कुल आयातों में संबद्ध देश का हिस्सा	%	30.43	35.61	39.40	44.60
कुल आयातों में अन्य देशों का हिस्सा	%	69.57	64.39	60.60	55.40
	%	100	100	100	100

85. यह देखा जाता है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों में आधार वर्ष में 1742 एमटी से जांच की अवधि में 3726 एमटी तक वृद्धि हुई है। प्रतिशत के मामले में, भारत में समग्र आयातों में संबद्ध देश से पाटित आयातों का हिस्सा आधार वर्ष में 30.43 प्रतिशत से बढ़कर जांच की अवधि में 44.60 प्रतिशत तक हो गया, जबकि अन्य देशों से आयातों का हिस्सा आधार वर्ष में 69.57 प्रतिशत से घटकर जांच की अवधि तक 55.40 प्रतिशत हो गया।

ग. सापेक्ष रूप में संबद्ध देश से आयात

विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (जांच की अवधि)
संबद्ध देश से कुल आयात	एमटी	1,742	2,994	3,648	3,726
कुल मांग	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	141	158	148
घरेलू उद्योग का उत्पादन (डीआई)	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	89	112	118
भारतीय खपत की तुलना में संबद्ध देश से आयात	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	123	132	138
घरेलू उद्योग के उत्पादन की तुलना में संबद्ध देश से आयात	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	192	187	181

ii. घरेलू उद्योग पर आयातों का कीमत प्रभाव

86. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, यह विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में, कथित पाटित आयातों के द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से अन्य प्रकार से कीमतों पर दबाव पड़ने वाला है अथवा कीमत में वृद्धि रुकने वाली है जो अन्य प्रकार से सामान्य प्रक्रिया में हुई होती। संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की जांच, कीमत में कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के उद्देश्य से, घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत, निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) और क्षति रहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की पहुंच कीमत से की गई है।

क) कीमत में कटौती

87. कीमत में कटौती के विश्लेषण के उद्देश्य से, घरेलू उद्योग की निवल बिक्री की तुलना संबद्ध देश से आयातों की पहुंच मूल्य से की गई है। घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत की गणना करते समय, सभी करों, छूट, डिस्काउंट और

कमीशन की कटौती की गई है और पाटित आयातों का पहुंच मूल्य से तुलना किए जाने के लिए एक्स वर्क्स स्तर पर बिक्री प्राप्ति का निर्धारण किया गया है। तदनुसार, संबद्ध देश से पाटित आयातों की कटौती का प्रभाव नीचे दिए गए अनुसार है:-

विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (जांच की अवधि)
निवल बिक्री प्राप्ति	रु. किंवद्दि.	***	***	***	***
पहुंच कीमत (एलवी)	रु. किंवद्दि.	101.75	121.95	169.58	147.94
कीमत में कटौती	रु. किंवद्दि.	***	***	***	***
कीमत में कटौती	एलवी का %	***	***	***	***
कीमत में कटौती	रेंज	50-60	40-50	20-30	30-40

88. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से आयात भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से कम कीमत पर होती रही है, जिसके फलस्वरूप कीमत में सकारात्मक कटौती हुई है। आगे यह नोट किया जाता है कि यद्यपि आयातों की पहुंच कीमत में इन वर्षों के दौरान वृद्धि हुई थी, घरेलू उद्योग के पाटित आयातों की पहुंच कीमत और एनएसआर के बीच अंतर बहुत अधिक रहा।

ख) कीमत ह्रास/न्यूनीकरण

89. इस तथ्य का निर्धारण करने के उद्देश्य से कि क्या पाटित आयातों के कारण घरेलू कीमतों पर दबाव पड़ रहा है और क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों पर बहुत अधिक हद तक दबाव पड़ने वाला है अथवा कीमत में वृद्धि रुक जाने वाली है जो अन्य प्रकार से सामान्य प्रक्रिया में हुई होती, क्षति की अवधि के दौरान लागतों और कीमतों में परिवर्तन की तुलना नीचे दिए गए अनुसार पाटित आयातों की पहुंच कीमत के आलोक में की गई थी।

विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (जांच की अवधि)
बिक्री की लागत	रु. किंवद्दि.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	97	112	112
घरेलू बिक्री कीमत	रु. किंवद्दि.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	100	100	103
पहुंच मूल्य—संबद्ध देश	रु. किंवद्दि.	101.75	121.95	169.58	147.94
	सूचीबद्ध	100	120	167	145

90. यह देखा जाता है कि उत्पादन की लागत में 2016-17 से 2019-20 तक 100 आधार अंकों से 112 आधार अंकों तक वृद्धि हुई है जबकि बिक्री कीमत में इस अवधि के दौरान 100 आधार अंकों से 103 आधार अंकों तक वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि क्षति की अवधि के दौरान पहुंच मूल्य बिक्री की लागत और घरेलू बिक्री की तुलना में बहुत कम रही है। इस कारण से, यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों पर दबाव पड़ रहा है क्योंकि बिक्री की लागत में वृद्धि घरेलू की बिक्री कीमत में वृद्धि से बहुत अधिक है।

iii. घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

91. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का वस्तुपरक जांच शामिल होगी। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में, इस नियमावली में आगे यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित

आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और सूचकांकों जिनका घरेलू उद्योग की हालत पर प्रभाव पड़ता हो, जिसमें बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट; वे कारक जो घरेलू कीमतों, पाठन मार्जिन की मात्रा पर प्रभाव डालते हैं; नकदी प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, विकास, पूँजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव का वस्तुपरक मूल्यांकन शामिल होना चाहिए। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मानदंडों पर यहां नीचे चर्चा की गई है।

92. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में आवश्यक तथ्यों को प्रकट करते समय, प्राधिकारी ने ऐसे सभी अनुरोधों का भी समाधान करने के उद्देश्य से इस जांच में अब तक सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों पर वस्तुनिष्ठ तरीके से विचार करते हुए, क्षति संबंधी मानदंडों की भी जांच की है।

क) उत्पादन, क्षमता, बिक्री और क्षमता उपयोग

93. उत्पादन, घरेलू बिक्री, क्षमता और क्षमता उपयोग के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्य-निष्पादन नीचे दिए गए अनुसार है:

विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (जांच की अवधि)
स्थापित क्षमता	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
उत्पादन	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	89	112	118
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	89	112	118
घरेलू बिक्रियां	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	123	119

94. यह नोट किया जाता है कि जबकि क्षमता क्षति की अवधि के दौरान स्थिर रही है, उत्पादन और क्षमता के उपयोग में क्षति की अवधि के दौरान वृद्धि हुई। हालांकि, घरेलू उद्योग की विक्रियों में तत्काल पूर्व वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में मामूली रूप से गिरावट आई।

95. इसके अलावा, इस संबंध में यह नोट किया जाता है, यद्यपि प्रमुख मात्रा संबंधी मापदंडों ने इन वर्षों के दौरान कुछ वृद्धि दर्शाई है, वह वृद्धि समग्र मांग में वृद्धि के अनुपात में नहीं था और घरेलू उद्योग की वास्तविक क्षमता उपयोग के आंकड़े बहुत कम थे। घरेलू उद्योग द्वारा यह तर्क दिया गया है कि बढ़ते हुए बाजार में क्षमता का कम उपयोग उद्योग के लिए गंभीर चिंता है और यह अनुरोध किया गया है कि मजबूत बाजार में क्षमता का कम उपयोग पर विचार मात्रात्मक क्षति के एक संसूचक के रूप में किया जाना चाहिए।

96. यह देखा जाता है कि भारत में उत्पादन और मांग/व्यपत की तुलना में संबद्ध देश से पाठित आयातों में आधार वर्ष और जांच की अवधि के बीच वृद्धि हुई।

घ. मांग में बाजार हिस्सा

विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (जांच की अवधि)
चीन जन.गण.(संबद्ध देश) से आयात	एमटी	1,742	2,994	3,648	3,726
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	172	209	214
अन्य देशों से कुल आयात	एमटी	3,982	5,414	5,612	4,630
देश में कुल आयात	एमटी	5,724	8,408	9,260	8,356
याचिकाकर्ता की घरेलू बिक्रियां	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	123	119
समर्थक की घरेलू बिक्रियां	एमटी	-	-	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	-	100	527
अन्य उत्पादकों की घरेलू बिक्रियां	एमटी	335	300	370	400
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	90	110	119
कुल मांग	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	141	158	148
निम्नलिखित के हिस्से के संबंध में भारतीय मांग में हिस्सा					
चीन जन.गण.(संबद्ध देश) से आयात	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	122	133	145
अन्य देशों से कुल आयात	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	89	79
देश में कुल आयात	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	103	99
याचिकाकर्ता की घरेलू बिक्रियां	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	68	78	81
समर्थक की घरेलू बिक्रियां	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध			100	561.6
अन्य उत्पादकों की घरेलू बिक्रियां	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	64	70	81
भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्रियां	%	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	66	80	109

97. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से में आधार वर्ष और जांच की अवधि के बीच 100 आधार सूचकांकों से जांच की अवधि में 145 सूचकांकों तक वृद्धि हुई है। हालांकि, मांग में घरेलू उद्योग के हिस्से में आधार वर्ष में 100 सूचकांकों से जांच की अवधि में 81 सूचकांकों तक उसी अवधि में गिरावट आई है।

98. याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में उस समय गिरावट जब मांग में वृद्धि हुई है, उसी अवधि में केवल पाटित आयातों के हिस्से में वृद्धि से संबंधित नहीं हो सकती है।

ख) लाभप्रदता, निवेश पर प्रतिफल और नकद लाभ

99. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता, निवेश पर प्रतिफल और नकद लाभ, क्षति की अवधि के दौरान नीचे तालिका में दिया गया है:-

विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (जांच की अवधि)
लाभ/हानि	रु.किंग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	132	5	30
ब्याज और कर पूर्व लाभ/(हानि) (पीबीआईटी)	रु.किंग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	124	14	37
नकद लाभ	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	33	52
औसत नियोजित पूंजी	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	120	119
लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	120	14	37

100. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के लाभ में 2017-18 तक वृद्धि हुई और उसके बाद उसमें 2018-19 में तेजी से गिरावट आई और फिर जांच की अवधि में उसमें सुधार हुआ। नकद लाभ और लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल में वही प्रवृत्ति देखी जाती है।

ग) रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी

101. क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी नीचे तालिका में दी गई है:

विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (जांच की अवधि)
रोजगार	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	88	98	96
मजदूरी	रु.किंग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	116	137	133
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	एमटीव्यूक्ति/	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	114	123

यह नोट किया गया है कि:

क) क्षति की अवधि के दौरान रोजगार की स्थिति में ज्यादा परिवर्तन नहीं हुआ है।
ख) क्षति की अवधि के दौरान प्रति व्यक्ति मजदूरी में वृद्धि हुई है।

ग) हालांकि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में क्षति की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है और वह क्षति की अवधि के दौरान उच्चतम स्तर पर था।

घ) पाटन मार्जिन का परिमाण

102. पाटन का परिमाण उस सीमा का संसूचक है जिस सीमा तक आयातों का पाटन भारत में किया जा रहा है। इस जांच ने दर्शाया है कि पाटन मार्जिन जांच की अवधि में सकारात्मक और बहुत अधिक है।

इ.) मालसूची

103. क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग के पास मालसूची की स्थिति नीचे तालिका में दी गई है:

विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (जांच की अवधि)
मालसूची	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	122	77	67

104. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के पास मालसूची में जांच की अवधि अर्थात् आधार वर्ष तक गिरावट आई है।

च) वृद्धि

105. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग का उत्पादन, क्षमता का उपयोग और मालसूची जैसे मात्रा संबंधी मानदंडों के बारे में वृद्धि सकारात्मक रही है लेकिन लाभ, निवेश पर प्रतिफल और रोजगार जैसे विक्री मात्रा और कीमत मानदंडों में गिरावट होती रही है और जांच की अवधि के दौरान वृद्धि नकारात्मक थी, जिसे नीचे तालिका से देखा जा सकता है:

विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (जांच की अवधि)
उत्पादन	%	-	(10.57)	25.42	5.16
घरेलू विक्री की मात्रा	%	-	(5.10)	29.87	(3.23)
क्षमता उपयोग	%	-	(10.57)	25.42	5.16
मालसूची	%	-	22.46	(37.32)	(13.07)
रोजगार	%	-	(11.76)	11.11	(2.00)
प्रति किग्राविक्री कीमत .	%	-	0.46	(0.09)	2.82
प्रति किग्राविक्री की लागत .	%	-	(3.38)	16.12	0.03
नियोजित पूंजी पर प्रतिफल	%	-	20.48	(88.22)	161.83
प्रति यूनिट लाभ	%	-	31.65	(96.55)	561.86
प्रति यूनिट पीबीआईटी	%	-	24.49	(88.92)	168.33

106. यह नोट किया जाता है कि जांच की अवधि में घरेलू विक्री की मात्रा, मालसूची और रोजगार को छोड़कर प्रमुख क्षति संबंधी मानदंडों में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की।

छ) पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

107. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन करने के लिए संयंत्र स्थापित करने के बास्ते पूंजीगत निवेश किया है। हालांकि, घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में क्षति की अवधि के दौरान गिरावट

आई है। यद्यपि इसके कार्य निष्पादन में पूर्व वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान सुधार हुआ है। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग एक बहु-उत्पाद कंपनी है और इस कारण से पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता केवल विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) के कार्य-निष्पादन के आधार पर शासित नहीं होता है।

ज) घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

108. संबद्ध देश से आयात कीमतों, लागत संरचना में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा, घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित कर सकने वाले पाठित आयातों को छोड़कर अन्य कारकों आदि की जांच यह दर्शाती है कि संबद्ध देश से आयात किए गए माल का पहुंच मूल्य बिक्री कीमत और बिक्री की लागत से कम है, जिसके कारण कीमत में बहुत अधिक कटौती और कीमत ह्रास होता है। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तुओं की मांग धनि की अवधि के दौरान बहुत अधिक वृद्धि को दर्शा रहा था और इस कारण से यह घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला एक कारक नहीं हो सकता था। इस प्रकार, यह नोट किया जा सकता है कि घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला प्रमुख कारक संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का पाठित आयात है।

झ) क्षति मार्जिन/कम कीमत पर बिक्री का परिमाण

109. प्राधिकारी ने यथा-संशोधित अनुबंध-III के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए एनआईपी का निर्धारण किया है। विचाराधीन उत्पाद के एनआईपी का निर्धारण घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए तथा जांच की अवधि के लिए पेशेवर लागत लेखाकार द्वारा विधिवत् प्रमाणित उत्पादन की लागत से संबंधित सूचना/आंकड़ों को लेकर किया गया है। एनआईपी पर विचार क्षति मार्जिन की गणना करने के लिए संबद्ध देशों से पहुंच कीमत की तुलना करने के लिए की गई है। क्षति-रहित कीमत का निर्धारण करने के लिए, क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कड़े माल की सर्वोत्तम उपयोगिता पर विचार किया गया है। वही बर्ताव यूटिलिटी के साथ भी किया गया है। क्षति की अवधि के दौरान उत्पादन क्षमता के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि कोई असाधारण अथवा गैर-आवर्ती खर्च उत्पादन की लागत में नहीं जोड़ा गया था। विचाराधीन उत्पाद के लिए लगाई गई औसत पूंजी पर एक उचित लाभ (22 प्रतिशत की दर से कर-पूर्व) (अर्थात् औसत निवल निर्धारित परिसंपत्ति योग औसत कार्यशील पूंजी) की अनुमति इस नियमावली के अनुबंध-III में यथा-निर्धारित और अनुसरण की जा रही क्षति-रहित कीमत को तय करने के लिए कर-पूर्व लाभ के रूप में दी गई थी।

110. संबद्ध देश के सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए, प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर पहुंच कीमत का निर्धारण किया है।

111. पहुंच कीमत और क्षति रहित कीमत जिसका निर्धारण ऊपर में किया गया है, के आधार पर, उत्पादकों/निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन का निर्धारण प्राधिकारी द्वारा किया गया है।

क्षति मार्जिन

क्र.सं.	देश	उत्पादक	एनआईपी यूएसडॉ/. एमटी	पहुंच मूल्य यूएसडॉ/. एमटी	क्षति मार्जिन यूएसडॉ/. एमटी	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन % रेंज
1	चीन जन.गण.	अनहुई ज्वाइनलीडर न्यू मैटिरियल्स टेक्नोलॉजी कं., लि.	***	***	***	***	10-20

क्र.सं.	देश	उत्पादक	एनआईपी यूएसडॉ/. एमटी	पहुंच मूल्य यूएसडॉ/. एमटी	क्षति मार्जिन यूएसडॉ/. एमटी	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन % रेंज
2	चीन जन.गण.	शानडोंग डोंगयुई सिलिकॉन मैटिरियल कं., लि.	***	***	***	***	20-30
3	चीन जन.गण.	कोई अन्य उत्पादक	***	***	***	***	20-30

ज्ञ. गैर-आरोपण विश्लेषण

112. पाटनरोधी नियमावली के अनुसार प्राधिकारी से अन्य बातों के साथ-साथ यह अपेक्षित है कि वे पाटित आयातों के अलावा किसी ज्ञात कारकों जो एक ही समय में घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा रहे हैं, की जांच करें ताकि इन अन्य कारकों के कारण हुई क्षति का आरोप पाटित आयातों पर नहीं लगाया जा सके। ये कारक जो इस संबंध में महत्वपूर्ण हो सकते हैं, में अन्य बातों के साथ-साथ पाटित कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा और कीमतें, मांग में संकुचन अथवा खपत के पैटर्न में परिवर्तन, विदेशी और घरेलू उत्पादकों की व्यापार प्रतिबंधात्मक कार्य-पद्धतियां और उनके बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी का विकास और निर्यात कार्य-निष्पादन और घरेलू उद्योग की उत्पादकता शामिल है। नीचे यह भी जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों के अलावा कारकों का घरेलू उद्योग को क्षति में योगदान हुआ होगा।

(i) तीसरे देशों से आयातों की मात्रा और कीमत

113. संबद्ध देश को छोड़कर अन्य देशों से आयात संबद्ध देश की कीमत की तुलना में बहुत अधिक कीमत पर होते रहे हैं और इस प्रकार के आयातों पर विचार इस रूप में नहीं किया जा सकता है कि उसने घरेलू उद्योग को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया।

(ii) निर्यात काया-निष्पादन

114. प्राधिकारी ने घरेलू प्रचालनों के लिए केवल इसके क्षति विश्लेषण के वास्ते आंकड़ों पर विचार किया है। वास्तव में, घरेलू उद्योग द्वारा कोई निर्यात नहीं किए गए थे।

(iii) मांग में संकुचन/खपत के पैटर्न में परिवर्तन

115. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तुओं की मांग में क्षति की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। इस प्रकार यह नोट किया जा सकता है कि घरेलू उद्योग को क्षति मांग में संकुचन के कारण बहुत अधिक स्तर तक नहीं थी।

(iv) व्यापार प्रतिबंधात्मक कार्य-पद्धतियां और विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

116. संबद्ध वस्तुओं का आयात किसी भी तरीके से प्रतिबंधित नहीं है और उसका स्वतंत्र रूप में आयात देश में किया जाता है। किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा यह सुझाव देने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है कि विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों में कोई परिवर्तन हुआ है।

(v) प्रौद्योगिकी का विकास

117. किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रौद्योगिकी में बहुत अधिक परिवर्तन के होने, जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती थी, के बारे में कोई साक्ष्य नहीं दिया गया है।

(vi) खपत के पैटर्न में परिवर्तन

118. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन की गई संबद्ध वस्तु और भारत में आयात की गई संबद्ध वस्तु तुलनीय हैं और अंतिम प्रयोक्ता यह पाते हैं कि इन वस्तुओं का एक-दूसरे के बदले उपयोग किया जा सकता है। खपत के पैटर्न में संभावित परिवर्तन एक कारक नहीं है जो घरेलू उद्योग को दावा की गई क्षति पहुंचा सकता था।

(vii) उन्य उत्पादों के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्य-निष्पादन

119. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन किए जा रहे और बेचे जा रहे अन्य उत्पादों का कार्य-निष्पादन संबद्ध वस्तुओं के संबंध में घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन के संबंध में प्राधिकारी द्वारा किए गए आकलन को प्रभावित नहीं किया है। प्राधिकारी द्वारा मानी गई सूचना केवल विचाराधीन उत्पाद के संबंध में है।

(viii) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

120. प्रति कर्मचारी उत्पादकता में जांच की अवधि तक वृद्धि हुई। इस प्रकार प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उत्पादकता में गिरावट घरेलू उद्योग को क्षति का कोई कारण नहीं रहा है।

क्षति और कारणात्मक संबंध पर निष्कर्ष

121. क्षति और कारणात्मक संबंध पर निष्कर्ष इस प्रकार हैं:

- क. विचाराधीन उत्पाद को सामान्य मूल्य से कम कीमत कीमत पर निर्यात करने के अलावा, संबद्ध देशों से निर्यात किया गया है, इस प्रकार से इसके परिणामस्वरूप पाठन हुआ है।
- ख. संबद्ध देश से आयातों में संपूर्ण रूप से और भारत में उत्पादन और खपत के संदर्भ में भी वृद्धि हुई है।
- ग. संबद्ध देशों से आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है।
- घ. क्षति अवधि के दौरान बिक्री कीमत और बिक्रियों की लागत, दोनों में वृद्धि हुई है। तथापि, बिक्री कीमत में वृद्धि लागत में वृद्धि के अनुरूप नहीं थी, जिसके चलते कीमत पर दवाब पड़ा है। आयातों की पहुंच कीमत, जिसमें आधार वर्ष और विगत वर्ष के तत्काल बाद के वर्ष के बीच वृद्धि हुई थी, जांच की अवधि में काफी कम हो गई और यह घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत और घरेलू बिक्री कीमत से कम पर थी।
- ड. यद्यपि पहुंच कीमत में आधार वर्ष और जांच की अवधि के बीच वृद्धि हुई है, लेकिन पाठित आयातों की पहुंच कीमत और बिक्री कीमत काफी अधिक रही है और इस कीमत संबंधी अन्तर के कारण घरेलू बिक्री कीमत पर प्रभाव पड़ा है।
- च. घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्रियों और क्षमता उपयोग में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है, यद्यपि जांच की अवधि के दौरान बिक्रियों में विगत वर्ष के तत्काल बाद मामूली गिरावट आई है। घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग समग्र क्षति अवधि में काफी कम रहा है।
- छ. घरेलू उद्योग के निष्पादन में लाभप्रदता मापदंडों और आधार वर्ष के दौरान जांच की अवधि तक नियोजित पूँजी पर प्रतिफल के संदर्भ में काफी गिरावट आई है, यद्यपि जांच की अवधि के दौरान अर्थात विगत वर्ष के तत्काल बाद की अवधि के दौरान इन मापदंडों में कुछ इजाफा हुआ था। घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में आधार वर्ष और जांच की अवधि के बीच काफी अधिक गिरावट रही है।
- ज. संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के पाठन और घरेलू उद्योग की क्षति के बीच कारणात्मक संबंध है।

अ. प्रकटीकरण के उपरांत टिप्पणियां

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

122. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं:

क) घरेलू उद्योग का यह मानना है कि निम्नलिखित वस्तुएं गैर-विचाराधीन उत्पाद के रूप में मानी गई हैं लेकिन ये विचाराधीन उत्पाद के दायरे के भीतर आती हैं और प्रस्तावित अपवर्जन से भारी मात्रा में प्रवंचना भी हो सकती है:

- (i) कार और बस विंडशील्ड पेस्टिंग के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट
- (ii) बस बॉडी पेस्टिंग के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट
- (iii) बिल्डिंग एक्सटेंशन ज्वाइंट के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन
- (iv) इंडस्ट्रियल आरटीवी सिलिकॉन सीलेंट
- (v) दो-कंपोनेंट सिलिकॉन सीलेंट

घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सिलिकॉन सीलेंट का उपयोग सभी ऐसे 5 अनुप्रयोगों के लिए किया जा सकता है और ऐसे अनुप्रयोगों के लिए सिलिकॉन सीलेंट, विचाराधीन उत्पाद के रूप में परिभाषित किसी अन्य विभिन्न उत्पाद से भिन्न उत्पाद नहीं हैं।

ख) यह भी एक सच्चाई है कि जब उत्पाद का आयात किया जाता है तो उत्पाद के पूर्ण अन्तिम उपयोग का हमेशा उल्लेख नहीं होता और जिस उत्पाद का केवल सिलिकॉन सीलेंट के रूप में ही विवरण दिया गया है, उसका उपरोक्त 5 अनुप्रयोगों की तरह अन्तिम उपयोग हो सकता है, क्योंकि ऐसे अनुप्रयोगों के लिए निर्धारित सिलिकॉन सीलेंट के आयात के लिए कोई अलग वर्गीकरण आदि नहीं है।

ग) यह अवगत कराया जाता है कि ऐसे अन्तिम उपयोगों के लिए निर्धारित सिलिकॉन सीलेंट जांच की अवधि के दौरान भी मौजूद थे और उन्हें केवल सिलिकॉन सीलेंट के रूप में ही घोषित किया गया हो सकता है तथा ऐसे अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त सिलिकॉन सीलेंट टाइप का भी उत्पादन किया गया है और घरेलू उद्योग द्वारा बिक्री की गई है।

घ) चूंकि विचाराधीन उत्पाद, जैसा कि परिभाषित किया गया है और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पाद का उत्पादन किया गया है, इसमें जैसा कि ऊपर प्रदान किया गया है, 5 अनुप्रयोगों के लिए सिलिकॉन सीलेंट शामिल है, अतः हम प्राधिकारी से अनुरोध करते हैं कि प्रकटीकरण के पैरा 26 से निकाले गए अनुप्रयोगों से, उपरोक्त 5 टाइप के अनुप्रयोगों के नाम हटाए जाएं। यह स्पष्ट किया जा सकता है कि विचाराधीन उत्पाद में उपरोक्त 5 अनुप्रयोगों के लिए सिलिकॉन सीलेंट शामिल हैं।

ड) सीमा शुल्क प्राधिकारियों के लिए यह संभव नहीं होगा कि यथा परिभाषित विचाराधीन उत्पाद और उपरोक्त 5 अनुप्रयोगों के लिए सिलिकॉन सीलेंट के बीच अंतर किया जाए, क्योंकि उत्पाद मूल रूप से वही हैं।

च) उपरोक्त 5 अनुप्रयोगों के लिए सिलिकॉन सीलेंट वास्तव में बहुत ही तकनीकी कारणों से विचाराधीन उत्पाद के दायरे में भी कवर होता है कि किसी भी प्रतिवादी पक्षकार ने यह प्रदर्शित नहीं किया है कि उपरोक्त 5 अनुप्रयोगों के लिए सिलिकॉन सीलेंट ऐसे अपवर्जन के लिए विचाराधीन उत्पाद के रूप में परिभाषित सिलिकॉन सीलेंट से भिन्न उत्पाद हैं।

छ) भारी रूप में बिक्री करने के लिए उत्पाद के लिए निर्धारित एनआईपी पर पुनर्विचार किए जाने की जरूरत है। भारी रूप में संबद्ध वस्तु की बिक्री करने के लिए निर्मित एनआईपी में कोई पैकिंग लागत शामिल नहीं होती, जो कि वास्तविकता नहीं है। भारी रूप में भी संबद्ध वस्तुओं की पैकिंग लागत शून्य नहीं हो सकती, क्योंकि भारी रूप में भी पहले तो ड्रमों में और उसके बाद परिवहन के लिए पैलेट में, दोनों में पैकिंग की भी जरूरत होती है।

ज) प्राधिकारी भारी सामग्री की एनआईपी में पैकिंग की लागत को शामिल नहीं कर सकते क्योंकि घरेलू उद्योग ने भारी भरकम रूप में किसी संबद्ध वस्तु की बिक्री नहीं की है, अतः प्राधिकारी को ड्रमों के संदर्भ में लागत और काष्ठ के पैलेट के लिए लागत को एक विकल्प के रूप में भारी आयातों के पहुंच मूल्य से कम करना चाहिए ताकि धनि मार्जिन के प्रयोजन से पूर्ण रूप से तुलना की जा सके।

झ) निर्यातक को सत्यापन योग्य निर्यात दस्तावेज दिखाने का निदेश दिया जाए, जिसमें कि बिना सन्देह के पैकिंग के तरीके का उल्लेख है।

ज) प्राधिकारी चीन के उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए एनएमई व्यवहार सहित पाठन पर अपने विचारों की पुष्टि कर सकते हैं।

ट) यथा प्रकाशित तथ्यों से क्षति स्पष्ट दिखाई देती है और पाटित आयातों के साथ उसका कारणात्मक संबंध दिखाई देता है तथा क्षति मार्जिन भी शुल्कों की सिफारिश के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

123. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं:

क) प्राधिकारी को अपने अन्तिम जांच परिणामों में 22 उत्पाद टाइप को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर करने के लिए स्पष्ट करना चाहिए और उसके लिए उपयुक्त ब्यौरे प्रदान करने चाहिए ताकि डीजीटीआर और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को आगे कोई शंका न रहे।

ख) घरेलू उद्योग विचाराधीन उत्पाद का निर्माण नहीं करता, बल्कि इसकी बजाय विचाराधीन उत्पाद का भारत से बाहर उत्पादन करने के लिए केवल अपेक्षित समस्त कच्चा माल प्राप्त करता है और विचाराधीन उत्पाद तैयार करने के लिए उनको शामिल करता है।

ग) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएं और चीन जन. गण. से आयातित वस्तुएं पाठनरोधी नियमों के संदर्भ में समान वस्तुएं नहीं हैं, न ही ये वस्तुएं तकनीकी और वाणिज्यिक, दोनों रूप से एक दूसरी के स्थान पर उपयोग करने योग्य हैं।

घ) प्रतिवादी का प्राधिकारी से सादर अनुरोध है कि कृपया भारी रूप से पैक रूप में किए गए निर्यातों के आधार पर पहुंच मूल्य और क्षति मार्जिन की गणना पर पुनः ध्यान दिया जाए।

ड) वर्तमान परिदृश्य में संदर्भ कीमत शुल्क अधिक उपयुक्त होंगे।

च) चीन से संबद्ध आयातों और शिकायतकर्ता को अनुमानित क्षति होने के बीच कोई सहसंबंध नहीं है क्योंकि चीन से संबद्ध आयातों में वृद्धि हुई है, लेकिन शिकायतकर्ता की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है।

छ) भारत सहित विश्व में सिलिकॉन सीलेंट की कमी है और भारत में कई स्रोतों से सिलिकॉन सीलेंट के आयातों में कमी आई है/ बंद हुए हैं। इन वैश्विक बदलावों का परिणाम यह है कि चीन से सिलिकॉन सीलेंट के आयातों में भी भारी कमी आई है, जब से जांच शुरू हुई है और भारतीय बाजार में संबद्ध उत्पाद की कीमतों में पर्याप्त वृद्धि हुई है, इन बदलावों और शिकायतकर्ता पर उनका सकारात्मक प्रभाव ध्यान में रखा जाना चाहिए।

ज) अत्यधिक शुल्क दर और अवशिष्ट पाठन तथा क्षति की स्थापना के लिए प्रणाली और तथ्यात्मक आधार के लिए अनुरोध किया जाता है।

झ) अत्यधिक शुल्क दर को उच्चतम शुल्क दर के साथ चीन के निर्यात करने वाले सहयोगी उत्पादक के स्तर पर सीमित किया जाए।

ज) प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे याचिकार्ता के कारखाना/ उत्पादन परिसरों का एक वास्तविक/ स्थल सत्यापन करें ताकि भारत में विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन और उनकी उत्पादन प्रक्रिया के संबंध में याचिकार्ता की मात्रात्मक और गुणात्मक सीमाओं का पता लगाया जा सके।

ट) प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे प्रकटीकरण विवरण में प्रस्तावित 22 उत्पाद अपवर्जनों की पुष्टि करें और साथ ही उनका अंतिम जांच परिणामों तथा सीमा शुल्क अधिसूचना में शुल्क तालिका के नीचे उल्लेख करें। स्पष्टीकरण के लिए, अपवर्जित किए जाने वाले उत्पाद, जैसा कि प्राधिकारी द्वारा प्रकटीकरण विवरण में पुष्टि की गई है, नीचे दिए गए हैं:-

- i. पॉलियूरेथेन सीलेंट
- ii. पॉलियूरेथेन फोम
- iii. पॉलियूरेथेन फोम क्लीनर
- iv. सोलर पोटिंग सिलिकॉन
- v. एक्रिलिक सीलेंट
- vi. एक्रिलिक न्यूट्रल सीलेंट
- vii. एक्रिलिक वेदर सीलेंट
- viii. सिलिकोनाइज़ एक्रिलिक सीलेंट
- ix. आरओएचएस ग्रेड सिलिकॉन सीलेंट
- x. आरईएसीएच (रीच) ग्रेड सिलिकॉन सीलेंट
- xi. फायर रजिस्टेंट/ रिटार्डेंट सिलिकॉन सीलेंट
- xii. कार और बस बिंडशील्ड पेस्टिंग के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट
- xiii. बस बॉडी पेस्टिंग के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट
- xiv. बिलिंग एक्सप्रेसन ज्वाइंट के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट
- xv. एम एस पॉलिमर आधारित सीलेंट
- xvi. इंडस्ट्रियल आरटीवी सिलिकॉन सीलेंट
- xvii. हार्ड टैक्परेचर न्यूट्रल सिलिकॉन
- xviii. दो- कंपोनेंट सिलिकॉन सीलेंट
- xix. पेंट योग्य सीलेंट
- xx. नॉन ब्लीडिंग वेदर सिलिकॉन

xxi. इन्सुलेटिंग ग्लास सिलिकॉन

xxii. नेल फ्री गोंद अथवा मिरर फिक्स गोंद

ठ) प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे स्थल पर सत्यापन करके इस बात की पुष्टि करें कि क्या याचिकाकर्ता वास्तव में विचाराधीन उत्पाद का निर्माण कर रहा है।

ड) विचाराधीन उत्पाद के एक घरेलू निर्माता होने के लिए याचिकाकर्ता का आधार काफी संदिग्ध है क्योंकि याचिकाकर्ता चीन जन. गण. से भारी मात्रा में मुख्य कञ्च माल का आयात कर रहा है और उसके लिए कुछ न्यूनतम मूल्य वर्धन कर रहा है।

ढ) भारत में विचाराधीन उत्पाद के लिए याचिकाकर्ता के अलावा कई अन्य घरेलू उत्पादक हैं, समर्थक हैं और याचिकाकर्ता द्वारा तीन घरेलू उत्पादकों की पहचान की गई है। इनमें एक्यूमेट्रिक सिलिकॉन प्रा. लि., बास्टिक इंडिया प्रा. लि., मेककॉक सैडल सीलेंट अडेसिव एंड फोम्स प्रा. लि., स्पैन इंटरमीडियरीज प्रा. लि. और स्मार्ट बांड कैमिकल्स प्रा. लि. शामिल हैं। यदि प्राधिकारी, अन्य घरेलू उत्पादकों द्वारा विचाराधीन उत्पाद के घरेलू उत्पादन को अलग करते हैं तो याचिकाकर्ता का कुल घरेलू उत्पादन में हिस्सा प्राधिकारी द्वारा उल्लिखित हिस्से से काफी कम होगा। इसी के आधार पर याचिकाकर्ता के पास नियम 2 (घ) के तहत घरेलू उद्योग होने का आवश्यक आधार नहीं होगा।

ण) हमने इन अन्य उत्पादकों द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद के लिए उनकी वेबसाइट से उत्पाद ब्रॉशर, उत्पाद फोटो, स्क्रीनशॉट प्राप्त कर साक्ष्य प्रदान किए हैं।

त) प्राधिकारी ने सौदा-वार आयात संबंधी आंकड़ों से यह भी पाया है कि सभी 4 कथित निर्यातकों ने जांच की अवधि के दौरान, आयातों की मात्रा को आगे स्पष्ट किए बिना, विचाराधीन उत्पाद का आयात किया है।

थ) प्राधिकारी को कम से कम याचिकाकर्ता के वास्तविक उत्पादन और भारत में कुल मांग को प्रकट करना चाहिए।

द) अन्य उत्पादकों अथवा मंत्रालय से उत्तर न मिलने के कारण प्राधिकारी, विचाराधीन उत्पाद के अन्य घरेलू उत्पादकों की मौजूदगी के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना पर विचार करने से नहीं रोक सकते।

ध) प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे अन्य घरेलू उत्पादकों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल करें ताकि घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सके।

न) यह नोट करते हुए कि भारतीय उत्पादन और कुल उपलब्ध क्षमता, जांच की अवधि के दौरान समग्र भारतीय मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं थी, अतः प्राधिकारी को इस मांग-आपूर्ति अन्तराल पर ध्यान देना चाहिए।

प) याचिकाकर्ता द्वारा अपनी याचिका में यथा-सूचित लाभप्रदता के आंकड़ों और प्राधिकारी द्वारा प्रकटीकरण विवरण में दर्ज की गई जांच की अवधि से संबंधित आंकड़ों के बीच पर्याप्त अन्तर होना याचिकाकर्ता के आंकड़ों की प्रामाणिकता पर महत्वपूर्ण प्रश्न उठाता है।

फ) याचिकाकर्ता द्वारा निर्मित उत्पादों के संबंध में कार्य निष्पादन और निर्माण संबंधी गंभीर मामले हैं, जैसे कार्रवाई में विलंब, समयपूर्व कार्रवाई आदि।

ब) कार्य निष्पादन और निर्माण के मामले केवल गुणात्मक मामले ही नहीं हैं, जो कि वस्तुपरक प्रकृति के हैं, बल्कि ये निर्माण और कार्य निष्पादन मानकों में गंभीर कमियों में से हैं और यह उद्देश्यपरक प्रकृति के हैं।

भ) यदि प्राधिकारी पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं, तो हम प्राधिकारी से अनुरोध करते हैं कि एक संदर्भ कीमत के रूप में पाटनरोधी उपाय की सिफारिश करें।

म) आयातों की मात्रा में कोई महत्वपूर्ण वृद्धि नहीं है। संबद्ध देश और अन्य देशों से आयात के हिस्से में वृद्धि, मात्रात्मक प्रभाव को निर्धारित करने के लिए एक संगत मापदंड नहीं हैं।

य) भारत में मांग के संदर्भ में संबद्ध आयातों की मात्रा में वृद्धि की जांच अलग से नहीं की जानी चाहिए बल्कि मांग में वृद्धि के संदर्भ में की जानी चाहिए।

र) जांच की अवधि को छोड़कर पूरी क्षति अवधि के दौरान पहुंच कीमतों में लगातार और महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है और यह आधार वर्ष से पचास प्रतिशत से अधिक के करीब है।

ल) कोई भी कीमत संबंधी न्यूनीकरण और दबाव नहीं है क्योंकि याचिकाकर्ता की घरेलू बिक्री कीमत में जांच की अवधि में वृद्धि हुई है।

व) याचिकाकर्ता के प्रमुख आर्थिक मापदंडों में क्षति अवधि के दौरान सुधार आया है, उत्पादन और क्षमता उपयोग जांच की अवधि में सर्वाधिक हैं।

श) संबद्ध आयातों की मात्रा और याचिकाकर्ता के प्रचालनात्मक कार्य निष्पादन में कोई सह-संबंध नहीं है।

ष) याचिकाकर्ता की पहुंच कीमतों और कीमत कटौती के स्तरों तथा याचिकाकर्ता के प्रचालनात्मक कार्य निष्पादन में बदलाव के बीच कोई सह-संबंध नहीं है।

स) याचिकाकर्ता के बाजार अंश में गिरावट प्राथमिक रूप से समर्थक के प्रवेश के कारण से है।

ह) याचिकाकर्ता द्वारा अपनी याचिका में यथासुचित लाभप्रदता के आंकड़ों और प्राधिकारी द्वारा इस जांच की अवधि के संबंध में प्रकटीकरण विवरण में दर्ज किए गए आंकड़ों के बीच काफी अंतर है। इस याचिकाकर्ता के आंकड़ों की प्रामाणिकता पर महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा होता है।

क्ष) बिक्रियों में वृद्धि के बावजूद वस्तु सूची के स्तरों में गिरावट यह दर्शाती है कि याचिकाकर्ता की आपूर्ति मांग के साथ बने रहने में समर्थ नहीं है।

त्र) जांच की अवधि में याचिकाकर्ता की वित्तीय हानियों के लिए सबसे बड़ा कारण कोटपूतली में इसकी एक फैक्ट्री में आग लग जाने के कारण से था। प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के बही खातों में ऐसी दुर्घटना के लिए लेखांकन व्यवहार का ही उल्लेख किया है और ऐसी दुर्घटना के कारण से याचिकाकर्ता को हुई हानि का उचित आकलन नहीं किया गया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

124. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग, अन्य हितबद्ध पक्षकारों, निर्यातक उत्पादकों, निर्यातकों, आयातकों और प्रयोक्ताओं द्वारा प्रकटीकरण के उपरांत किए गए अनुरोधों की जांच की है और यह नोट किया है कि कुछ टिप्पणियां उन बातों की पुनरावृत्ति हैं, जिनकी पहले ही उपयुक्त रूप से जांच की जा चुकी है और प्रकटीकरण विवरण के संगत पैरा में पर्याप्त रूप से शामिल की जा चुकी हैं। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटीकरण के उपरांत की टिप्पणियों/ अनुरोधों में पहली बार उठाए गए मामले और प्राधिकारी द्वारा संगत पाए गए मामलों की इस प्रकार जांच की गई है :-

क) घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि गैर-विचाराधीन उत्पाद के रूप में पहचानी गई निम्नलिखित वस्तुएं विचाराधीन उत्पाद के दायरे में आती हैं और प्रस्तावित अपवर्जन से भारी प्रवर्चना भी हो सकती है :

- कार और बस बिंडशील्ड पेस्टिंग के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट
- बस बॉडी पेस्टिंग के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट
- बिलिंग एक्सटेंशन ज्वाइंट के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन
- इंडस्ट्रियल आरटीवी सिलिकॉन सीलेंट

(v) दो- कंपोनेंट सिलिकॉन सीलेंट

ख) इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने दिनांक 2 अप्रैल, 2021 के अपने पत्र के तहत प्रारंभ में निम्नलिखित को स्वीकार किया था, जो इस प्रकार है :-

“प्राधिकारी कृपया यह नोट करें कि उपरोक्त 22 मदें विचाराधीन उत्पाद और आयात संबंधी आंकड़ों में शामिल हैं, जिनकी मात्रा नगण्य है।”

ग) यह उल्लेखनीय है कि उपरोक्तानुसार उल्लिखित 5 उत्पाद 22 मदों में शामिल थे, जिनके लिए घरेलू उद्योग ने उपरोक्त घोषणा की थी। इस प्रकार, ये 22 मदें घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोधों के आधार पर प्रकटीकरण विवरण में विचाराधीन उत्पाद से बाहर की गई थी। तथापि, प्रकटीकरण के बाद के मामले में, घरेलू उद्योग ने यह कहा था कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सिलिकॉन सीलेंट का उपयोग उपरोक्त 5 अनुप्रयोगों के लिए भी किया जा सकता है और ऐसे अनुप्रयोगों के लिए सिलिकॉन सीलेंट विचाराधीन उत्पाद के रूप में परिभाषित से कोई भिन्न उत्पाद नहीं हैं।

घ) इस तर्क की जांच की गई है, और यह नोट किया गया है कि रिकॉर्ड में मौजूद साक्ष्य यह नहीं दर्शाते हैं कि जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा इन पांच उत्पादों का उत्पादन और बिक्री की गई थी।

ङ) इस संबंध में, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की चिन्ता को नोट किया है कि उपरोक्त 5 उत्पादों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर करने से भारी प्रवंचना भी हो सकती है।

च) घरेलू उद्योग द्वारा उठाई गई आशंकाओं को ध्यान में रखते हुए कि (i) कार और बस विंडशील्ड चिपकाने के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट, (ii) बस बॉडी पेस्टिंग के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट, (iii) विस्तार जोड़ों के निर्माण के लिए उपयोग किए जाने वाले सिलिकॉन सीलेंट का उपयोगकर्ता-आधारित बहिष्करण अंतिम उपयोग के बारे में गलत घोषणा द्वारा किसी भी उपाय को दरकिनार किया जा सकता है, प्राधिकरण नोट करता है कि उपयोगकर्ता आधारित बहिष्करण (i) कार और बस विंडशील्ड चिपकाने के लिए उपयोग किया जाने वाला सिलिकॉन सीलेंट, (ii) बस बॉडी चिपकाने के लिए उपयोग किया जाने वाला सिलिकॉन सीलेंट, (iii) विस्तार जोड़ों के निर्माण के लिए उपयोग किया जाने वाला सिलिकॉन सीलेंट केवल वास्तविक उपयोगकर्ताओं द्वारा आयात तक ही सीमित होगा। जांच के बाद प्राधिकारी ने यह पाया कि नीचे उल्लिखित तीन मदों/ उत्पादों के संबंध में उत्पाद का अपवर्जन, वास्तविक उपयोगकर्ताओं तक ही सीमित होंगे। वास्तविक उपयोगकर्ता इस संबंध में वास्तविक उपयोग के संबंध में, आयात के समय सीमा शुल्क के लिए घोषणा प्रदान करेंगे। वास्तविक उपयोगकर्ता, मांग किए जाने पर, किसी कानून प्रवर्तन एंजेंसी के समक्ष प्रस्तुती के लिए सत्यापन योग्य खपत रजिस्टर के रूप में मासिक रिकॉर्ड भी रखेंगे।

(i) कार और बस विंडशील्ड पेस्टिंग के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट

(ii) बस बॉडी पेस्टिंग के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट

(iii) बिल्डिंग एक्सटेंशन ज्वाइंट के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन

छ) गैर क्षति कीमत के निर्धारण से संबंधित मामले के संबंध में यह कहना है कि एनआईपी की गणना पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के तहत विनिर्दिष्ट प्रक्रिया को अपनाकर की गई है।

ज) प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग का यह तर्क कि प्राधिकारी को भारी मात्रा में आयातों के पहुंच मूल्य से ड्रमों और काष्ठ पैलेट के संदर्भ में पैकिंग की लागत को कम करना चाहिए ताकि समानता की तुलना

हो सके और इसलिए पहुंच मूल्य और निवल निर्यात कीमत को तदनुसार समायोजित किया जा सके। इसका उल्लेख क्षति मार्जिन और उपरोक्त पाठन मार्जिन तालिका में किया गया है।

झ) विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन पर अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध के संबंध में, प्राधिकारी यह पुनरावृत्ति करते हैं कि दिए गए तर्कों के साथ में कोई साक्ष्य नहीं दिया गया है। उपलब्ध सूचना के आधार पर, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद, जैसा कि परिभाषित किया गया है और जिसे आयात किया गया है, वह सिलिकॉन सीलेंट है, जिसके अपवर्जन के संबंध में पहले उल्लेख किया जा चुका है। विचाराधीन उत्पाद की क्योरिंग में एसिड क्योर और न्यूट्रल क्योर जैसे गुण हैं।

ज) घरेलू उद्योग के आधार के संबंध में, प्राधिकारी पुनः यह बात दोहराते हैं कि रिकॉर्ड पर दर्ज सूचना पर विचार करने के बाद, चार कथित निर्यातकों और रसायन एवं पैट्रोरसायन मंत्रालय से कोई उत्तर प्राप्त न होने पर प्राधिकारी ने यह पाया है कि आवेदक/ याचिकाकर्ता नियमावली के नियम 2 (ख) के तात्पर्य से पात्र घरेलू उद्योग है और साथ ही आवेदन में नियमावली के नियम 5 (3) के संदर्भ में आधार के मापदंड की पूर्ति की गई है।

ट) प्राधिकारी ने इस अंतिम जांच परिणाम के उपयुक्त पैरा में अवशिष्ट शुल्कों की गणना करने के लिए कार्यप्रणाली का उल्लेख किया है।

ठ) यद्यपि प्रमुख मात्रात्मक मापदंडों में पिछले कछवर्षों के दौरान कुछ वृद्धि दर्शाई गई है, यह वृद्धि समस्त मांग में वृद्धि के अनुसार नहीं थी और घरेलू उद्योग के वास्तविक क्षमता उपयोग के आंकड़े काफी कम रहे हैं।

ड) यद्यपि पहुंच कीमत में वृद्धि, जांच की अवधि और आधार वर्ष के बीच हुई है, लेकिन पाठित आयातों की पहुंच कीमत और बिक्री कीमत महत्वपूर्ण रही है और ऐसी कीमत के अन्तर से घरेलू बिक्री कीमत पर प्रभाव पड़ा है।

ट. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

125. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाठनरोधी शुल्क का प्रयोजन सामान्यतः पाठन की अनुचित व्यापार प्रक्रिया द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए है ताकि भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति स्थापित हो सके, जो कि देश के सामान्य हित में है। प्राधिकारी ने यह विचार किया है कि क्या पाठनरोधी शुल्क लगाने से लोक हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इसके लिए, प्राधिकारी ने यह जांच की है कि अन्य विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर शुल्क लगाना अधिक लोक हित में होगा। यह निर्धारण रिकॉर्ड पर उपलब्ध सूचना और विभिन्न पक्षकारों के हितों, जिनमें घरेलू उद्योग, आयातक और उत्पादक के उपभोक्ता शामिल हैं, पर विचार किए जाने पर आधारित है।

126. प्राधिकारी ने राजपत्रित अधिसूचना जारी की, जिसमें आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों सहित सभी हितबद्ध पक्षकारों से विचार मांगे गए हैं। प्राधिकारी ने उनके प्रचालनों पर पाठनरोधी शुल्क के संभावित प्रभाव सहित वर्तमान जांच के संबंध में संगत सूचना प्रदान की है। प्राधिकारी ने अन्य के साथ-साथ विभिन्न देशों से विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद की परस्पर बदली, स्रोत बदलने के लिए घरेलू उद्योग की क्षमता, उपभोक्ताओं पर पाठनरोधी शुल्क के प्रभाव, ऐसे कारकों, जिनसे पाठनरोधी शुल्क लगाकर उत्पन्न नई स्थिति के समायोजन में तेजी लाने अथवा विलंब की संभावना है, के संबंध में सूचना मांगी है।

127. जिन उपभोक्ताओं ने मौखिक सुनवाई में भाग लिया था और अनुरोध किए हैं, उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए विचारों की जांच की गई है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इन हितबद्ध पक्षकारों ने मात्रात्मक सूचना नहीं दर्शाई है कि पाठनरोधी शुल्क लगाने से इन उपभोक्ताओं अथवा व्यापक रूप से जनता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। प्रयोक्ताओं

द्वारा किए गए अनुरोध कि घरेलू उद्योग पर शुल्क लगाने से आवेदक का एकाधिकार होगा और वह कीमतों को संचालित करेंगे उन्हें इन अंतिम जांच परिणामों में उपयुक्त शीर्ष में पहले ही शामिल किया जा चुका है।

128. यह भी नोट किया जाता है कि अनेक देशों से उत्पाद का आयात किया गया है। नीचे दी गई आयात की मात्रा की तालिका और संगत अवधि के दौरान विभिन्न देशों से उत्पाद की कीमत दर्शाई गई है:

देश	मात्रा (मी.टन)				दर (रु./ मी.टन)			
	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
चीन जन.गण.	1742	3056	3648	3726	92246	109469	152776	133279
कोरिया गणराज्य	22	3726	4380	3664	180301	189016	234742	259052
वियतनाम	-	112	240	209	-	246817	285202	237842
यू.एस.ए	200	274	168	200	342292	418533	511375	523534
थाइलैंड	260	584	-	192	186815	210571	-	253733
कुल योग	5724	8408	9260	8356	161567	173286	215263	209854

* स्रोत – डीजीसीआई एंड एस से आयात संबंधी आंकड़े

129. इस प्रकार यह भी देखा गया है कि उत्पाद के महत्वपूर्ण हिस्से का आयात विभिन्न ऐसे देशों से किया जा रहा है, जिन पर जांच नहीं है। इस प्रकार, संबद्ध देश के अलावा संबद्ध वस्तुओं की आपूर्ति के अन्य स्रोत भी हैं। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने के उपायों से संबद्ध देश से आयात किसी भी रूप में सीमित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

130. घरेलू उद्योग के एकाधिकार के संबंध में, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि भारत में विचाराधीन उत्पाद के 3 अन्य उत्पादक भी हैं, अतः महत्वपूर्ण घरेलू प्रतिस्पर्धा दिखाई गई है। इसके अलावा, भावी अवधि में विकास को देखने के लिए नियमावली के तहत समीक्षा के प्रावधान हैं।

131. प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से भारत में उत्पाद के कीमत स्तर पर प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, भारतीय बाजार में स्वच्छ प्रतिस्पर्धा में पाटनरोधी उपाय लगाने से कटौती नहीं होगी। दूसरी ओर, पाटनरोधी शुल्क लगाने के उपायों से पाटन प्रक्रियाओं से प्राप्त अनुचित लाभों को हटाना, घरेलू उद्योग की गिरावट को रोकना और संबद्ध वस्तुओं के ग्राहकों को व्यापक चुनाव की उपलब्धता में मदद मिलेगी। पाटनरोधी शुल्क लगाने का प्रयोजन सामान्यतया पाटन की अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करना है, जो कि देश के सामान्य हित में है। अतः पाटनरोधी शुल्क लगाने से उपभोक्ताओं के उत्पाद की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपाय लगाने से संबद्ध देश से आयातों पर किसी भी तरह से कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

ठ. निष्कर्ष एवं सिफारिशें

132. दिए गए तर्कों, प्राप्त सूचना, किए गए अनुरोधों और प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध कराए गए तथ्यों, जो इन जांच परिणामों में दर्ज हैं, को ध्यान में रखते हुए और घरेलू उद्योग के पाटन और उसके परिणामस्वरूप क्षति के निर्धारण के आधार पर प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि:

क. विचाराधीन उत्पाद का सामान्य मूल्य से कम कीमत को छोड़कर संबद्ध देशों से निर्यात किया गया है, अतः इसके परिणाम स्वरूप पाटन हो रहा है।

ख. घरेलू उद्योग ने पर्याम क्षति का सामना किया है। संबद्ध देशों से आयातों और घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन की जांच यह दर्शाती है कि संबद्ध देश से आयातों की मात्रा में पूर्ण रूप से और साथ ही, भारत में उत्पादन व खपत के संदर्भ में भी वृद्धि हुई है।

ग. संबद्ध देश से आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है।

घ. क्षति अवधि के दौरान बिक्री कीमत और बिक्रियों की लागत, दोनों में वृद्धि हुई है। तथापि, बिक्री कीमत में वृद्धि लागत में वृद्धि के अनुरूप नहीं थी, जिसके चलते कीमत पर दबाव पड़ा। आयातों की पहुंच कीमत, जिसमें आधार वर्ष और विगत वर्ष के तत्काल बाद के वर्ष के बीच वृद्धि हुई थी, जांच की अवधि में काफी कम हो गई है और यह घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत और घरेलू बिक्री कीमत से कम पर थी।

ड. यद्यपि पहुंच कीमत में आधार वर्ष और जांच की अवधि के बीच वृद्धि हुई है, लेकिन पाटिंग आयातों की पहुंच कीमत और बिक्री कीमत काफी अधिक रही है और इस कीमत के अन्तर के कारण घरेलू बिक्री कीमत पर प्रभाव पड़ा है।

च. घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्रियों और क्षमता उपयोग में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है, यद्यपि जांच की अवधि के दौरान बिक्रियों में विगत वर्ष के तत्काल बाद मामूली गिरावट आई। घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग समग्र क्षति अवधि में काफी कम रहा है।

छ. घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में लाभप्रदता मापदंडों और आधार वर्ष के दौरान जांच की अवधि तक नियोजित पूँजी पर प्रतिफल के संदर्भ में काफी गिरावट आई है, यद्यपि जांच की अवधि के दौरान अर्थात विगत वर्ष के तत्काल बाद की अवधि के दौरान इन मापदंडों में कुछ इजाफा हुआ था। घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में आधार वर्ष और जांच की अवधि के बीच गिरावट काफी अधिक रही है।

ज. संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के पाटन और घरेलू उद्योग की क्षति के बीच कारणात्मक संबंध है।

झ. किसी भी प्रयोक्ता ने संगत सूचना प्रदान नहीं की है। हितबद्ध पक्षकारों ने सत्यापन करने योग्य सूचना के साथ प्रयोक्ता उद्योग पर पाटनरोधी शुल्क के प्रभाव की स्थापना नहीं की है। चूंकि संस्तुत शुल्क कमतर शुल्क नियम के अनुसार क्षति मार्जिन पर आधारित है, अतः संस्तुत किया गया शुल्क उपयुक्त रूप से तर्कसंगत है और इसके कारण डाउनस्ट्रीम उद्योग पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

ज. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत की गई थी और सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित की गई थी तथा घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सूचना प्रदान करने के लिए पर्याम अवसर प्रदान किया गया था। पाटनरोधी नियमावली में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार, पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में जांच शुरू करने और जांच किए जाने पर प्राधिकारी का यह मत है कि पाटन और क्षति को दूर करने के लिए पाटनरोधी शुल्क लगाने की जरूरत है। अतः प्राधिकारी संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

ट. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी कमतर पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग की क्षति को दूर किया जा सके। अतः प्राधिकारी केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से चीन जन. गण. की मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में नीचे दी गई शुल्क तालिका के कॉलम 3 में उल्लिखित वस्तुओं के सभी आयातों पर संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में नीचे दी गई शुल्क तालिका के कॉलम 7 में उल्लिखित राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने की सिफारिश करते हैं। इस उद्देश्य के लिए आयात का पहुंच मूल्य सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के तहत सीमा शुल्क द्वारा निर्धारित निर्धारणीय मूल्य होगा और सीमा शुल्क

अधिनियम 1975 की धारा 3, 3 ए, 8 बी, 9, 9 ए के तहत लगाए गए शुल्क को छोड़कर सीमा शुल्क के लागू स्तर पर होगा।

शुल्क तालिका

क्र. सं	शीर्ष	वस्तु का विवरण*	मूलता का देश	नियात का देश	उत्पादक	राशि	यूनिट	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	अध्याय 32 और 35	सौर प्रकाश वोल्टीय माड्यूलों और तापीय विद्युत अनुप्रयोगों के निर्माण में प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट को छोड़कर सिलिकॉन सीलेंट	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. सहित कोई देश	अनहुई ज्वाइंट लीडर न्यू मैटिरियल्स टेक्नोलॉजी कं.लि.	396.99	प्रति मीटन.	यूएस डॉलर
2	-वही-	-वही-	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. सहित कोई देश	शानडोंग डोंगयुई सिलिकॉन मैटिरिल कं.लि.	501.55	प्रति मीटन.	यूएस डॉलर
3	-वही-	-वही-	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. सहित कोई देश	क्रम सं. 1 और में 2 उल्लिखित के अलावा कोई अन्य उत्पादक	738.73	प्रति मीटन.	यूएस डॉलर
4	-वही-	-वही-	चीन जन. गण को छोड़कर कोई देश	चीन जन. गण	कोई उत्पादक	738.73	प्रति मीटन.	यूएस डॉलर

* निम्नलिखित उत्पादों को उत्पाद विवरण के बाहर किया गया है:

- i. पॉलियूरेथेन सीलेंट
- ii. पॉलियूरेथेन फोम
- iii. पॉलियूरेथेन फोम क्लीनर
- iv. सोलर पोटिंग सिलिकॉन
- v. एक्रिलिक सीलेंट
- vi. एक्रिलिक न्यूट्रल सीलेंट
- vii. एक्रिलिक वेदर सीलेंट

- viii. सिलिकोनाइज्ड एक्रिलिक सीलेंट
- ix. आरओएचएस ग्रेड सिलिकॉन सीलेंट
- x. आरईएसीएच (रीच) ग्रेड सिलिकॉन सीलेंट
- xi. फायर रजिस्टेंट/रिटार्डेंट सिलिकॉन सीलेंट
- xii. कार और बस विंडशील्ड पेस्टिंग के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट
- xiii. बस बॉडी पेस्टिंग के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट
- xiv. बिल्डिंग एक्सपेंसन ज्वाइंट के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट
- xv. एमएस पॉलिमर आधारित सीलेंट
- xvi. इंडस्ट्रियल आरटीवी सिलिकॉन सीलेंट
- xvii. हाई टैक्परेचर न्यूट्रल सिलिकॉन
- xviii. ट्र- कंपोनेंट सिलिकॉन सीलेंट
- xix. पेंट योग्य सीलेंट
- xx. नॉन ब्लीडिंग वेदर सिलिकॉन
- xxi. इन्सुलेटिंग ग्लास सिलिकॉन
- xxii. नेल फ्री गोंद अथवा मिरर फिल्स गोंद

परंतु नीचे दिए गए उत्पादों के संबंध में उत्पादों को बाहर करना केवल वास्तविक प्रयोक्ताओं तक ही सीमित होगा। वास्तविक प्रयोक्ता आयात के समय अन्य ग्राहकों को इस संबंध में वास्तविक उपयोग के संबंध में घोषणा प्रदान करेंगे। वास्तविक प्रयोक्ता निम्नलिखित के लिए मांग किए जाने पर किसी कानूनी प्रवर्तनीय एजेंसी के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए सत्यापन योग्य रजिस्टर के रूप में मासिक रिकॉर्ड भी रखेंगे :

- (i) कार और बस विंडशील्ड पेस्टिंग के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट
- (ii) बस बॉडी पेस्टिंग के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट
- (iii) बिल्डिंग एक्सपेंसन ज्वाइंट के लिए प्रयुक्त सिलिकॉन सीलेंट

इ. आगे की प्रक्रिया

133. इन निष्कर्षों से उत्पन्न होने वाले केंद्र सरकार के आदेश के खिलाफ एक अपील अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष होगी।

अनंत स्वरूप, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)

NOTIFICATION

FINAL FINDINGS

New Delhi, the 23rd September, 2021

Case No. AD-OI-26/2020

Sub. : Anti-Dumping Investigation concerning imports of “Silicone Sealants” originating in or exported China PR.

F. No. 06/31/2020-DGTR.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the “Act”) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the “rules”), thereof;

A. BACKGROUND OF THE CASE

1. M/s Alstone Industries Pvt. Ltd (hereinafter also referred to as “Applicant” or “Petitioner”) filed an application/petition seeking initiation of an anti-dumping investigation concerning imports of “Silicone Sealants excluding silicon sealants used in manufacturing of solar photovoltaic modules, and thermal power applications” (hereinafter also referred to as “Subject goods” or “Product Under Consideration” or “PUC”) from China PR (also referred to as “Subject country”) before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the “Authority”) in accordance with Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Antidumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 as amended.
2. The Authority, on the basis of a sufficient evidence submitted by the Applicant, issued a public notice vide notification No. 6/31/2020-DGTR dated 28th September, 2020, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating the subject investigation in accordance with Section 9A of the Act read with Rule 5 of the Rules to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject country, and to recommend the amount of Anti-Dumping Duty (ADD), which if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry.

B. PROCEDURE

3. The procedure described herein below has been followed with regard to the subject investigation:
 - a. The Authority notified the Embassy of the Subject Country in India about the receipt of the present anti-dumping application before proceeding to initiate the investigation in accordance with Sub-Rule (5) of Rule 5 supra.
 - b. The Authority issued a public notice dated 28th September, 2020 published in the Gazette of India Extraordinary, initiating an anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods from the subject country.
 - c. The Authority sent a copy of the initiation notification dated 28th September, 2020, to the Embassy of the subject country in India, the known producers and exporters from the subject country, known importers, importer/user Associations, the Domestic industry, other known Indian producers and other interested parties, as per the addresses made available by the Applicant. The interested parties were advised to provide relevant information in the form and manner prescribed and make their submissions known in writing within the prescribed time-limit, in accordance with Rules 6(2) and 6(4) of the Rules.
 - d. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters and to the Government of the subject country, through its Embassy in India in accordance with Rule 6(3) of the Rules supra.

- e. The Embassy of the subject country in India was also requested to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the producers/exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known producers/exporters from the subject country.
- f. The Authority, upon request made by the interested parties, granted extension of time to the interested parties to file their response as well as submissions. Vide communication dated 3rd November, 2020, the time was extended up to 3rd December, 2020. Vide communication dated 3rd December, 2020, the time was extended up to 17th December, 2020.
- g. The Authority sent questionnaires to the following known producers/exporters in the subject country in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules;
 - i. Wacker Chemicals China Co Ltd
 - ii. Shandong Thanking Trade Co Ltd
 - iii. Shandong Lonlea Imp Exp Co Ltd
 - iv. M S Shandong Feidu Adhesive Techno Logy Shares Co., Ltd
 - v. Shandong Dongyue Silicone Material Co., Ltd.,
- h. In response, the following exporters/producers from the subject country filed exporter's questionnaire response;
 - i. Hangzhou Joinleader New Materials Co., Ltd
 - ii. Anhui Joinleader new materials technology co., ltd.
 - iii. Shandong Dongyue Silicone Material Co., Ltd.,
- i. The Authority sent Importer's Questionnaire to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rule.
 - i. AIPL Zorro Private Limited
 - ii. Auto Glass Traders Pvt Ltd
 - iii. Kingston Multi Products India Private Ltd
 - iv. Myriad Inc
 - v. Panamax Tapes International
 - vi. Marvel Impex
 - vii. Parshwanath Marketing
 - viii. Promisive Venture
 - ix. Grindwell Norton Ltd
 - x. Mahal Enterprises
 - xi. Pioneer Adhesives Private Limited
- j. In response, the following importers/users who have responded within stipulated and extended time period and filed importer's questionnaire response were considered:
 - i. Grindwell Norton Ltd
 - ii. AIPL Zorro Pvt. Ltd
- k. Apart from the above parties Wacker Chemicals (China) Co., Ltd, Wacker Metroark Chemicals Pvt Ltd and Hamsons Trading (India) LLP filed comments on the petition/investigation. Such submissions are also considered and addressed to the extent found relevant as per the consistent practices of the Authority.
- l. Vide email dated 28.07.2021, M/s Dow Chemical International Private Limited (DCIPL) filed authorization letter and injury submissions in response to petition filed by the domestic Industry. It was however noted that these submissions were outside the time limit prescribed by the Authority for submission of response by interested parties. Therefore, their submissions were not considered.

- m. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented/made by the various interested parties to the other parties by directing the parties to exchange such submissions via e-mail based on the list of interested parties relevant for the subject investigation made available to all relevant parties on the website of the DGTR.
- n. A request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to provide the transaction-wise details of imports of subject goods for the past three years, and the period of investigation, which was received by the Authority. The Authority has, relied upon the DGCI&S transaction-wise details of imports data for computation of the volume of imports and its analysis after due examination of the transactions.
- o. The Non-Injurious Price (NIP) has been determined based on the cost of production and the cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the Domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure-III to the Anti-Dumping Rules so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic industry.
- p. The Period of Investigation for the purpose of the present anti-dumping investigation is from 1st April, 2019 to 31st March, 2020 (12 Months). The injury investigation period has however, been considered as the period from April 2016 - March 2017, April 2017 - March 2018, April 2018 - March 2019 and the POI.
- q. Desk verification of the information provided by the applicant, responding producers and exporters from subject country to the extent deemed necessary, was carried out by the Authority. Only such verified information with necessary modification/rectification, wherever applicable, has been relied upon for the purpose of present notification.
- r. In accordance with Rule 6(6) of the Rules, the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a hearing held via Video Conferencing on 3rd March, 2021. All the parties who had attended the oral hearing were provided an opportunity to file written submissions by 10th March, 2021, followed by rejoinders, if any by 17th March, 2021.
- s. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation so far, to the extent supported with evidence and considered relevant to the present investigation, have been appropriately considered and addressed by the Authority, in this final finding.
- t. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to the sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- u. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the views/observations on the basis of the facts available.
- v. ‘***’ in this Final Finding represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- w. The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is US\$1 = Rs.71.65

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

- 4. At the stage of initiation, the product under consideration and like article were defined as:

“3. The product under consideration is “Silicone Sealants excluding silicon sealants used in manufacturing of solar photovoltaic modules, and thermal power applications” originating in or exported China PR.

4. Silicone sealant is a liquid form of adhesive. Typically, it looks, feels, and acts like a gel. It has a different chemical make-up from other organic polymer-based adhesives. Unlike other adhesives,

silicone keeps its elasticity and stability in both high and low temperatures. Furthermore, silicone sealant is resistant to other chemicals, moisture, and weathering. This makes it less likely to fail when used in construction of buildings and repairing objects. Unlike some adhesives, silicone sealants must cure. Curing silicone basically means letting it dry. Silicone Sealants are commonly used to seal windows to frames, as they provide a water-resistant seal that maintains a strong hold against harsh weather conditions. Silicone sealants can be used for caulking cracks. Sometimes individuals may use it to try and level surfaces in their home etc. Water-resistant silicone sealants are ideal for repairing areas around sinks and other areas where water is frequently found. Even though silicone isn't a good substance to use for weight-bearing seals, there is still a need for its powerful adhesive properties in many construction jobs. Silicone sealants are commonly used to bind surfaces such as plastic, metal, and glass together. For example, aquariums are often sealed with silicone. Windows are often sealed to frames with silicone sealants since it is weather resistant. Apart from construction/building and glass related applications, Silicone Sealants are used in automobiles, appliances, sealing cables and sensors in electronic devices, basic repairs around the house/tiles/floorings etc.

5. Though Silicone Sealants are used in multiple segments and applications, Silicone Sealants used in the manufacturing of Solar Photovoltaic Modules and Thermal Power applications are not covered in the scope of PUC as the said types were not produced and supplied by the petitioner so far. Such types are claimed to be not identical to the subject goods produced by the applicant and are hence excluded from the scope of PUC.

6. The PUC does not have any dedicated classification under Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975). The imports of PUC have been taking place under respective subheadings of Chapter 32 and 35 and the import of PUC under some other chapters as well is not ruled out.

Like Article

7. The Applicant has claimed that there is no known difference between the subject goods exported from the subject country and that produced by the domestic industry. Subject goods produced by the domestic industry and imported from the subject country is comparable in terms of essential product characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. Consumers use the two interchangeably. The Applicant has further claimed that the two are technically and commercially substitutable and, hence, should be treated as like article under the Rules. Therefore, for the purpose of the present investigation, the subject goods produced by the Applicant in India are being treated as 'Like Article' to the subject goods being imported from the subject country."

C.1 Submissions of the domestic industry

5. The Initiation Notification has defined the PUC as "Silicone Sealants excluding silicon sealants used in manufacturing of solar photovoltaic modules, and thermal power applications".
6. The subject goods as covered in the investigation have been produced and sold by the domestic industry during the injury period and such goods are being getting imported into India from China PR during the same period.
7. The definition of the PUC and the views on like article as per the Initiation notification is fair and just and the same should be adopted for the purpose of the final findings and does not warrant any modification.

C.2 Submissions by the other interested parties

8. The following submissions have been made by the other interested parties with regard to the product under consideration and like article:
 - i. The Authority may adopt the product exclusion with regard to Silicone Sealants used in the manufacturing of Solar Photovoltaic Modules and Thermal Power, as the same are admittedly not manufactured by the Petitioner.
 - ii. The domestic industry does not *manufacture* the PUC but instead merely sources all the raw materials required for producing the PUC from outside India and blends them to obtain the PUC. Interestingly, the Petitioner has claimed absolute confidentiality in respect of the production process in the Petition.

- iii. The Petitioner does not commercially produce the following grades/types of the PUC:
 - a. High Temp HT-150
 - b. SS 999
 - c. IG 998
 - d. NB 6000
 - e. A2A Stix All
- iv. The Petitioner procures the product type 'A2A Stix All', from another manufacturer M/s Kaneka Polymers in bulk quantities and repackages them into smaller quantities for sale in the open market.
- v. Paragraph 3.10 of the DGTR's Manual of Operating Practices notes that, mere competence without any production or merchant sales may not be sufficient to include an item in the definition of the PUC.
- vi. The Hon'ble CESTAT in *Oxo Alcohols Industries' Association vs Designated Authority, 2001 (130) ELT 58* has held that if the products are not manufactured by the domestic industry, the import of the same product cannot cause injury to domestic industry and therefore such product should be excluded from the levy of the anti-dumping duty.
- vii. There are some products that are similar in appearance to the PUC and fall under the same tariff code as the PUC. The following products must be *specifically* excluded from the scope of the PUC as they neither fall within the description of the PUC nor are manufactured by the Petitioner:
 - a. Polyurethane Sealant: Used for Automotive wind-shield repair
 - b. Polyurethane Foam: Used for Gap filling applications
 - c. Polyurethane Foam Cleaner
 - d. Solar Potting silicone
 - e. Acrylic Sealant
 - f. Siliconised Acrylic Sealant
- viii. The PUC is not a single-homogenous product. It is broadly classified into general-purpose acid cure and neutral cure silicon sealants as well as MS sealants (which are not silicone sealants to begin with). The Petitioner is largely selling neutral cure silicone sealants. The subject imports from China PR into India are predominantly/largely of general-purpose acid cure (acetoxyl) silicone sealants. Both these products have different properties and are priced differently. Wacker Group argues that the DGTR must exclude MS sealants from the product scope and to establish PCNs/product groups for acid cure and neutral cure silicone sealants.
- ix. The applicant industry in their petition has mentioned that there is no viable substitutable product despite fully knowing that many alternative products are available.

C.3 Additional Submissions of the Interested parties

- 9. Vide letter dated 2 April 2021, AIPL Zorro Pvt. Ltd has requested that PCNs should be adopted in the present case. The PCNs categories of PUC as requested are (1) General Purpose, (2) Neutral Grade, (3) Weatherproof Grade, (4) Structural Glazing, (5) RTV Gasket, (6) MS Polymer and (7) Paintable Acrylic Sealant.
- 10. Further, the following products should be excluded from the scope of PUC as the same are not manufactured by the Petitioner:
 - i. Polyurethane Sealant: Used for automotive wind-shield repair. This sealant's appearance is similar to a silicone sealant and falls in the same tariff heading but it is not based on silicone. The Petitioner does not manufacture the same. Therefore, this type must be excluded.
 - ii. Polyurethane Foam: Used for gap filling applications. Its appearance is similar to a silicone sealant and falls in the same tariff heading but it is not based on silicone. The Petitioner does not manufacture the same. Therefore, this type must be excluded.
 - iii. Polyurethane Foam Cleaner: Must be excluded for the reasons given above.

- iv. Solar Potting Silicone: As silicon sealants used in manufacturing of solar photovoltaic modules are already excluded, an express exclusion for this type of sealant would be helpful for the user industry and trade.
- v. Acrylic Sealant: This type of sealant is not based on silicone. The Petitioner does not manufacture acrylic based sealants. Therefore, this type must be excluded.
- vi. Acrylic Neutral Sealant: This type of sealant is not based on silicone. The Petitioner does not manufacture acrylic based sealants. Therefore, this type must be excluded.
- vii. Acrylic Weather Sealant: This type of sealant is not based on silicone. The Petitioner does not manufacture acrylic based sealants. Therefore, this type must be excluded.
- viii. Siliconised Acrylic Sealant: This is a mixture of acrylic and silicone, which has water repellent properties. The Petitioner does not manufacture the same. Therefore, this type must be excluded.
- ix. RoHS grade Silicone Sealant: The Petitioner does not manufacture silicone sealants that are compliant with European Union's Restriction of Hazardous Substances (RoHS), also known as Directive 2002/95/EC. Therefore, this type must be excluded.
- x. REACH grade Silicone Sealant: The Petitioner does not manufacture silicone sealants that are compliant with European Union's regulation namely Registration, Evaluation, Authorisation and Restriction of Chemicals (REACH). Therefore, this type must be excluded.
- xi. Fire resistant/retardant Silicone Sealant: This type of silicone sealant is resistant to fire. The Petitioner does not manufacture the same. Therefore, this type must be excluded.
- xii. Silicone Sealant used for car and bus windshield pasting: This type of silicone sealant is used to affix glass windshield to metal. The Petitioner does not manufacture the same. Therefore, this type must be excluded.
- xiii. Silicone Sealant used for bus body pasting: This type of silicone sealant is used to affix metal to metal on a bus body. The Petitioner does not manufacture the same. Therefore, this type must be excluded.
- xiv. Silicone Sealant used for building expansion joints: As the name suggests, this type of silicone sealant is used in construction activity. The Petitioner does not manufacture the same. Therefore, this type must be excluded.
- xv. MS Polymer based Sealant: The Petitioner procures the MS polymer from M/s Kaneka Polymers and only rebottles it. The Petitioner does not manufacture MS Polymer based Sealants. Therefore, this type must be excluded.
- xvi. Industrial RTV Silicone Sealant: This type is used for high temperature applications such as in automobile engines for gasket sealing purpose. The Petitioner does not manufacture the same. Therefore, this type must be excluded.
- xvii. High-temperature Neutral Silicone: This type is used for high temperature applications such as in sealing boiler rooms or generator rooms where heat loss from the premises is to be avoided. The Petitioner does not manufacture the same. Therefore, this type must be excluded.
- xviii. Two-component Silicone Sealant: This type of sealant is used in a pair, namely Part A and Part B, in a ratio of 1:10. Part A is a small pale, which is a catalyst that activates the sealant and Part B is sealant in a drum. Both parts are mixed and then the mixture is put to use. The Petitioner does not manufacture the same. Therefore, this type must be excluded.
- xix. Paintable Sealants: The oil in silicone sealants will not allow paint to remain on the surface of the silicone sealant. This type of sealant, however, has very less proportion of oil and once cured, the sealant can be painted over. The Petitioner does not manufacture the same. Therefore, this type must be excluded.
- xx. Non-bleeding Weather Silicone: Upon curing, usually the Silicone Sealant will release some oil. This process is called bleeding. However, this type of sealant will not bleed or release oil upon curing. We understand that the Petitioner does not manufacture this product but procures it from the market in bulk and only rebottles it. We request the Authority to examine this aspect and accordingly exclude this product from the scope of PUC.

- xxi. Insulating Glass Silicone: This type of sealant is used to bind two glasses together for the purpose of double glass window glazing. A gas is also filled between the two glass panes and the sealant is used on the perimeter of both glass panes to seal the perimeter. This sealant can withstand UV radiation as well and exhibits much longer life than a normal sealant. It is especially used in modern construction where building facades are entirely of glass. The Petitioner does not manufacture the same. Therefore, this type must be excluded.
- xxii. Nail free adhesive or Mirror fix adhesive: It is a synthetic rubber adhesive specially formulated for construction applications. It is non-silicone based and not produced in India. Even though Petitioner claims they are manufacturing it, it is our submission that this product is not silicone based and cannot be part of the product scope. We request the Authority to examine this aspect and accordingly exclude this product from the scope of PUC.

C.4 Petitioner's response to the additional submissions on PUC made by the interested parties

- 11. Vide email and letter dated 2nd April, 2021, the Petitioner confirmed that the 22 items/products as mentioned in preceding para are not part of scope of PUC.
- 12. Thus, with regard to the exclusion of above 22 product types, the Petitioner clarified that none of them are included in the product scope. It was also added that importer is resorting to piece meal submission on the scope of the PUC with sporadic lists with a view to misguide the Authority.
- 13. The importer has proposed a PCN methodology by taking alleged difference in the price of the alleged grades/types as the ground, whereas the Authority has consistently held that any PCN request must be substantiated with data of difference in both cost and price concerning the alleged types/grades and the claim cannot be mere allegation of difference in price.
- 14. The imported products and that those produced by the Petitioner cover all Acetoxy Silicone, Neutral Silicone and Modified (MS) Silicone. These product types are not separate products and Silicone Sealants as defined covers products with all such properties.

C.5 Examination by Authority

- 15. The PUC in this investigation is “*Silicone Sealants excluding silicon sealants used in manufacturing of solar photovoltaic modules, and thermal power applications.*” Silicone sealant is a liquid form of adhesive. Typically, it looks, feels, and acts like a gel. It has a different chemical make-up from other organic polymer-based adhesives. Silicone Sealants are commonly used to seal windows to frames, as they provide a water-resistant seal that maintains a strong hold against harsh weather conditions. Silicone sealants are commonly used to bind surfaces such as plastic, metal, and glass together. The PUC is also used in automobiles, appliances, sealing cables and sensors in electronic devices, basic repairs around the house/tiles/floorings etc.
- 16. As per the Initiation Notification, Silicone Sealants used in the manufacturing of Solar Photovoltaic Modules and Thermal Power applications are not covered in the scope of PUC as the said types were admittedly not produced and supplied by the Petitioner.
- 17. The PUC does not have any dedicated classification under Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975). The imports of PUC have been taking place under respective subheadings of Chapter 32 and 35. However, the said Customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.
- 18. The Authority considered the arguments of the interested parties regarding the exclusion of products from the scope of the PUC and has examined the same after calling for relevant information from the interested parties.
- 19. The Authority notes that the scope of the PUC is limited to silicone-based sealants. However, the various products identified by the interested parties for exclusion are chemically different from the PUC. Further, it is noted that some of these exclusions sought were specific trade names and these names were not indicated in the transaction wise import data obtained from DGCI&S.
- 20. After considering the post-initiation submissions made by the other interested parties for exclusion of below mentioned product types, it is noted by the Authority that these product types were specific grades, and were already excluded from the product scope even at the time of initiation. Moreover, it is also noted by the Authority that these product types were not reflected in the transaction wise

import data as obtained from DGCI&S. In addition, it is also noted by the Authority that the chemical constitution of the below mentioned product grades are different from the PUC. Further, the domestic industry also confirmed that these items/products were not within the scope of PUC. The Authority, therefore, considered that these products are not within the scope of the PUC.

- i. Polyurethane Sealant
- ii. Polyurethane Foam
- iii. Polyurethane Foam Cleaner
- iv. Solar Potting Silicone
- v. Acrylic Sealant
- vi. Acrylic Neutral Sealant
- vii. Acrylic Weather Sealant
- viii. Siliconised Acrylic Sealant
- ix. RoHS grade Silicone Sealant
- x. REACH grade Silicone Sealant
- xi. Fire resistant/retardant Silicone Sealant
- xii. Silicone Sealant used for car and bus windshield pasting
- xiii. Silicone Sealant used for bus body pasting
- xiv. Silicone Sealant used for building expansion joints
- xv. MS Polymer based Sealant
- xvi. Industrial RTV Silicone Sealant
- xvii. High-temperature Neutral Silicone
- xviii. Two-component Silicone Sealant
- xix. Paintable Sealants
- xx. Non-bleeding Weather Silicone
- xxi. Insulating Glass Silicone
- xxii. Nail free adhesive or Mirror fix adhesive

21. However, post issuance of disclosure statement, the domestic industry contended that the following items identified as non-PUC, fall well within the scope of PUC and this exclusion can also lead to massive circumvention;

- (i) Silicone Sealant used for car and bus windshield pasting
- (ii) Silicone Sealant used for bus body pasting
- (iii) Silicone Sealant used for building expansion joints
- (iv) Industrial RTV Silicone Sealant
- (v) Two-component Silicone Sealant

22. In this regard, the Authority notes that the domestic industry had initially admitted the following in their letter dated 2nd April, 2021:

“Authority may please be noted that none of the above 22 items are included in PUC as well in the import data, the quantum of which is negligible.”

23. It is noted that 5 products as mentioned above were included in the 22 items for which the domestic industry had given the above said declaration. Thus, these 22 items were proposed to be excluded from the PUC in the disclosure statement based on the submissions made by the domestic industry. However, post issuance of disclosure statement, the domestic industry has stated that Silicone Sealant produced by DI can be used for aforementioned 5 applications also, and the Silicone Sealants for such applications are not any different product per se from what is defined as PUC.

24. The contention has been examined, and it is noted that the evidences on record do not indicate that these five products were produced and sold by the domestic industry during the POI.

25. The Authority, however, notes the concern of the domestic industry that exclusion of application-based products from the scope of PUC can also lead to circumvention of the measure.

26. Considering the apprehensions raised by the domestic industry that user-based exclusion of (i) Silicone Sealant used for car and bus windshield pasting, (ii) Silicone Sealant used for bus body pasting, (iii) Silicone Sealant used for building expansion joints may lead to circumvention of any measures by incorrect declaration about the end use, the Authority notes that the user based exclusion of (i) Silicone Sealant used for car and bus windshield pasting, (ii) Silicone Sealant used for bus body pasting, (iii) Silicone Sealant used for building expansion joints shall be strictly limited to imports by actual users only. After examination, the Authority holds that product exclusion with regard to below mentioned three items/products will be strictly limited to actual users only. The actual users shall provide declarations to customs at the time of import regarding bonafide usage in this regard. Actual users would also maintain the monthly record in the form of verifiable consumption register for presentation before any law enforcing agency on demand.

- (i) Silicone Sealant used for car and bus windshield pasting
- (ii) Silicone Sealant used for bus body pasting
- (iii) Silicone Sealant used for building expansion joints

27. With regard to the contention that the competition from the subject imports from China PR is mainly in the product/market segment of the general-purpose acid cure (acetoxy) silicone sealants and acid cure and neutral cure silicone sealants are different product segments and MS sealants are an altogether different product, the Authority notes that the contentions are not supported with any evidences. Based on the available information, the Authority notes that the PUC as defined, and, which have been imported, are Silicone Sealants with the exclusions as mentioned earlier. The PUC has curing properties such as acid cure and neutral cure.

28. With regard to the contention of the other interested parties that there is a need for fixing PCNs in the matter, it is noted that none of the parties have substantiated the need for such analysis supported by evidences involving any commercial or technical aspect of the PUC which can be the basis for any PCN methodology.

29. It is also noted that almost 90% of the product imported in India falls under the same price range. Therefore, in the absence of evidence supplied by the claimant parties to show any significant variation between the cost and prices among any purported grade/types or any other technical ground, the Authority has not adopted any PCN methodology as requested by the interested parties.

30. The imported product and that produced and sold by the Petitioner are comparable in terms of basic product properties, uses, raw materials, manufacturing process etc. and the proposed methodology of conducting the examination of relevant factors of dumping and injury in terms of the weight of the product reported in Kg or MT is considered as a reasonable method of comparison.

31. Regarding the issue of the quality of the goods manufactured by the domestic industry, the Authority notes that quality, per-se is not an issue in an anti-dumping investigation.

32. After examination of the contentions of the interested parties, the Authority holds that the product under consideration is “Silicone Sealants excluding silicon sealants used in manufacturing of solar photovoltaic modules, and thermal power applications” originating in or exported China PR. Further the following product types are not within the scope of the PUC.

- i. Polyurethane Sealant
- ii. Polyurethane Foam
- iii. Polyurethane Foam Cleaner
- iv. Solar Potting Silicone
- v. Acrylic Sealant
- vi. Acrylic Neutral Sealant

- vii. Acrylic Weather Sealant
- viii. Siliconised Acrylic Sealant
- ix. RoHS grade Silicone Sealant
- x. REACH grade Silicone Sealant
- xi. Fire resistant/retardant Silicone Sealant
- xii. Silicone Sealant used for car and bus windshield pasting
- xiii. Silicone Sealant used for bus body pasting
- xiv. Silicone Sealant used for building expansion joints
- xv. MS Polymer based Sealant
- xvi. Industrial RTV Silicone Sealant
- xvii. High-temperature Neutral Silicone
- xviii. Two-component Silicone Sealant
- xix. Paintable Sealants
- xx. Non-bleeding Weather Silicone
- xxi. Insulating Glass Silicone
- xxii. Nail free adhesive or Mirror fix adhesive

Provided the product exclusion with regard to below mentioned products will be strictly limited to actual users only. The actual users shall provide declarations to customs at the time of import regarding bonafide usage in this regard. Actual users would also maintain the monthly record in the form of verifiable consumption register for presentation before any law enforcing agency on demand

- i. Silicone Sealant used for car and bus windshield pasting
- ii. Silicone Sealant used for bus body pasting
- iii. Silicone Sealant used for building expansion joints

33. With regard to like article, Rule 2(d) of the Anti-Dumping Rules provides as under:

"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;

34. After considering the information on record, the Authority holds that the product under consideration produced by the domestic industry and imported from the subject country are comparable in terms of physical & chemical characteristics, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The goods produced by the domestic industry and imported from the subject country are like articles in terms of the Rules. The two are technically and commercially substitutable. Thus, the Authority holds that the subject goods produced by the domestic industry are like article to the product under consideration imported from subject country within the scope and meaning of Rule 2(d) of Anti-Dumping Rules.

D. SCOPE OF THE DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

Submissions made by the domestic industry

35. The submissions made by the domestic industry with regard to scope of domestic industry & standing are as follows:

- i. The application on the basis of which the present investigation was initiated has been filed M/s Alstone Industries Pvt. Ltd which was supported by another producer of the subject goods in India namely M/s HP Adhesives Pvt. Ltd. The petitioner neither imported the subject goods from the subject country nor is related to any exporter or producer of subject goods in the subject country or any importer of the PUC in India. M/s Alstone Industries Pvt. Ltd is an MSME Unit based in

Rajasthan. The petitioner holds more than 40-50% (*** %) share in the total Indian production of the like article and account for more than *** along with the supporter. Thus, the requirements to be treated as domestic industry under Rule (b) are fully met by the petitioner.

- ii. In addition to this, there are three more producers as per the information of the petitioner namely Adarsha Specialty Chemicals Pvt. Ltd, Anabond Limited, Astral Poly Technik Limited who have neither supported nor opposed the present investigation.
- iii. The petitioner is the largest producer of the subject goods with the highest capacity and the performance of the petitioner reflects the true situation of the domestic producers as a whole. India has more than *** MT (*** MT) (all producers together) capacity of the POI to produce the subject goods, and as a result of aggressive dumping from China PR, not even 25% of the said capacity could be utilized by the producers as evident from the total Indian production numbers. Silicone Sealants have its own market in India but the companies engaged in the production of this product in India including the petitioner apparently could not reap the benefit of such market opportunities as a result of aggressive dumping practiced by the Chinese exporters. India can be self-reliant on this product, and ADD to remove the injurious effects of dumping will provide due support to this sector to survive through the injurious effects of dumping.
- iv. The doubts on standing of the petitioner raised by the opposing parties are all unsubstantiated claims and the petitioner has provided most reliable data in terms of total Indian production and the share of petitioner in such total production. The petitioner in fact provided all such information though it is perceived that collection of all such information relevant for the petition is very difficult for India's MSME units like the petitioner.
- v. It has been contended that as per the Petitioner's filings with the Ministry of Corporate Affairs, the Company is engaged in the business of "manufacturing and trading", and whether the trading business include import of PUC also. The insinuation here is not on any merit. Alstone manufactures subject goods in its factory and sells such products to dealers/distributors/industries etc. It never imported the subject goods from any country including China PR and the petitioner is not involved in any trading of imported subject goods from any country including China PR.
- vi. It has been contended that the petitioner has not provided the relevant economic parameters pertaining to the supporter namely HP Adhesives Pvt Ltd. It is submitted in this regard the supporting party has provided the details of its production in the support letter which alone was used while estimating the Indian production, and the claims of standing made by the petitioner meets the requirements of Rule 2 (b). It is the consistent practice of the Authority to consider such support as valid to determine the standing of the petitioner, and the injury data is in any case has been provided by the petitioner based on its records.
- vii. It has been contended that the injury claimed by the sole petitioner cannot define the situation of the whole industry in India. The contention has no legal sanctity. The Rule does not say that all producers in India of the concerned like article must participate in an Anti-dumping (AD) investigation to make the injury representative for the Indian producers concerning such like article. The rule has prescribed major proportion threshold to gauge one's eligibility as domestic industry, and the injury to the eligible domestic industry is presumed as representative of the situation of the Indian producers of the subject goods. The petitioner here fulfills the criteria under Rule 2 (b) to be considered as the domestic industry concerning the subject goods.

Submission Of The Other Interested Parties

- 36. The submissions on the aspect of the domestic industry and the standing as filed by other interested parties are as follows;
 - i. The supporter has not provided the information as required, and a simple support letter should not be considered as proper support.
 - ii. Based on the statements in the petition, the applicant does not seem to represent a major proportion of the Indian production and therefore, cannot be deemed to have standing in this case.
 - iii. When the domestic industry is defined as the producers representing a major proportion of the total domestic production, the investigating authority should take into account the situation of domestic producers outside the domestic industry definition for the injury assessment.

- iv. DGTR may disclose the aggregate data concerning the Indian production used for standing, and to contact the other non-complaining and non-supporting producers as well.
- v. As per the Petitioner's filings with the Ministry of Corporate Affairs, it has stated that it is engaged in the business of "manufacturing and trading". In this regard, the Respondent requests the Authority to seek clarity from the Petitioner as to the scope of the Petitioner's trading business. It must be ascertained whether the Petitioner trading business involves importing the subject goods.
- vi. The domestic industry in the present investigation comprises of only one producer. Annexure I of the Trade Notice provides that actual information in the form of aggregated data/indexed data should be provided regarding certain specific parameters of the domestic industry. However, on a number of these parameters, the domestic industry has not met the standard set by the Trade Notice.
- vii. As Per Trade Notice No. 13/2018 dated 27th September 2018, the Petitioners were required to provide certain information including the data of the economic parameters of the supporter in the formats prescribed by the Authority in the said Trade Notice. However, in the present investigation, the Petitioners have only provided the production data of the supporter company, and that too as part of the indexed data of the overall domestic production in India.
- viii. The Petitioner has not provided the other data required in the above said Trade Notice such as reasons for not joining the petition, economic parameters such as production, sales, profitability, return on capital employed, etc. Therefore, the Petition has been submitted in gross violation of the Trade Notice issued by the Authority.
- ix. In the oral hearing, the counsel for the Petitioner submitted that it has not provided the data for the supporter since the supporter only commenced production in the financial year 2018-19, and not before that. The Respondent however submits that even if the supporter commenced production in 2018-19, this does not preclude the Petitioner/Supporter from providing the data for 2018-19 and the POI.
- x. The injury claimed by the sole petitioner cannot define the situation of the whole industry in India.
- xi. As per the Petitioner, its share of total domestic production of the like article ranges between 40% to 50% during the POI. The economic condition of the sole petitioner alone cannot define the holistic situation of industry. The Petitioner's contention that it represents more than 25% of total domestic production does not necessarily imply its representativeness of the complete industry.
- xii. The issue of standing is important in this case because if the applicant claim that it had 15%-25% capacity utilization in the POI were to be correct, it logically cannot represent a major proportion of the Indian production of the PUC as required by Article 5.4 ADA.
- xiii. Non-inclusion of a larger share of domestic production, which would exclude information of other domestic producers, would result in distortion of injury analysis and hence other producers should be included in the determination of material injury and causal link.
- xiv. No information is being filed by the supporter HP Adhesives Private Limited hence should not be considered as supporter in the present investigation
- xv. There are many other producers of the subject goods in India who have not even been named in the Petition. This raises serious doubts on what is the total Indian production of the subject goods during the period of investigation and whether Petitioner has major proportion in terms of Rule 2(b) in the total Indian production. These are: Bostik India Pvt. Ltd. (Unit-II), Span Intermediates Pvt. Ltd., McCoy Soudal Sealants Adhesives & Foams Pvt, Accumetric Silicones Pvt. Ltd. The abovementioned entities have substantial manufacturing capacities and their products are competing with the Petitioner's products in the Indian market. The photographs also show the locations where such products have been manufactured in India in so far as many of the abovementioned brands are concerned
- xvi. Once the Authority arrives at the total Indian production after including the above mentioned entities as well, the Petitioner's share in total Indian production during the POI would fall below the mandatory 25%. Thus, the Petitioner would fail to qualify as the domestic industry in terms of Rule 2(b) read with Rule 5(3) of the AD Rules. Accordingly, the present investigation ought to be terminated immediately.

Examination By The Authority

37. Rule 2 (b) of the AD rules defines the “domestic industry” as under:

“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”

38. It is noted that the application has been filed by M/s Alstone Industries Pvt. Ltd. and has been supported by another producer of the subject goods in India namely M/s HP Adhesives Pvt. Ltd. It is further noted that the Applicant has neither imported the subject goods from the subject country nor are related to any exporter or producer of subject goods in the subject country or any importer of the PUC in India.

39. As per the petition, there are three more producers of the subject goods in India namely a) Adarsha Specialty Chemicals Pvt. Ltd, b) Anabond Limited and, C) A unit of Astral Poly Technik Limited. It is noted in this regard that none of the other such known producers have neither supported nor registered their opposition to the present investigation even though the Authority has specifically written to all such known parties.

40. The Authority notes that, based on an examination of the information on record, the Applicant accounts for ***% share in the Indian production and the share of the petitioner along with the supporter is noted as ***%.

41. With regard to the contention of the opposing parties that the support letter by M/s HP Adhesives Pvt. Ltd is not proper and should not be considered for the purpose of support to the petition, the Authority notes that M/s HP Adhesives Pvt. Ltd vide their support letter has provided their production details and expressly supported the petition. However, no injury information as required from a supporter has been provided. In view of the same, the support letter of the said producer is used for the limited purpose of determination of standing under Rule 2 (b) and the injury is determined based on the information supplied by the petitioner alone.

42. The Authority further notes that it is desirable that a supporter of an application provides the desired information in the format prescribed in Trade Notice in this regard so that such information can be used in the context of injury examination also to the extent relevant. However, in a situation where supporting domestic producer has not provided relevant information in prescribed format, but have nonetheless expressed support to the application, the Authority notes that such support cannot be treated as invalid support or opposition for the purpose of determination of the standing under Rule 2 (b).

43. With regard to the contention of the opposing parties that injury to the single petitioner shall not be representative of the overall injury suffered by the Indian producers of the subject goods as a whole, the Authority notes that the requirement under Rule 11 (2) of the Anti-dumping Rules is to determine injury considering the “domestic industry” as determined under the Rule and injury concerning the “domestic industry” is considered in this statement.

44. With regard to the contention of the interested parties regarding other manufacturers of the PUC, the Authority sent the letters to the four producers of PUC where it was alleged that they are also producers of domestic like product. The Authority also emailed to Ministry of Chemicals and Petrochemicals, India so that a list of domestic producers along with their production details may be made available. However, no reply was received from either of the alleged producers or the Ministry of Chemicals and Petrochemicals, India.

45. The Authority further notes from the transaction wise import data that all 4 of the alleged manufacturers have imported the PUC during the POI.

46. Therefore, considering the information on record, and non-receipt of any response from 4 alleged manufacturers, the Authority holds the applicant/petitioner as eligible domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the Rules, and that the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5(3) of the Rules.

E. ISSUES ON CONFIDENTIALITY

Submissions made by the domestic industry

47. The following submissions have been made by the domestic industry with regard to confidentiality issues:

- i. The participating producers/exporters/importers have resorted to excessive confidentiality in this matter.
- ii. Producer group like Hangzhou Joinleader New Material Technology Company Ltd has not disclosed even the details of export chain to India which is not justified at all. The response with regard to export and import do not allow any understanding of their activities connected with the subject goods and NCV filed is all only a denial of information to the petitioner.
- iii. It was stated by Shandong Dongyue Silicone Material Co., Ltd that they adopted reverse indexation which is not any method prescribed by the Authority nor it is done with the permission of the Authority. A reverse indexation should show the opposite trend of a forward indexation and the exporter has not explained the rationale or appropriateness of such indexation anywhere.
- iv. Appendixes to the importer response filed by the importers like AIPL Zorro Private Limited and Grindwell Norton Ltd contain no indexation and there is no trend available about their import volume and price. This is when the petitioner has provided indexation of all the injury parameters. The opposing parties must be directed to provide adequate NCV of the submission filed on confidential basis so that the DI can provide its rebuttals. As it stands, importer responses do not permit any meaning rebuttal.
- v. It has been contended that the petitioner has resorted to excessive confidentiality which is devoid of any merit. The petitioner claimed certain information confidential as permissible in the rule after adducing reasons and such reasons are not disputed. It is in fact the opposing parties who have resorted to excessive confidentiality and to cover up such excessive use of confidentiality provision, an allegation is made against the petitioner which is not of any merit and should be rejected. The NCV version of the petition meets the requirements as per the rules and practices of the Authority and the claims to the contrary are not of any merit.
- vi. It has been contended that the petitioner claimed excessive confidentiality with regard to its annual accounts. The annual reports are not freely circulated publicly by the petitioner or made available on its website etc. and how MCA issues the report to the party seeking it through their portal is a different matter altogether. The document by nature is confidential and should be please treated so in this investigation.
- vii. It has been contended that the claims of confidentiality on DGCI&S T/T data and costing formats is not as per the Rule. DGCI&S T/T data is by nature confidential as evident from the Trade Notice issued by the Authority but a summary of imports have been provided. Costing formats are confidential in nature but a summary/indexation wherever possible has been provided including trend of price and volume parameters. Thus, the contention of excessive confidentiality on this information has no basis.

Submissions made by other interested parties

48. The following submissions have been made by other interested parties with regard to confidentiality issues:

- i. Excessive confidentiality of data and information in the complaint has precluded an understanding of the Complainant's allegations of injurious dumping and the full exercise of their rights of defense by interested parties.
- ii. The disclosure of the aggregate figure consisting of the data of five producers of the PUC cannot be considered confidential. There is no justification for the treatment of the total Indian demand of the PUC as confidential. The Complainant has itself publicly disclosed its production capacity. Also, the DGCIIS data is not disclosed to the interested parties.

- iii. As regards the injury indicators, only indexed data has been provided and no range has been provided. Also, the complete redaction of the annual financial statements of the Complainant is also WTO-inconsistent.
- iv. No information has been provided in the complaint as regards the production norms/the recipe used by the Complainant to establish the normal value, and no information regarding the domestic industry injury's sales prices and non-injurious prices have been provided.
- v. The confidentiality of nearly all the key information starting from the Indian consumption of silicone sealants or the product under consideration [“PUC”] to the main injury and dumping related data, has restricted a proper rebuttal.
- vi. A complete redaction of the majority of the annexes including Annexes 1.2, 1.3, 3.1, 6.1, 6.2, costing information Formats-A, B, C, D, E; and costing information Formats-I, J, K, L of the present complaint, is insufficient to meet the Article 6.5.1 standard.
- vii. Petitioner has claimed excessive confidentiality in the petition in violation of trade notice no. 10/2018 8. Annexure I of Trade Notice No. 10/2018 dated 7th September 2018 provides guidelines for disclosure of information in confidential and non-confidential version on behalf of the domestic industry.
- viii. The petitioner has claimed excessive confidentiality with respect to the Annual accounts and costing information.
- ix. The non-confidential version of the petition does not give a reasonable understanding of the allegations contained therein. Also, the non-confidential version of the petition fails to meet the standards laid down in Rule-7 of the Rules and Trade Notice No 1/2013 dated 9th December 2013, issued by the Director General.

Examination by the Authority

49. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of the Rules provides as follows:

“Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule(2) of rule 12, sub-rule(4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.”

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.”

50. As required under Rule 6 (7), the Authority made available the evidence presented to it by one interested party to the other interested parties, participating in the investigation. Such information was circulated among the participating interested parties with directions for exchange of such evidences among the interested parties participating in the investigation to avoid physical access to the public file on account of the restrictions put in place in view of the pandemic situation.

51. The Authority notes that the information provided by the domestic industry and other interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claims in accordance with Rule 7 of the Rules. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted, and such information has been considered confidential.

52. With regard to the contention that the petitioner has provided only indexed information and not actual data pertaining to certain parameters, the Authority notes that the Trade Notice 10/2018 dated

7th September 2018 requires a domestic producer (where a single producer is filing the petition) to provide certain data (such as production, capacity etc.) as a trend as opposed to actual data.

53. With regards to contention that the transaction wise import data as per DGCI&S is not placed in the public file, the Authority notes that the consolidated data relating to volume and value of imports from all sources of imports has been shared with the interested parties and the transaction wise details were provided on a confidential basis.
54. With regard to the contention of the opposing parties that the annual reports of the petitioner cannot be treated as confidential as the same can be obtained from the website of the Ministry of Corporate Affairs, the Authority notes that the information available on the website of the said Ministry primarily concerns with the administration of Companies Act 2013. Various information as provided on the said website can be obtained on payment of a fee only which shows some reasonable restriction on obtaining such information and such information cannot be treated as information freely available in the public domain.

F. MISCELLANEOUS SUBMISSIONS

Submission of other interested parties

55. The following submissions have been made by the exporter/ producer/ other interested parties with regard to various issues:
 - i. There is a huge demand supply gap between the demand in the country and the sales of the petitioner and also the capacity of the subject goods. Even if the domestic industry operates at 100% of its capacity, it would not be able to meet even 50% of the demand in the country. Imposition of anti-dumping duty would severely impact the supply of the subject goods and the gaps cannot be bridged by the domestic industry in any manner. Assessment of the effect of any duty on the users must be checked.
 - ii. Due to pandemic, slow down in real estate and availability of cheaper substitute products, the demand of the subject goods declined. Once the awareness about product increases and situation in the real estate change, the situation of the petitioner will also improve.
 - iii. The parallel claim of material injury and threat thereof demonstrates the insufficiency of evidence. In any event, the threat of injury claim has not been substantiated.
 - iv. In the Petitioner's Annual Financial Statements for FY 2019-20, the Petitioner has reported data regarding certain operational and financial parameters under the segment "Silicon". The petitioner's data regarding profitability in the petition are inconsistent with the data reported in its annual financial statements. The Authority must verify the reasons for the inconsistency in the data.
 - v. The petitioner has not brought forth any substantive evidence to establish the conditions for initiation of the anti-dumping investigation, while the investigating authority has not carried out appropriate, enough scrutiny to the related facts. It is advised that the initiation of the present investigation is totally baseless, and the investigating authority ought to terminate the current investigation.
 - vi. The petitioners' application for present anti-dumping measures on imports is clearly short of legal and factual basis.
 - vii. DGTR should not have initiated the present investigation on the basis of the information contained in the petition.
 - viii. The petition filed by the domestic industry does not meet the requirements laid down under the law and the present initiation is bad at law. Further the standard of review applied by the Authority, before initiation of the present investigation, does not meet the standards laid down under the law. Hence, the present investigation should be terminated immediately. It is clear that DGTR had *prima facie* evidences with them about dumping and material injury to the domestic industry which formed basis for initiation of the present investigation. It may be noted that "*prima facie*" and "*sufficient*" are two completely distinct terms, imply different standards and are not interchangeable and the requirement in the rule is *sufficient* evidences.
 - ix. The petitioner has imported Calcium Carbonate from Shengda Tech Inc. a leading nano precipitated calcium carbonate ("NPCC") manufacturer from China PR. On the one hand petitioner is importing raw materials for manufacturing 'silicone sealants' from China PR and on the other hand requesting for dumping measures in Silicone Sealants which is not understood.

x. Levy of anti-dumping duty will establish monopoly of petitioner and will not be in the public interest. The purpose of anti-dumping investigation is to protect the fair international trade order. Improper implementation of anti-dumping measures as means of trade protection, cannot play the role of protecting the industry, but will cause an unfair competitive environment and cause damage to the fundamental interests of their respective industries in the long term.

Submissions made by the domestic industry

56. The following miscellaneous submissions have been made by the domestic industry:

- i. As an MSME unit, M/s Alstone Industries Pvt. Ltd is extremely vulnerable to the adverse effects of aggressive dumping of subject goods taking place from China PR, and definitive ADD to counteract such injurious dumping is very essential at the earliest to ensure the continuity of business of the domestic industry.
- ii. The domestic industry has been incurring financial losses in the POI and such losses are continuing. As a small unit, the domestic industry has limited support system to sail through such losses created by dumping and it is very important that the remedial measure against dumping and injury is put in place at the earliest.
- iii. There are certain comments on the initiation and petition filed by Wacker Chemicals Co Ltd China PR and Wacker Metroark Chemicals Private Ltd. The Group must be noted as non-cooperative as only submissions are made without filing any Responses which is apparently done to avoid sharing required data with the Authority.
- iv. It has been contended that there is some mismatch in the profitability claims made by the petitioner in its financial statement and that submitted in the petition. The profitability provided in the petition pertains only to the domestic operation of the subject goods whereas the financial statement covers some other products also. The reconciliation of the figures is part of the costing formats and the mismatches as insinuated are nonexistent.
- v. It has been contended that the petitioner cannot meet the demand for the product in India. The issue has no merit. Even though the capacity available in India is not sufficient to meet the Indian demand, the fact of the matter is that the actual capacity utilization by the petitioner and also Indian industry as such has been less than 25% which means about 75% of Indian capacity have been idle in a growing market. It is a settled jurisprudence that the demand - supply gap cannot justify dumped imports and ruling of the Hon'ble CESTAT in *DSM Idemitsu Ltd Vs Designated Authority* matter is applicable in this matter also. The present case is not about demand supply gap, but about the inability of the Indian producers to utilize their capacity.
- vi. It has been contended that the case should not have been initiated based on the information contained in the application. The contention has no evidentiary value. The petition contained all relevant information as required under the rule to initiate an ADD investigation and also to recommend adequate ADD on dumped imports of subject goods which has dismantled the domestic production base of subject goods in India.
- vii. It has been contended that the levy of the ADD will lead to monopoly of the petitioner and will be against public interest. The claim made by the exporter shows their inclination to dump the material in India and that can be done only when there is no ADD. It is only a misconception that ADD will lead to monopoly of a party or shall be against public interest. The settled jurisprudence governing ADD investigation in India and elsewhere has no space for such misconceptions and misinformation.

Examination By The Authority

57. The Authority has considered the views of the interested parties, as follows;

- i. With reference to the argument of demand-supply gap, the Authority considers that a gap in demand and supply cannot be a reason for depriving the domestic industry from seeking redressal against dumped imports causing injury. It is noted from the facts of the present case that the demand for the product during the POI was *** MT against which the production of the domestic industry has been *** MT wherein the capacity available with the petitioner/domestic industry is noted *** MT. It is further noted that there are four more producers of the subject goods in India and the total Indian production have been claimed as *** MT and the total Indian capacity have been claimed as *** MT during the POI. Thus, the Indian production and the total available capacity was not sufficient to

meet the entire Indian demand during the POI. However, the Authority notes in this regard that substantial part of the available capacity for the product in India have been significantly underutilized during the POI as evident from the 22% capacity utilization by the domestic industry.

- ii. With regard to the claim made by other interested parties that due to pandemic, slow down in real estate and availability of cheaper substitute products, the demand of the subject goods declined, the Authority notes that the demand increased in the POI.
- iii. With regard to the contention that the petitioner has not brought forth any substantive evidence to establish the conditions for initiation of the anti-dumping investigation, it is noted that the case was initiated after satisfying those sufficient evidences as required under the rules were available to justify the initiation.
- iv. With regard to the contention that there are differences in the profitability of the petitioner as reported in annual report and the petition, it is noted that the profitability and other claims were subjected to verification through remote cross check and scrutiny, and only such verified data pertaining to the subject goods alone is considered for the present statement.
- v. With regard to the contention that Wacker Chemicals Co Ltd China PR and Wacker Metroark Chemicals Private Ltd should be treated as non-cooperative, the Authority notes that Wacker Chemicals Co Ltd China PR and Wacker Metroark Chemicals Private Ltd have not filed any Response and filed only comments on the investigation. However, as per the consistent practice of the Authority, the submissions of the said parties is considered and addressed to the extent found relevant in this investigation.
- vi. With regard to the contention that ADD will lead to monopoly of the petitioner and any such measures shall be against the public interest, it is recognized that the imposition of anti-dumping duty might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of this product. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measure, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measure would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline in the performance of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

G. MARKET ECONOMY TREATMENT (MET), NORMAL VALUE, EXPORT PRICE & DETERMINATION OF DUMPING MARGIN

Submissions Made By The Domestic Industry

58. The following submissions have been made by the domestic industry:

- a. China PR should be treated as a non-market economy country and normal value in case of the producers/exporters from China PR should be determined in accordance with para-7 read with para 8 (2) and (3) of Annexure I of the Rules. In terms of Para8 in Annexure 1 to the Rules, it is presumed that the producers of the subject goods in China PR are operating under non-market economy conditions. Therefore, normal value of the subject goods in China PR has been estimated in terms of Para 7 of Annexure 1 to the Rules.
- b. The petition shows very significant dumping taking place in this product from China PR and the dumping margin was in the range of 90-110% as provided in the petition.
- c. Large number of new and existing producers of the subject goods is competing to dump the product in large market like India and the same is reflected in the magnitude of dumping margin.
- d. Dumping is apparently adopted as a strategy to decimate the Indian production base for PUC itself and it should be noted that the import price from China PR have been at a rate much lower rate than the import price of significant import from other countries at non injurious level also.
- e. None of the responding producers/exporters from China PR have rebutted that NME presumption by filing the applicable Questionnaire. Determination of normal value for China PR in terms of paragraph-7 of Annexure I of the Rules is essential in view of this fact alone.
- f. EQR filed by Shandong Dongyue Silicone Material Co., Ltd, who has apparently commenced production of PUC in the year 2018-19, shows only 4 transactions involving export of PUC to India

in Appendix-3A. If the actual exports also show very small volume, which is not commercial in nature, no individual margin should be granted for the company. Reliance is placed on the finding in ‘*All Fully Drawn or Fully Oriented Yarn / Spin Draw Yarn / Flat Yarn of Polyester (nontextured and non-POY) SSR ADD*’ matter.

- g. Responses have been filed by Hangzhou Joinleader New Materials Co., Ltd, Exporter, Anhui join leader new materials technology co., ltd, Producer and Grindwell Norton Ltd, importer and these parties are related parties. However, it is stated at Section D. Q.5 of the response of the producer that the producer Anhui join leader new materials technology co., ltd. started production since May 2020 only which is after the POI of the present matter. If that is the case, who is the producer of the subject goods which have been exported by Hangzhou Joinleader New Materials Co., Ltd is not clear. Since, the producer started production only after the POI, no margins can be determined for the producer and the exporter will have to show the value chain from producer if it has to claim individual margin.
- h. It has been contended that the methodology adopted by the petitioner to determine normal value is inconsistent with the provisions of the AD rules. The claim has no basis. The normal value claimed has been as per the rules only and the party has not shown which rule is violated other than making sweeping comments. Nor there is any normal value provided on alternative basis by the party other than making wild arguments. It is also contended that that the Petitioner’s costs of production are bound to be high on account of its inefficient utilization of capacity for producing the PUC. It may be noted in this regard that the utilization is low because of dumping and the situation of the DI needs to be assessed in actual conditions and not based on any ideal situation as ruled by Hon’ble CESTAT in *Nippon Zeon* matter. The cost incurred by the petitioner is true cost and contentions to the contrary must be rejected.
- i. Producers/exporters have questioned treatment of China PR as NME country. The claims have no legal sanctity and it is settled jurisprudence now that China PR continues to be an NME and it is for the producers/exporters from China PR to refute the presumption of NME. None of the responding parties from China PR has made any MET claims and normal value for China PR should be determined by applying NME principles as being consistently done by the Authority. The Authority so far and till present time, treated China PR as an NME and the present case is not any exception. Also, the treatment of China PR as NME country is not overruled by WTO and the practice followed by the Authority is permissible under the Indian Rules.
- j. It has been contended that a segmented analysis/PCN should be conducted for the assessment of dumping and injury. The claimant parties have not shared its cost and price details to show existence of significant cost and price difference between different alleged types of PUC. In the absence of any evidences to support the claims for segment/PCN analysis in view of the thresholds set in matters like *Black Toner Case* and *Soda Ash case* as cited, the unsubstantiated claim for segment wise analysis of dumping should be rejected.
- k. With regard to the contention that no reason has been given by the Petitioner in not determining normal value on the basis of either (i) price or constructed value in a market economy third country; or (ii) price from such a third country to other countries, including India, it may be noted that it was submitted in the petition itself that no such information is available.
- l. It has been contended that Complainant has simply made the non-refundable VAT adjustment without any explanation. Explanation is provided in the petition and such adjustments are consistently made in case of exports from China PR and it is a settled practice that VAT adjustments are made even when the normal value is not determined based on domestic price. Evidences have been provided to the extent feasible for other adjustments claimed from export price also.

Submission Of Other Interested Parties

- 59. The following submissions have been made by the other interested parties concerning determination of normal value, export price and dumping margin:-
 - i. Both the group companies namely, Zhejiang Joinleader Silicon Co Ltd and Anhui Join Leader New Material Technology Ltd are entitled to individual duties as per the consistent practice of the Authority to grant individual treatment to group companies irrespective of whether they had exported to India during the period of investigation or not.

- ii. As regards the claim of dumping, the export price pertaining mainly to general-purpose acid cure (acetoxy) silicone sealants has been compared with the normal value of a highly costly and specialized MS sealant.
- iii. In order to ensure fair comparison for the dumping and injury margin calculation purposes, DGTR should (i) exclude MS Sealants from the product scope as these are not silicone sealants, and (ii) establish consistent PCNs or undertake a segregated analysis for the two/three sealant categories.
- iv. The continued treatment of China as a non-market economy, pursuant to Paras. 7 and 8 of Annexure I of the AD Rules, is WTO-inconsistent. DGTR may investigate the details of the product for which the Complainant has provided the constructed normal value. In any event, should the normal value for China be constructed on the basis of the production costs of the Complainant, then, the costs for the right sealant type should be used for comparison with the export price.
- v. The Complainant did not provide any sort of evidence supporting the continued treatment of China as a NME. The mere reliance on the NME treatment of China by the EU, USA and Australia does not establish that China is a NME. In any event, strictly speaking, since December 2017, China has been excluded from the EU's list of NMEs. In fact, the EU no longer uses the NME approach in AD cases against WTO members.
- vi. With regard to the establishment of the export price, the Complainant has adjusted the import volumes and values but no explanation of the detailed changes to this effect has been provided. Therefore, the DGTR may cross-check that calculation in depth. Also, the Complainant has simply made the non-refundable VAT adjustment without any explanation and the credit cost reduced is high when compared to the short-term borrowing rate in China and interest is also added in the normal value by increasing it.
- vii. The Complainant has reduced the export price for ocean freight, inland freight charges, handling and loading charges as well as documentation charges without any justification and source of the amounts deducted.
- viii. Paragraph 7 of Annexure-I of the AD Rules prescribes a hierarchy of the methodologies to be followed in the determination of the normal value. The third methodology may be resorted to only when the first two methodologies cannot be resorted to. Therefore, it is impermissible in law for the Petitioner to directly resort to the third methodology when the applicability of the first two methodologies have not been exhausted by the Petitioner.
- ix. No reason has been given by the Petitioner in not determining normal value on the basis of either (i) price or constructed value in a market economy third country; or (ii) price from such a third country to other countries, including India.
- x. The Petitioner's costs of production are bound to be high on account of its inefficient utilization of capacity for producing the PUC. This would present an inflated dumping margin which would not be consistent with the provisions of paragraph 7. For this reason, the Authority is requested to reject the Petitioner's attempt to determine normal value on the basis of its costs of production. The Petitioner may be directed to first determine normal value on the basis of the hierarchy of methodologies prescribed in paragraph 7
- xi. MS Polymer-S is seen as part of constructed normal value. MS Polymer is a costly raw material used for certain types. Two major core components that are used to produce silicone sealants are Cyclic Dimethyl Siloxane Silicone Rubber (DMC) (Not used for MS polymer production process) and Nano precipitated calcium carbonate ("NPCC") or Fumed Silica. Thus, the petitioner substituted cost of higher-grade product on lower grade product to justify injury claim.
- xii. The exporter from China PR is surprised to note that the Indian Investigating Authority has issued a separate questionnaire to exporters from China PR seeking voluminous information with regard to claims of Market Economy status. China PR had been treated as a Non-Market Economy country by India in the past. It is submitted that in accordance with relevant provisions of the Protocol on China's accession to the WTO, the "surrogate country" practice in Anti-Dumping actions should be lacking in multilateral legal basis since 11th Dec, 2016.

Examination By The Authority

Normal Value

60. Under Section 9A (1)(c), normal value in relation to an article means:

(i) *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*

(ii) *when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either—*

(a) *comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under subsection (6); or*

(b) *the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):*

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

61. The Authority sent questionnaires to the known producers/exporters from the subject country, advising them to provide information in the form and manner prescribed by the Authority. The following producers/exporters have filed the response in the prescribed exporter questionnaire responses:

- a) Hangzhou Joinleader New Materials Co., Ltd
- b) Anhui Joinleader new materials technology co., ltd.
- c) Shandong Dongyue Silicone Material Co., Ltd.,

Market Economy Status for Chinese Producers

62. Article 15 of China's Accession Protocol in WTO provides as follows: “Article VI of the GATT 1994, the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 (“Anti-Dumping Agreement”) and the SCM Agreement shall apply in proceedings involving imports of Chinese origin into a WTO Member consistent with the following:

(a) *“In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following Rules:*

- (i) *If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;*
- (ii) *The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.*

(b) *In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO Member may then use methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable, the importing WTO Member*

should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China.

(c) *The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.*

(d) *Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provisions of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO Member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the nonmarket economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector."*

63. It is noted that while the provision contained in Article 15 (a) (ii) have expired on 11.12.2016, the provision under Article 2.2.1.1 of WTO read with obligation under 15 (a) (i) of the Accession protocol require criterion stipulated in para 8 of the Annexure I of the Rules to be satisfied through the information/data to be provided in the supplementary questionnaire on claiming the market economy status. It is noted that since the responding producers/ exporters from China PR have not submitted response to questionnaire in the form and manner prescribed, the normal value computation is required to be done as per provisions of para 7 of Annexure I of the Rules.

64. Accordingly, the normal value for all the producers/exporters from the subject country have been determined as below.

Normal Value for all Producers in China PR

65. As none of the producers from China PR have claimed determination of normal value on the basis of their own data/information, the normal value has been determined in accordance with para 7 of Annexure I of the Rules which reads as under:

In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Account shall also be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

66. The Authority notes that normal value could not be determined on the basis of prices or constructed value of the product in an appropriate market economy third country or the prices from such third country to other countries, as the relevant information has neither been made available by the Applicant or an interested party, nor is available with the Authority from any public source. Even though there are imports from other countries into India, since this product does not have a dedicated classification, it would not be appropriate to consider price from market economy third country to India. Thus, the normal value can only be determined on the basis of price paid or payable in India, duly adjusted to include profit, which has been determined considering cost of production in India, after addition for selling, general & administrative expenses and reasonable profits. The Authority has thus constructed the normal value based on the optimised cost of production, considering prices of major raw materials and other costs paid in India, as per facts available. Further, reasonable profit has been added to the cost of production for the purpose of determination of normal value. The normal value has been determined for all producers and exporters from China PR, and are mentioned in the dumping margin table.

Determination of Export Price for cooperating producers and exporters

i. Export Price

a) Hangzhou Joinleader New Materials Co., Ltd and Anhui Joinleader new materials technology co., Ltd.

67. From the exporters' questionnaire response of Anhui Joinleader New Materials Technology Co., Ltd. who is the producer of subject goods, and Hangzhou Joinleader New Materials Co., Ltd. who is the exporter of the subject goods, it is noted that during the POI they have exported *** MT to India. Out of this *** MT, they have exported *** MT to related parties and remaining *** MT to unrelated parties in India. The Authority has verified the data through remote cross check, and other supporting documents. The producer / exporter has claimed adjustments on account of inland freight, overseas freight, marine insurance, bank charges, and port charges, and the same have been allowed. Accordingly, the export price determined is provided in the dumping margin Table.

b) Shandong Dongyue Silicone Material Co., Ltd.,

68. Shandong Dongyue Silicone Material Co., Ltd. is a company limited by shares under China's law. None of the owner/principal shareholders are related to any other company engaged in production and sale of the product under investigation. Shandong Dongyue Silicone Material Co., Ltd. has reported export of the subject goods to India during the POI. The goods have been sold directly to customers in India. The sales to Indian customers are on CIF basis. The company has exported *** MT of subject goods to India during the POI. The producer has claimed adjustments on account of ocean freight, insurance, inland transportation, port charges, credit cost, packing expenses and bank charges.

69. In this regard, the Authority notes that the exporter has exported the PUC in bulk whereas the product is sold in domestic market in packed form. Under these circumstances, the exporter has claimed adjustment of packing expenses while calculating the net export price.

70. The Authority for the purpose of determining the dumping margin, has, accordingly adjusted the constructed normal value to take into account the packing expenses. The Dumping Margin determined in as shown in the Dumping Margin Table.

Determination of Normal Value and Export Price for all non-cooperating Producers and Exporters in China PR

71. The normal value and export price for other non-cooperating exporters from China PR has been determined as per facts available taking into account the data examined for the co-operating exporters and the same is mentioned in the dumping margin table.

Dumping Margin

72. Considering the normal value and export price for subject goods, the dumping margins for the subject goods from subject country have been determined as follows;

Dumping Margin Table

S.No	Country	Producer	Normal Value US\$/ MT	Net Export Price US\$/ MT	Dumping Margin US\$/ MT	Dumping Margin %	Dumping Margin (Range %)
1	China PR	Anhui Joinleader new materials technology co., Ltd	***	***	***	***	20-30
2	China PR	Shandong Dongyue Silicone Material Co., Ltd.	***	***	***	***	30-40
3	China PR	Any other producer	***	***	***	***	40-50

H. INJURY ASSESSMENT AND CAUSAL LINK

Submissions made by the domestic industry

73. The following submissions have been made by the domestic industry:

- i. The facts of the present case shows that the domestic industry has suffered material injury in the present matter as narrated in the petition.
- ii. Dumped imports disrupted the market share of the domestic industry.
- iii. Though the market share of supporting producer increased between the period 2018-19 and POI, the same is not indicative of any trend as the actual sale of the party is very low. The company started production only in 2018-19 and the support by the said party itself shows the said supporter was also impacted because of dumped imports.
- iv. Market share gain by the dumped imports created volume injury on the domestic industry. Increase in market share of the dumped imports created volume effect on the domestic industry and domestic industry lost market share to such dumped imports and as a cascading effect suffered volume injury. Volume injury in the present case lies in the fact that even after a decade into production, the domestic industry could not even achieve 25% capacity utilization in the injury period and such suboptimal utilization when the product has had significant demand shows volume injury on account of dumped imports.
- v. Core price and other injury parameters also show that the domestic industry (DI) suffered material injury. While the cost of sales of the DI increased from 100 basis indexed points to 118 points which is normal, the selling price moved from 100 basis points to 103 points only.
- vi. The per unit profitability moved from 100 to -15 and PBIT moved from 100 to -3 basis points and such fall in profitability impacted the ROCE also and the ROCE moved from 100 basis points in the base year to -3 points in the POI. Cash profit also showed a sharp decline from 100 to 17 points in the POI. The fact that the petitioner could not increase the prices to desired level in a situation of increasing cost shows price suppression effects on top of significant price undercutting evident in the matter.
- vii. It is also very evident that the petitioner registered negative growth in all core parameters and such negative growths when the demand was increasing significantly shows the adverse effects of dumped imports.
- viii. Parameters such as employment level also declined though the petitioner has the potential to employ more. However, there improvement in productivity per day and per employee which shows decline in productivity was not the cause of injury.
- ix. The causes of injury to the DI have been dumped import alone and the same is evident from the movement in landed price and price undercutting.
- x. It has been argued cunningly by opposing parties that landed price from China PR increased and such price after increase cannot be the cause of injury. The contention is completely misleading.
- xi. It is also pertinent to note that the NSR of the DI is not any abnormally high or so leading to such under cutting. Substantial imports from other countries have also been taking place at much higher prices than China PR and what is very evident is that dumped prices have been offered by China PR to decimate petitioner and also other fair imports taking place in India so as to capture entire market share for the product in India.
- xii. The Authority may conclude that dumping is very evident in the exports of subject goods from China PR to India and the domestic industry concerning the subject goods has suffered material injury and there is causal link between such dumping and injury and accordingly recommend anti-dumping duties at the earliest in this matter.
- xiii. It has been contended by opposing parties that there is no causal link between injury and imports. The facts of import price shows that the cause of injury to the DI has been landed price of dumped imports and undercutting and underselling which alone establish causal link. Even though the landed price increased over the base year, the landed price in actual terms was much lower than the NSR of the DI. The petitioner was not in losses in the base year when the price undercutting was significant

for the reason that the volume of import at that point in time was 1742 MT only. By the POI, dumped imports more than doubled and the undercutting effects with such high volume had an even severe effect on the DI. Thus, the causal relation between landed price of imports and injury to the DI is well established beyond any doubts in this matter.

- xiv. The contention that the injury to the DI was on account of other factors which is not substantiated and not true. The opposing parties failed to answer the reason for import of PUC at very low price from China PR which has caused injury to the DI. The utilization of the producer remains below 25% due to presence of dumped imports. There are no other reasons shown by the party which shows injury was on account of some other reasons only.
- xv. It has been contended that there are serious performance and manufacturing issues concerning products manufactured by the domestic industry and the same is the cause of injury. The Hon'ble CESTAT in the case of *Automotive Tyre Manufacturers' Association (ATMA) vs. Designated Authority* had held that the process of manufacture and quality are not relevant factors under anti-dumping law and the said decision is applicable in the present matter also. Thus, the quality issues cited are not the cause of injury.
- xvi. It has been contended that the injury to the petitioner is due to fire at petitioner's factory premises. Fire in our plant was an unfortunate incident and is part of the use of Hydrogen Gas but the same was not the cause of injury. The damage on account of the same is separately provided for in the books and it is baseless to say that the injury as claimed has been on account of a fire incident.
- xvii. It has been contended that the cause of injury is increase in share of other producers which is only a frivolous argument. The sales by the other parties have been very low and the market share was lost to dumped imports. It is a baseless assertion that one time installation of capacity anticipating demand is the cause of injury.
- xviii. It has been contended that the statements of the petitioner on its LinkedIn page posted on 15 November 2018 says that "*in India, Alstone has seen a rapid increase in its market share which is reflection of its growing demand and conviction among customers that it is the best product.*". The statement on LinkedIn does not vitiate the claims in the petition. The Company was growing and making some profits till recent years and it suffered losses in the POI and the LinkedIn post pertains to good times which were spoiled by dumping practiced by producers in China PR.
- xix. It is already demonstrated that none of the opposing parties including could show the need for segment analysis. The onus of showing the need for such analysis cannot be shifted to the petitioner.

Submissions made by other interested parties

- 74. The submissions made by the other interested parties have been as follows:
 - i. A proper analysis of the injury parameters would reveal and establish that applicant did not suffer any injury, let alone material injury. The injury parameters show improvement from the base year as well as from the preceding years. The applicant failed to show any dumping and consequent injury as per the requirements of Annexure II, paragraphs (ii) and (iv).
 - ii. The marginal increase in imports was on account of demand supply gap. Even the marginal decline of 4% in domestic sales during the POI is on account of the phenomenal increase of 427% in the sales of the so-called supporting company in the same period. Even the sales of the other producers have increased by 19%.
 - iii. It may be appreciated that the landed price of the subject goods has increased by 45% i.e. from Rs 101.75/Kg in the base year to Rs 147.94 in the POI. Such significant increase in the landed price cannot be a cause for dumping especially when the selling prices were not affected to the same extent. Thus, it is incorrect to say there was price injury.
 - iv. The provisions relating to assessment of injury specifically requires that the sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity should show a decline. However, the domestic industry has either seen significant increase with respect to capacity utilization, sales, output, market share, productivity, and return investment during the POI from the base year.

- v. There is no negative effect with respect to cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments as all such parameters have seen consistent improvement in the injury investigation period.
- vi. Injury, if any, suffered by the domestic industry is on account of other factors such as significant increase of share in sales by other producers, one time installation of capacity in anticipation of market share with appreciating challenges in the market on account of acceptability in the market and substitutes etc. decline in the demand and slow-down in the real estate sector and inventory position due to acceptance issues.
- vii. The Complainant's claims of injurious dumping are contradicted by its 15 November 2018 LinkedIn post noting that “[i]n India, Alstone has seen a rapid increase in its market share which is reflection of its growing demand and conviction among customers that it is the best product.” Additionally, there are three important points to note. First, three out of the five Indian producers of the PUC do not seem to have any problem with the Chinese imports. Second, if at all, as the complainant claims, the low-priced dumped Chinese imports destroyed the Indian producers' sales notably that of the Complainant, it would have made no economic sense for a new producer, i.e., HP Adhesives, to enter a battered Indian market. Third, if at all the Chinese imports are pulling down the market prices, then, it is highly questionable as to how third country imports that are competing in the same Indian market are being imported and sold at much higher prices and have managed to maintain a much higher total import share compared to the subject imports.
- viii. The effective increase in the volume of the subject imports could not have had any perceivable effect on the domestic industry/the complainant.
- ix. The price effects of the subject imports have been misrepresented by the complainant and are not based on a comparison of comparable products;
- x. In the context of the non-attribution obligation, the injury to the Complainant was on account of the following “other factors”: (a) the complainant's unreasonably high product costs and structural problems, (b) the lack of exports and export competitiveness of the complainant, and (c) the emergence of a new competitor on the Indian market.
- xi. Parallel claim of material injury and threat thereof demonstrates the insufficiency of evidence. To the extent that the Complainant claims that it is suffering both “material injury” and a “threat of material injury” simultaneously, the complaint is legally deficient and plainly reflects that in making an alternate claim, the Complainant was cognizant of the fact that it was not suffering material injury and thus could not have adduced sufficient evidence for this.
- xii. While the Complainant repeats that it lost sales due to undercutting by the subject imports, no evidence to the effect of loss of sales based on customer quotes, or market studies etc. have been provided by the Complainant. The bare statements by the Complainant cannot be taken on face value in the absence of positive evidence when in fact a new player, HP Adhesives, entered the Indian market and visibly is able to sell in spite of the presence of the Chinese imports.
- xiii. The Complainant did not take the differences in the product mix into account and similar to the claim of undercutting, the claim of suppression and underselling is not based on a comparison of comparable products.
- xiv. The subject import prices sharply increased over the IIP. In particular subject import prices increased by 67% in 2018-2019 and by 45% in the POI compared to 2016-2017. The import prices of silicone sealants from third country sources more or less followed the same trend of significant increase in prices as detailed in the chart below. However, the Complainant did not increase its sales prices.
- xv. The complainant and the domestic industry's production, production capacity and capacity utilization did not decrease while the inventory did.
- xvi. It is also reiterated that, at the level of the entire Indian industry manufacturing the PUC, the production capacity, production and capacity utilization have increased.
- xvii. The supposed decline in the complainant's market share can hardly be linked to the subject imports from China. The key aspect to be underlined is that, as was the case with production and sales, the market share of the Complainant has also been increasing with the increase in the subject imports in

2018-2019 and the POI. Thus, there is no correlation or coincidence between the development of the imports from China and the situation of the Complainant

xviii. Additionally, in 2018-2019, HP Adhesives started production and likely started selling in appreciable volumes by taking the advantage of the growing Indian market and took over sales from the Complainant. However, during the POI Indian demand fell by around 6%. Therefore, it is reasonable to infer that HP Adhesives took over the market share not only from the third country imports in the POI but equally from the other Indian producers namely the Complainant

xix. While the Complainant claims that it was unable to increase market prices in 2017-2018 and 2018-2019 due to the Chinese imports, factors like increase in price of imports disprove its claim. In the POI when the subject import prices from China declined by 12%, the Complainant increased its sales price.

xx. No information has been provided by the Complainant as regards the reasons for the high production costs over the past two years.

xi. It is deemed necessary to underline that, contrary to the claim of the complainant, it is not a single product company as is evident from its website. In fact, according to the website of the company, at the Kotputli plant, the complainant not only produces silicone sealants but also sheet glass.

xxii. DGTR should address the limited competitive overlap between the subject imports from China and the domestic like product produced and sold by the complainant, in the causation analysis. For this a product segment-based injury analysis is necessary.

xxiii. The other cause of injury are the complainant's unreasonably high product costs and structural problems, The lack of exports and export competitiveness of the Complainant, the emergence of a new competitor on the Indian market

xxiv. MS Polymer-S is only required for manufacturing certain types of Silicone Sealants. Incidentally, MS Polymer-S is a high-cost raw material. The Petitioner however has claimed this high cost of production for the entire basket of silicone sealants produced by it.

Examination by the Authority

75. The Authority has taken note of various submissions of the domestic industry and has analyzed the same considering the facts available on record and applicable laws. The injury analysis made by the Authority hereunder *ipso facto* addresses the various submissions made by the interested parties. However, with regard to the contention of the opposing parties that the cause of injury is the fire at the factory of the petitioner, the Authority notes that the losses on account of a fire incident was separately provided in the annual accounts of the petitioner by the Auditor and the losses accorded for such incident is not included in the cost of production for the purpose of NIP.

76. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “*.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....*”. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, inventory, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the Anti-Dumping Rules.

77. With regard to the contention of the opposing parties that the cause of injury is the fire at the factory of the petitioner, the Authority notes that the losses on account of a fire incident was separately provided in the annual accounts of the petitioner by the Auditor and the losses accorded for such incident is not included in the cost of production for the purpose of NIP.

78. With regard to the submission that the Authority must modify the practice of applying 22% ROCE keeping in view existing tax and interest rate structure, it is noted that the 22% ROCE allowed for

the purpose of NIP determination is as per the consistent practices in the Department and such practice is considered as appropriate in the present matter also.

79. With regard to the submission that the assessment of injury should be made on a product segment basis, it is noted that the products covered do not show any significant cost and price difference and in view of the same examinations on an average basis in terms of weight of the product is considered as an appropriate methodology.
80. It is also noted that the contentions of the opposing parties as captured herein above are on the claims of injury by the domestic industry and such contentions are addressed ipso facto here under while examining the injury parameters and in view of the same contention on injury is not being addressed separately for the sake of brevity.
81. With regard to the contention that in the POI when the subject import prices from China declined by 12%, the complainant increased its sales price, the Authority notes that the landed price has been much below the selling price of the domestic industry as well the cost of sales throughout the Injury Investigation Period.

i. Volume Effect of Dumped Imports on the domestic industry

a. Assessment of Demand/Apparent Consumption

82. The Authority has taken into consideration, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources. The demand so assessed has increased during the injury period.

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (POI)
Imports from China PR (Subject Country)	MT	1,742	2,994	3,648	3,726
Trend	Indexed	100	172	209	214
Total Imports from Other Countries	MT	3,982	5,414	5,612	4,630
Total Imports into the Country	MT	5,724	8,408	9,260	8,356
Domestic Sales of Petitioner	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	95	123	119
Domestic Sales of Supporter	MT	-	-	***	***
Trend	Indexed	-	-	100	527
Domestic Sales of Other Producers	MT	335	300	370	400
Trend	Indexed	100	90	110	119
Total Demand	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	141	158	148

83. As can be seen from the above table, demand for the subject goods in India during the POI has increased over the base year though there has been a decline of 10 index points between POI and previous year.

b. Import Volumes from subject country

84. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (POI)
Imports from China PR (Subject Country)	MT	1,742	2,994	3,648	3,726
Share of Subject Country in total Imports	%	30.43	35.61	39.40	44.60
Share of Other Countries in total imports	%	69.57	64.39	60.60	55.40
Total	%	100	100	100	100

85. It is seen that dumped imports of the subject goods from the subject country has increased from 1742 MT in the base year to 3726 MT in the POI. In terms of percentage, the share of dumped imports from subject country in overall imports into India increased from 30.43% in the base year to 44.60% in the POI while the share of imports from other countries decreased from 69.57% in the base year to 55.40% by the POI.

c. Subject Country Imports in relative terms

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (POI)
Total Imports from Subject Country	MT	1,742	2,994	3,648	3,726
Total Demand	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	141	158	148
Production of Domestic industry (DI)	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	89	112	118
Imports from subject country relative to Indian consumption	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	123	132	138
Imports from subject country relative to production of DI	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	192	187	181

ii. Price Effect of the imports on the domestic industry

86. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it is required to be analyzed whether there has been a significant price undercutting by the alleged dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices or prevent price increases, which otherwise would have occurred in the normal course. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from subject country has been examined with reference to price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis, the cost of production, net sales realization (NSR) and the non-injurious price (NIP) of the domestic industry have been compared with landed price of imports of the subject goods from the subject country.

a) Price Undercutting

87. For the purpose of price undercutting analysis, the net selling price of the domestic industry has been compared with the landed value of imports from the subject country. While computing the net selling price of the domestic industry all taxes, rebates, discounts and commissions have been deducted and sales realization at ex works level has been determined for comparison with the landed value of the dumped imports. Accordingly, the undercutting effects of the dumped imports from the subject country work out as follows:

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (POI)
Net Sales Realization	Rs./Kg	***	***	***	***
Landed Price	Rs./Kg	101.75	121.95	169.58	147.94

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (POI)
(LV)					
Price Undercutting	Rs./Kg	***	***	***	***
Price Undercutting	% of LV	***	***	***	***
Price Undercutting	Range	50-60	40-50	20-30	30-40

88. It is noted from the aforesaid table that imports from subject country have been entering Indian market at a price below the net sales realization of the domestic industry, resulting in positive price undercutting. It is further noted that though the landed price of imports had increased over the years, the gap between landed price of dumped imports and NSR of the domestic industry remained very significant.

b) Price Suppression/Depression

89. In order to determine whether the dumped imports are depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred in normal course, the changes in the costs and prices over the injury period, were compared in light of the landed price of dumped imports as below:

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (POI)
Cost of Sales	Rs./Kg	***	***	***	***
	Indexed	100	97	112	112
Domestic Selling Price	Rs./Kg	***	***	***	***
	Indexed	100	100	100	103
Landed Value-Subject Country	Rs./Kg	101.75	121.95	169.58	147.94
	Indexed	100	120	167	145

90. It is observed that cost of production has increased from 100 basis points to 112 basis points from 2016-17 to 2019-20 whereas the selling price has increased from 100 basis points to 103 basis points during this period. It is also noted that landed value during the injury period has remained very low as compared to cost of sales and domestic selling prices. Therefore, it is noted that the imports of subject goods from subject country are suppressing the selling prices of the domestic Industry as the increase in cost of sales is much more than increase in selling price of the domestic industry.

iii. Economic Parameters of the domestic industry

91. Annexure-II to the Anti-Dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of dumped imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of dumped imports on domestic producers of such products, the Anti-dumping Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

92. While disclosing the essential facts on injury and causal link, the Authority has also examined the injury parameters objectively taking into account various submissions made by all the interested parties so far in this investigation so as to address all such submissions as well.

a) Production, Capacity, Sales and Capacity Utilization

93. The performance of the domestic industry with regard to production, domestic sales, capacity and capacity utilization was as follows:

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (POI)
Installed Capacity	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	100	100
Production	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	89	112	118
Capacity Utilization	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	89	112	118
Domestic Sales	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	95	123	119

94. It is noted that while the capacity remained constant over the injury period, production and capacity utilization increased over the injury period. Sales of the domestic industry, however, declined slightly in the POI over the immediate previous year.

95. It is further noted in this regard that though core volume parameters have shown some increases over the years, the increase was not commensurate with the increase in overall demand, and actual capacity utilization figures of the domestic industry remained very less. It has been contended by the domestic industry that the underutilization of the capacity in growing market is a serious concern for the industry and it has been requested that the below par utilization of the capacity in a robust market must be considered as an indicator of volume injury.

96. It is seen that the dumped imports from subject country in relation to production and demand/consumption in India increased between base year and the POI.

d. Market Share in Demand

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (POI)
Imports from China PR (Subject Country)	MT	1,742	2,994	3,648	3,726
Trend	Indexed	100	172	209	214
Total Imports from Other Countries	MT	3,982	5,414	5,612	4,630
Total Imports into the Country	MT	5,724	8,408	9,260	8,356
Domestic Sales of Petitioner	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	95	123	119
Domestic Sales of Supporter	MT	-	-	***	***
Trend	Indexed	-	-	100	527
Domestic Sales of Other Producers	MT	335	300	370	400
Trend	Indexed	100	90	110	119
Total Demand	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	141	158	148
Share in Indian Demand that of;					
Imports from China PR (Subject Country)	%	***	***	***	***

Trend	Indexed	100	122	133	145
Total Imports from Other Countries	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	97	89	79
Total Imports into the Country	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	104	103	99
Domestic Sales of Petitioner	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	68	78	81
Domestic Sales of Supporter	%	***	***	***	***
Trend	Indexed			100	561.6
Domestic Sales of Other Producers	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	64	70	81
Domestic sales of Indian producers	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	66	80	109

97. The Authority notes that the market share of the subject imports has increased between the base year and POI from 100 basis indexed points to 145 indexed points in the POI. However, the share of the domestic industry in demand has declined in the same period from 100 indexed points in the base year to 81 indexed points in the POI.

98. The petitioner has claimed that the decline in market share of the domestic industry at a time when there has been an increase in demand can be related to the increase in share of dumped imports alone in the same period.

b) Profitability, return on investment and cash profits

99. Profitability, return on investment and cash profits of the domestic industry over the injury period is given in the table below: -

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (POI)
Profit/Loss	Rs. Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	132	5	30
Profit/(Loss) before Int. & Tax (PBIT)	Rs. Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	124	14	37
Cash Profit	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	112	33	52
Average Capital Employed	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	98	120	119
Return on Capital Employed	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	120	14	37

100. From the above table, it is noted that the profit of the domestic industry increased till 2017-18, then declined sharply in 2018-19 and then improved in the POI. Similar trend is observed in cash profits and Return on Capital Employed.

c) Employment, productivity and wages

101. Employment, productivity and wages of domestic industry over the injury period are given in the table below.

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (POI)
Employment	Nos	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	88	98	96
Wages	Rs. Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	116	137	133
Productivity per employee	MT/Person	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	101	114	123

It is noted that:

- There was not much change in the employment situation during the injury period.
- Wages per unit have increased over the injury period.
- Productivity of the domestic industry, however, have increased over the injury period and was at the highest level during the POI.

d) Magnitude of Dumping Margin

102. Magnitude of dumping is an indicator of the extent to which the imports are being dumped in India. The investigation has shown that dumping margin is positive and significant in the investigation period.

e) Inventories

103. Inventory position with the domestic industry over the injury period is given in the table below:

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (POI)
Inventory	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	122	77	67

104. It is noted that inventory with the domestic industry declined by the POI viz. the base year.

f) Growth

105. The Authority notes that growth of the domestic industry with regard to volume parameters like production, capacity utilization and inventory have been positive but sales volume and price parameters such as profits, return on investment and employment have been declining and the growth was negative during the POI as can be seen from the table below;

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (POI)
Production	%	-	(10.57)	25.42	5.16
Sales Volume Domestic	%	-	(5.10)	29.87	(3.23)

Capacity Utilization	%	-	(10.57)	25.42	5.16
Inventory	%	-	22.46	(37.32)	(13.07)
Employment	%	-	(11.76)	11.11	(2.00)
Selling Price Per KG	%	-	0.46	(0.09)	2.82
Cost of Sales Per KG	%	-	(3.38)	16.12	0.03
Return on Capital Employed	%	-	20.48	(88.22)	161.83
Profit per Unit	%	-	31.65	(96.55)	561.86
PBIT Per Unit	%	-	24.49	(88.92)	168.33

106. It is noted that key injury parameters registered positive growth in the POI except domestic sales volume, inventory and employment.

g) Ability to raise capital investments

107. The Authority notes that the domestic industry has made capital investments to set up the plant to produce the subject goods. However, the performance of the domestic industry has deteriorated during the injury period, though its performance has improved during the POI as compared to previous year. It is noted that the domestic industry is a multi-product company and therefore ability to raise capital investment is not governed based on the performance of the product under consideration (PUC) alone.

h) Factors affecting domestic prices

108. The examination of the import prices from the subject country, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market, etc. shows that the landed value of imported material from the subject country is below the selling price and cost of sales, causing significant price undercutting, and price suppression. It is also noted that the demand for the subject goods was showing significant increase during the injury period and therefore it could not have been a factor affecting domestic prices. Thus, it can be noted that the principal factor affecting the domestic prices is the dumped imports of subject goods from subject country.

i) Magnitude of Injury Margin/Price Underselling

109. The Authority has determined Non-Injurious Price (NIP) for the domestic industry on the basis of principles laid down in the Rules read with Annexure III, as amended. The non-injurious price of the product under consideration has been determined by adopting the information/data relating to the cost of production provided by the domestic industry and duly certified by the practicing cost accountant for the period of investigation. The non-injurious price has been considered for comparing the landed price from the subject country for calculating injury margin. For determining the non-injurious price, the best utilisation of the raw materials by the domestic industry over the injury period has been considered. The same treatment has been carried out with the utilities. The best utilization of production capacity over the injury period has been considered. It is ensured that no extraordinary or non-recurring expenses were charged to the cost of production. A reasonable return (pre-tax @ 22%) on average capital employed (i.e. average net fixed assets plus average working capital) for the product under consideration was allowed as pre-tax profit to arrive at the non-injurious price as prescribed in Annexure III of the Rules and being followed. Separate NIP has been determined for each type of the product.

110. For all the non-cooperative producers/exporters from the subject country, the Authority has determined the landed price based on facts available.

111. Based on the landed price and non-injurious price determined as above, the injury margin for producers/exporters has been determined by the Authority.

Injury Margin

S. No	Country	Producer	NIP US\$/MT	Landed Value US\$/MT	Injury Margin US\$/MT	Injury Margin %	Injury Margin % Range
1	China PR	Anhui Joinleader new materials technology co., ltd	***	***	***	***	10-20
2	China PR	Shandong Dongyue Silicone Material Co., Ltd.	***	***	***	***	20-30
3	China PR	Any other producer	***	***	***	***	20-30

I. NON-ATTRIBUTION ANALYSIS

112. As per the AD Rules, the Authority, *inter alia*, is required to examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors may not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, *inter alia*, the volume and prices of imports not sold at dumped prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry. It has been examined below whether factors other than dumped imports could have contributed to the injury to the domestic industry.

(i) **Volume and price of imports from third countries**

113. The imports from countries other than the subject country have been taking place at much higher price than the subject country and such prices cannot be considered to have adversely impacted the domestic industry.

(ii) **Export Performance**

114. The Authority has considered the data for domestic operations only for its injury analysis. In fact, there were no exports made by the domestic industry.

(iii) **Contraction in demand Changes in pattern of consumption**

115. It is noted that the demand of the subject goods has increased over the injury period. Thus, it can be noted that the injury to the domestic industry was not due to contraction in demand to any significant level.

(iv) **Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers**

116. The import of the subject goods is not restricted in any manner and the same are freely importable in the country. No evidence has been submitted by any interested party to suggest that the conditions of competition between the foreign and the domestic producers have undergone any change.

(v) **Developments in technology**

117. None of the interested parties have furnished any evidence to demonstrate significant changes in the technology that could have caused injury to the domestic industry.

(vi) **Changes in pattern of consumption**

118. The subject goods produced by the domestic industry and that imported into India are comparable and the end users find these goods interchangeable. Possible changes in pattern of consumption are not a factor that could have caused claimed injury to the domestic industry.

(vii) **Performance of the domestic industry with respect to other products**

119. The Authority notes that the performance of other products being produced and sold by the domestic industry has not affected the assessment made by the Authority of the domestic industry's

performances concerning the subject goods. The information considered by the Authority is with respect to the product under consideration only.

(viii) Productivity of the domestic industry

120. Productivity per employee increased by the POI. Thus, the Authority notes that deterioration in productivity has not been any cause of injury to the domestic industry.

Conclusions on injury and causal link

121. The following are conclusions in injury and causal link:

- a. The product under consideration has been exported from subject countries except at a price below the normal value, thus resulting in dumping
- b. Imports from subject country have increased in absolute terms and also in relation to production and consumption in India.
- c. The imports from subject country are undercutting the prices of the domestic industry.
- d. Both the selling price and cost of sales have increased during the injury period. However, the increase in selling price was not commensurate with the increase in cost evidencing price suppression. The landed price of imports which increased between base year and immediate previous year, declined significantly in the POI, and was all along less than cost of sales and domestic selling price of domestic industry.
- e. Though the landed price increased between base year and the POI, the difference in landed price and selling price of the dumped imports have been significant and such price difference has affected the domestic selling price.
- f. Production, sales and capacity utilization of the domestic industry has increased over the injury period though sales during the POI marginally declined over the immediate previous year. The capacity utilization of the domestic industry has been very low in the entire injury period.
- g. The performance of the domestic industry has significantly deteriorated in respect of profitability parameters and return on capital employed by the POI over the base year even though there were some upticks in these parameters during the POI viz. the immediate previous year. The fall in profitability of the domestic industry between base year and the POI have been very substantial.
- h. There is causal link between dumping of product under consideration from subject and injury to the domestic industry

J. POST DISCLOSURE COMMENTS

Submissions made by the domestic industry

122. The submissions made by the domestic industry are as follows

- a) The DI feels that the following items identified as non-PUC but fall well within the scope of PUC and the proposed exclusion can also lead to massive circumvention;
 - (i) Silicone Sealant used for car and bus windshield pasting
 - (ii) Silicone Sealant used for bus body pasting
 - (iii) Silicone Sealant used for building expansion joints
 - (iv) Industrial RTV Silicone Sealant
 - (v) Two-component Silicone Sealant

Silicone Sealant produced by the DI can be used for all such 5 applications and the Silicone Sealants for such applications are not any different product per se from what is defined as the PUC.

- b) It is also a fact that the complete end use of the product is not mentioned always when the product is imported and the product having description only as silicone sealants might cover the end uses like the 5 applications mentioned above since there are not any separate classification etc. for the import of silicone sealants meant for such applications.

- c) It is submitted that silicone sealants for such end uses were prevalent during the POI also and might have been declared as silicone sealants only and silicone sealant types suitable for such applications also have been produced and sold by the DI.
- d) Since the PUC as defined and the product produced by the DI covers Silicone Sealants for the 5 applications as provided above, we request the Authority to remove the name of above mentioned 5 types from the excluded applications at para 26 of the disclosure statement. It may be clarified that the PUC covers Silicone sealants for the above mentioned 5 applications.
- e) It will not be possible for the customs authorities to differentiate between PUC as defined and silicone sealants for the above 5 applications as the product is basically the same only.
- f) Silicone sealants for the above 5 applications are in fact covered in the scope of the PUC also for the very technical reason that none of the opposing parties have demonstrated that the silicone sealants for the above 5 applications are different products from the silicone sealants defined as the PUC to warrant such exclusions.
- g) NIP determined for product sold in bulk condition needs reconsideration. The NIP constructed for subject goods sold in bulk form does not carry any packing cost which is not the reality. The packing cost of subject goods in bulk cannot be zero as the bulk form also needs packing both primary in drums and secondary in pallets for transportation.
- h) The Authority cannot include the cost of packing in the NIP of bulk material as domestic industry has not sold any subject goods in bulk condition, the Authority must deduct cost of packing in terms of drums and wooden pallet from the landed value of bulk imports as an alternative so that an apple-to-apple comparison for the purpose of injury margin is carried out.
- i) The exporter must be directed to show verifiable export documents which contains the form of packing without any ambiguity.
- j) The Authority may confirm its views on dumping including NME treatment to Chinese producers/exporters.
- k) The facts as disclosed clearly show injury and causal link of the same to dumped imports and the injury margin is also significantly positive warranting recommendation of duties.

Submissions made by the other interested parties

123. The submissions made by the other interested parties are as follows:

- a) The Authority in its final findings should clarify the exclusion of 22 product types from the scope of the PUC and provide proper details to avoid any further confusion in the mind of DGTR as well as other interested parties
- b) The domestic industry does not manufacture the PUC but instead merely sources all the raw materials required for producing the PUC from outside India and blends them to obtain the PUC.
- c) The goods produced by the domestic industry and imported from China PR are not like articles in terms of the AD Rules nor are these two technically and commercially substitutable.
- d) The respondents humbly request the Authority to kindly relook at the calculations of landed value and injury margin based on exports made in bulk and packed form.
- e) Reference price duties would be most appropriate in current scenario.
- f) There is no correlation between the imports from China and the supposed injury to the complainant because as the subject imports from China increased, the complainant's economic situation improved.
- g) There is a global shortage of silicone sealants including in India and imports of silicone sealants into India from many sources have reduced/stopped. The result of these global developments is that the imports of silicone sealants from China have also reduced drastically since the initiation of the investigation and the prices of the subject product on the Indian market have significantly increased. These developments and their positive impact on the complainant should be taken into account.
- h) The methodology as well as the factual basis for the establishment of the residual duty rate and the residual dumping and injury is requested.

- i) The residual duty rate should be capped at the level of the cooperating Chinese exporting producer with the highest duty rate.
- j) The Authority is requested to conduct a physical/spot verification of the petitioner's factory/production premises to ascertain the quantitative and qualitative limitations of the petitioner with regard to the production of the PUC in India and their production process.
- k) The Authority is requested to confirm the 22 product exclusions proposed in the disclosure statement and also to mention the same below the duty table in the final findings and the customs notification. For the sake of clarification, the products to be excluded are the following as confirmed by the Authority in the disclosure statement:
 - i. Polyurethane Sealant
 - ii. Polyurethane Foam
 - iii. Polyurethane Foam Cleaner
 - iv. Solar Potting Silicone
 - v. Acrylic Sealant
 - vi. Acrylic Neutral Sealant
 - vii. Acrylic Weather Sealant
 - viii. Siliconised Acrylic Sealant
 - ix. RoHS grade Silicone Sealant
 - x. REACH grade Silicone Sealant
 - xi. Fire resistant/retardant Silicone Sealant
 - xii. Silicone Sealant used for car and bus windshield pasting
 - xiii. Silicone Sealant used for bus body pasting
 - xiv. Silicone Sealant used for building expansion joints
 - xv. MS Polymer based Sealant
 - xvi. Industrial RTV Silicone Sealant
 - xvii. High-temperature Neutral Silicone
 - xviii. Two-component Silicone Sealant
 - xix. Paintable Sealants
 - xx. Non-bleeding Weather Silicone
 - xxi. Insulating Glass Silicone
 - xxii. Nail free adhesive or Mirror fix adhesive
- l) The Authority is requested to verify, through on-site verification whether the petitioner is indeed *manufacturing* the PUC.
- m) Petitioner's standing to constitute a domestic manufacturer of the PUC is highly questionable since the petitioner is importing the bulk of the main raw materials from China PR and undertaking some minimal value addition to the same.
- n) There are many domestic producers of the PUC in India other than the petitioner, the supporter, and the three domestic producers identified by the petitioner. These include Accumetric Silicones Pvt. Ltd., Bostik India Pvt. Ltd., McCoy Soudal Sealants Adhesives & Foams Pvt. Ltd., Span Intermediaries Pvt. Ltd. and Smart-Bond Chemicals Pvt. Ltd. If the Authority factors the domestic production of the PUC by the other domestic producers, then the petitioner's share in total domestic production would be significantly lower than that noted by the Authority. On this basis, the petitioner would not have the necessary standing to constitute the domestic industry under Rule 2(b).
- o) We have provided evidence of the PUC produced by these other producers by way of product brochures, product photographs, screenshots from their websites.

- p) The Authority has also observed from the transaction wise import data that all 4 of the alleged manufacturers have imported the PUC during the POI, without further clarifying the quantum of imports.
- q) The Authority should at least disclose the range of actual production of petitioner and the total demand in India.
- r) Absence of response from the other producers or the Ministry does not preclude the Authority from considering the information submitted by the interested parties regarding the existence of other domestic producers of the PUC.
- s) The Authority is requested to include the other domestic producers within the scope of the PUC to ensure representativeness of the domestic industry.
- t) Having noted that that the Indian production and the total available capacity was not sufficient to meet the entire Indian demand during the POI, the Authority must give weightage to this demand-supply gap.
- u) The significant difference between the profitability data as reported by the petitioner in its petition and that recorded by the Authority in the disclosure statement with regard to the POI raises significant questions on the authenticity of the petitioner's data.
- v) There are serious performance and manufacturing issues concerning products manufactured by the petitioner such as delayed curing, pre-mature curing.
- w) Performance and manufacturing issues are not mere qualitative issues that are subjective in nature but one of serious shortcomings in the manufacturing and performance standards and that is objective in nature.
- x) If the Authority recommends imposition of anti-dumping duty, we request the Authority to recommend anti-dumping measure in the form of a reference price.
- y) There is no *significant* increase in the volume of imports. Increase in share of imports from the subject country vis-à-vis other countries is not a relevant criterion for determining volume effect.
- z) Increase in the volume of subject imports relative to demand in India must not be examined in isolation but in context of the increase in demand.
 - aa) Landed prices increased continuously and significantly throughout the injury period, except for the POI, and is close to fifty percent more than that in the base year.
 - bb) There is no price depression and suppression as the petitioner's domestic selling prices have increased in the POI.
 - cc) Petitioner's core economic parameters have improved over the injury period: production and capacity utilization are the highest in the POI.
 - dd) There is no correlation between the volume of subject imports and operational performance of the petitioner.
 - ee) There is no correlation between the movement in the petitioner's landed prices and price undercutting levels, and the operational performance of the petitioner.
 - ff) Decline in petitioner's market share is primarily because of the entry of the supporter.
 - gg) There is significant difference between the profitability data as reported by the petitioner in its petition and that recorded by the Authority in the disclosure statement with regard to the POI. This raises significant questions on the authenticity of the petitioner's data.
 - hh) Decline in inventory levels inspite of an increase in sales shows that the petitioner's supply is not able to keep up with demand.
- ii) One of the biggest reasons for the petitioner's financial losses in the POI was on account of a fire at its factory at Kotputli. The Authority has only observed the accounting treatment for such incident in the petitioner's books of accounts and has not appropriately assessed injury to the petitioner on account of such incident.

Examination by the Authority

124. The Authority has examined the post disclosure submissions made by the domestic industry, and the other interested parties representing exporting producers, exporters, importers and users, and notes that some of the comments are reiterations which have already been examined suitably and addressed adequately in the relevant paras of the final finding. The issues raised for the first time in the post-disclosure comments/submissions by the interested parties and considered relevant by the Authority are examined below:

a) The domestic industry has contended that the following items identified as non-PUC, fall well within the scope of PUC and the proposed exclusion can also lead to massive circumvention;

- (i) Silicone Sealant used for car and bus windshield pasting
- (ii) Silicone Sealant used for bus body pasting
- (iii) Silicone Sealant used for building expansion joints
- (iv) Industrial RTV Silicone Sealant
- (v) Two-component Silicone Sealant

b) In this regard, the Authority notes that the domestic industry had initially admitted the following in his letter dated 2nd April, 2021 which is as follows:

“Authority may please be noted that none of the above 22 items are included in PUC as well in the import data, the quantum of which is negligible.”

c) It is noted that 5 products as mentioned above were included in the 22 items for which the domestic industry had given the above said declaration. Thus, these 22 items were proposed to be excluded from the PUC in the disclosure statement based on the submissions made by the domestic industry. However, post issuance of disclosure statement, the domestic industry has stated that Silicone Sealant produced by DI can be used for aforementioned 5 applications also, and the Silicone Sealants for such applications are not any different product per se from what is defined as PUC.

d) The contention has been examined, and it is noted that the evidences on record do not indicate that these five products were produced and sold by the domestic industry during the POI.

e) The Authority, however, notes the concern of the domestic industry that exclusion of application-based products from the scope of PUC can also lead to circumvention of the measure.

f) Considering the apprehensions raised by the domestic industry that user-based exclusion of (i) Silicone Sealant used for car and bus windshield pasting, (ii) Silicone Sealant used for bus body pasting, (iii) Silicone Sealant used for building expansion joints may lead to circumvention of any measures by incorrect declaration about the end use, the Authority notes that the user based exclusion of (i) Silicone Sealant used for car and bus windshield pasting, (ii) Silicone Sealant used for bus body pasting, (iii) Silicone Sealant used for building expansion joints shall be strictly limited to imports by actual users only. After examination, the Authority holds that product exclusion with regard to below mentioned three items/products will be strictly limited to actual users only. The actual users shall provide declarations to customs at the time of import regarding bonafide usage in this regard. Actual users would also maintain the monthly record in the form of verifiable consumption register for presentation before any law enforcing agency on demand.

- (i) Silicone Sealant used for car and bus windshield pasting
- (ii) Silicone Sealant used for bus body pasting
- (iii) Silicone Sealant used for building expansion joints

g) With regard to the issues relating to determination of non-injurious price, it is stated that NIP has been worked by following due procedure as laid down vide Annexure III of AD Rule.

h) The Authority notes the contention of the domestic industry that the Authority must deduct cost of packing in terms of drums and wooden pallet from the landed value of bulk imports for an apple-to apple comparison, and has therefore adjusted the Landed value and Net Export Price accordingly. The same is mentioned in the Injury Margin and Dumping Margin Tables above.

- i) With regard to the submission of the other interested parties on the production of PUC, the Authority re-iterates that the contentions are not supported with any evidence. Based on the available information, the Authority notes that the PUC as defined, and, which have been imported, are silicone sealants with the exclusions as mentioned earlier. The PUC has curing properties such as acid cure and neutral cure.
- j) With regard to the standing of the domestic industry, the Authority re-iterates that after considering the information on record, non-receipt of any response from four alleged manufacturers and the Ministry of Chemicals and Petrochemicals, the Authority holds the applicant/petitioner as the eligible domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the Rules, and that the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5(3) of the Rules
- k) The Authority has mentioned the methodology for calculation of residual duties in appropriate paragraphs of this final finding.
- l) Though core volume parameters have shown some increases over the years, the increase was not commensurate with the increase in overall demand, and actual capacity utilization figures of the domestic industry remained very low.
- m) Though the landed price increased between the base year and the POI, the difference in landed price and the selling price of the dumped imports have been significant and such price difference has affected the domestic selling price.

K. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST AND OTHER ISSUES

- 125. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duty, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of an open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. The Authority considered whether imposition of ADD shall have adverse public interest. For the same, the Authority examined whether the imposition of the duty on imports of the product under investigation would be against the larger public interest. This determination is based on consideration of information on record and the interests of various parties, including domestic industry, importers and consumers of the product.
- 126. The Authority issued gazette notification inviting views from all the interested parties, including importers, consumers and other interested parties. The Authority also prescribed a questionnaire for the consumers to provide the relevant information with regard to the present investigation, including the possible effect of the ADD on their operations. The Authority sought information on, inter-alia, interchangeability of the product supplied by various suppliers from different countries, ability of the domestic industry to switch sources, effect of the ADD on the consumers, factors that are likely to accelerate or delay the adjustment to the new situation caused by imposition of ADD, impact of imposing the present duty.
- 127. The views of the consumers who also attended the oral hearing and made submissions, have been examined. The Authority notes that these interested parties have not shown with quantified information that the imposition of the ADD shall have significant adverse effect either on these consumers or the public at large. The submissions made by the users that the imposition of duties on domestic industry will make the applicant monopolist and dictate prices and has already been addressed in the appropriate headings in this final finding.
- 128. It is also noted that the product has been imported from a number of countries. The table below shows import volume and price of the product from various countries during relevant period.

Country	Quantity (MT)				Rate (Rs/MT)			
	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
CHINA PR	1742	3056	3648	3726	92246	109469	152776	133279
KOREA RP	22	3726	4380	3664	180301	189016	234742	259052
VIETNAM	-	112	240	209	-	246817	285202	237842
USA	200	274	168	200	342292	418533	511375	523534
THAILAND	260	584	-	192	186815	210571	-	253733
Grand Total	5724	8408	9260	8356	161567	173286	215263	209854

*Source – DGCI&S Import Data

129. It is thus seen that a significant proportion of the product is being imported from various countries are not subject to investigation. Thus, there are other sources of supply of the subject goods apart from the subject country. The Authority notes that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

130. Regarding monopoly of the domestic industry, the Authority notes that there are 3 other producers of the PUC in India thus showing significant domestic competition. Further, there are review provisions under the Rules to address the developments in subsequent periods.

131. The Authority recognizes that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the imposition of anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping duties, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The Authority notes that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

L. CONCLUSION & RECOMMENDATIONS

132. Having regard to the contentions raised, information received, submissions made and facts available before the Authority as recorded in these findings and on the basis of the determination of dumping and consequent injury to the domestic industry made hereinabove, the Authority concludes that:

- The product under consideration has been exported from the subject country at a price below the normal value, thus resulting in dumping.
- The domestic industry has suffered material injury. The examination of the imports of the subject product and the performance of the domestic industry shows that the volume of imports from subject country have increased in absolute terms and also in relation to production and consumption in India.
- The imports from the subject country are undercutting the prices of the domestic industry.
- Both the selling price and cost of sales have increased during the injury period. However, the increase in selling price was not commensurate with the increase in cost evidencing price suppression. The landed price of imports which increased between the base year and the immediate previous year, declined significantly in the POI, and was all along less than cost of sales and domestic selling price of the domestic industry.
- Though the landed price increased between the base year and the POI, the difference in landed price and the selling price of the dumped imports have been significant and such price difference has affected the domestic selling price.
- Production, sales and capacity utilization of the domestic industry has increased over the injury period though sales during the POI marginally declined over the immediate previous year. The capacity utilization of the domestic industry has been very low in the entire injury period.
- The performance of the domestic industry has significantly deteriorated in respect of profitability parameters and return on capital employed during the POI over the base year even though there were some upticks in these parameters during the POI viz a viz the immediate previous year. The fall in profitability of the domestic industry between base year and the POI have been very substantial.
- There is causal link between dumping of the product under consideration from the subject country and injury to the domestic industry
- None of the users have provided any relevant information. The interested parties have not established the impact of ADD on the user industry with verifiable information. Since the duty recommended is based on injury margin as per the lesser duty rule, the duty recommended is fairly reasonable and it is not likely to cause any adverse impact on the downstream industry.

j. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all the interested parties and adequate opportunity was given to the domestic industry, exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and the causal link. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and causal link in terms of the provisions laid down under the Rules, the Authority is of the view that imposition of anti-dumping duty is required to offset dumping and injury. Therefore, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject country.

k. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to lesser of margin of dumping and the margin of injury so as to remove the injury to the domestic industry. The Authority, therefore, considers it necessary and recommends imposition of anti-dumping duty equal to the amount specified in column 7 of the duty table below on imports of the subject goods from the subject country, on all imports of goods described at Column 3 of the duty table, originating in or exported from China PR, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government. The landed value of imports for this purpose shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 and applicable level of custom duties except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

Duty Table

S.No.	Heading	Description*	Country of Origin	Country of export	Producer	Amount	Unit	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	Chapter 32 and 35	Silicone Sealants excluding silicon sealants used in manufacturing of solar photovoltaic modules, and thermal power applications	China PR	Any country including China PR	Anhui Join Leader New Materials Technology Co., Ltd.	396.99	Per MT	USD
2	-do-	-do-	China PR	Any country including China PR	Shandong Dongyue Silicone Material Co., Ltd.	501.55	Per MT	USD
3	-do-	-do-	China PR	Any country including China PR	Any producer other than serial no 1 to 2	738.73	Per MT	USD
4	-do-	-do-	Any country other than China PR	China PR	Any producer	738.73	Per MT	USD

*The following products are excluded from the product description:

- i. *Polyurethane Sealant*
- ii. *Polyurethane Foam*
- iii. *Polyurethane Foam Cleaner*
- iv. *Solar Potting Silicone*
- v. *Acrylic Sealant*
- vi. *Acrylic Neutral Sealant*
- vii. *Acrylic Weather Sealant*

- viii. *Siliconised Acrylic Sealant*
- ix. *RoHS grade Silicone Sealant*
- x. *REACH grade Silicone Sealant*
- xi. *Fire resistant/retardant Silicone Sealant*
- xii. *Silicone Sealant used for car and bus windshield pasting*
- xiii. *Silicone Sealant used for bus body pasting*
- xiv. *Silicone Sealant used for building expansion joints*
- xv. *MS Polymer based Sealant*
- xvi. *Industrial RTV Silicone Sealant*
- xvii. *High-temperature Neutral Silicone*
- xviii. *Two-component Silicone Sealant*
- xix. *Paintable Sealants*
- xx. *Non-bleeding Weather Silicone*
- xxi. *Insulating Glass Silicone*
- xxii. *Nail free adhesive or Mirror fix adhesive*

Provided the product exclusion with regard to below mentioned products will be strictly limited to actual users only. The actual users shall provide declarations to customs at the time of import regarding bonafide usage in this regard. Actual users would also maintain the monthly record in the form of verifiable consumption register for presentation before any law enforcing agency on demand

- i. *Silicone Sealant used for car and bus windshield pasting*
- ii. *Silicone Sealant used for bus body pasting*
- iii. *Silicone Sealant used for building expansion joints*

M. FURTHER PROCEDURE

133. An appeal against the order of the Central Government arising out of these findings shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

ANANT SWARUP, Designated Authority